

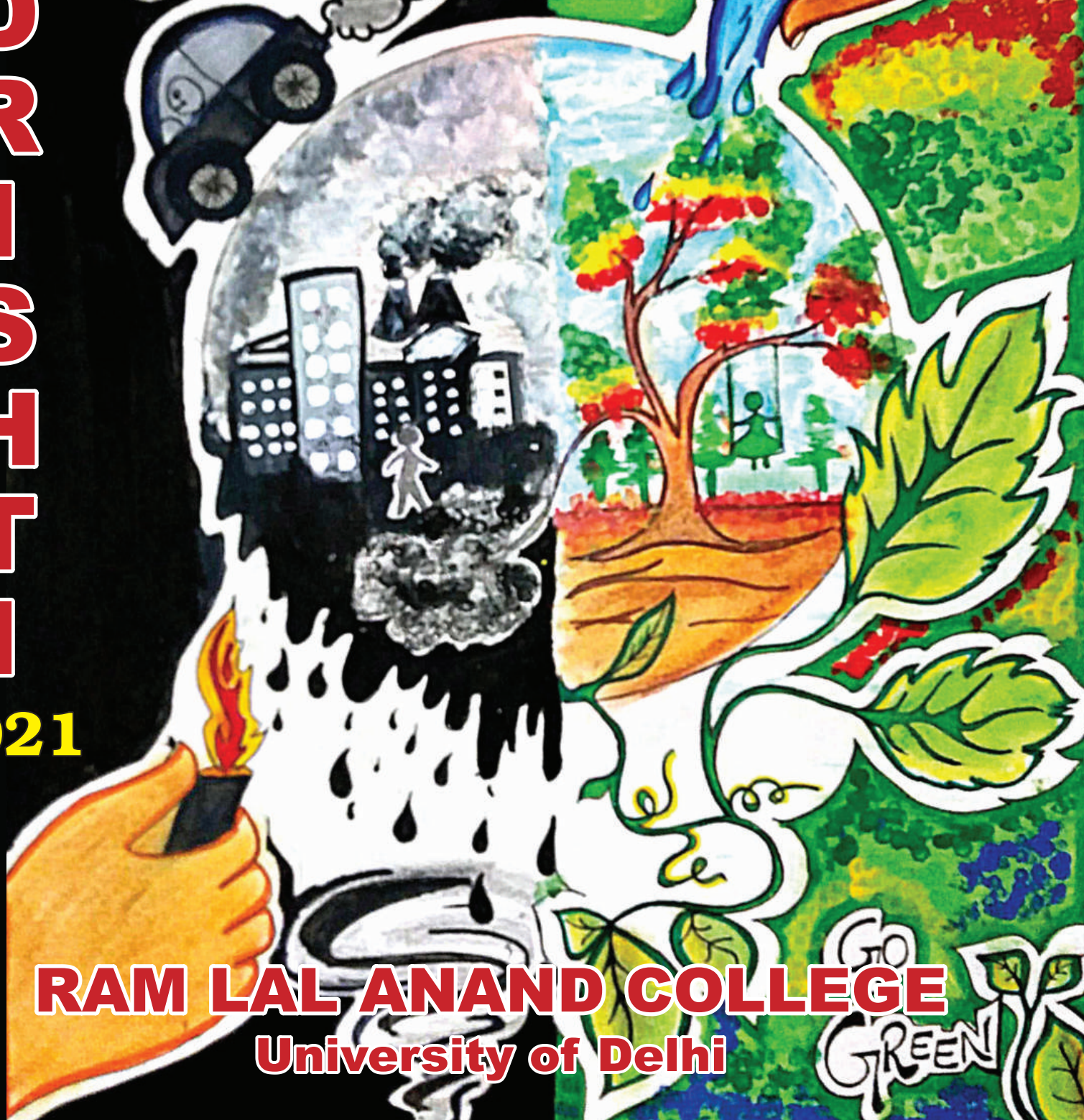
SAVE ENVIRONMENT

POLLUTION

SAVE LIFE

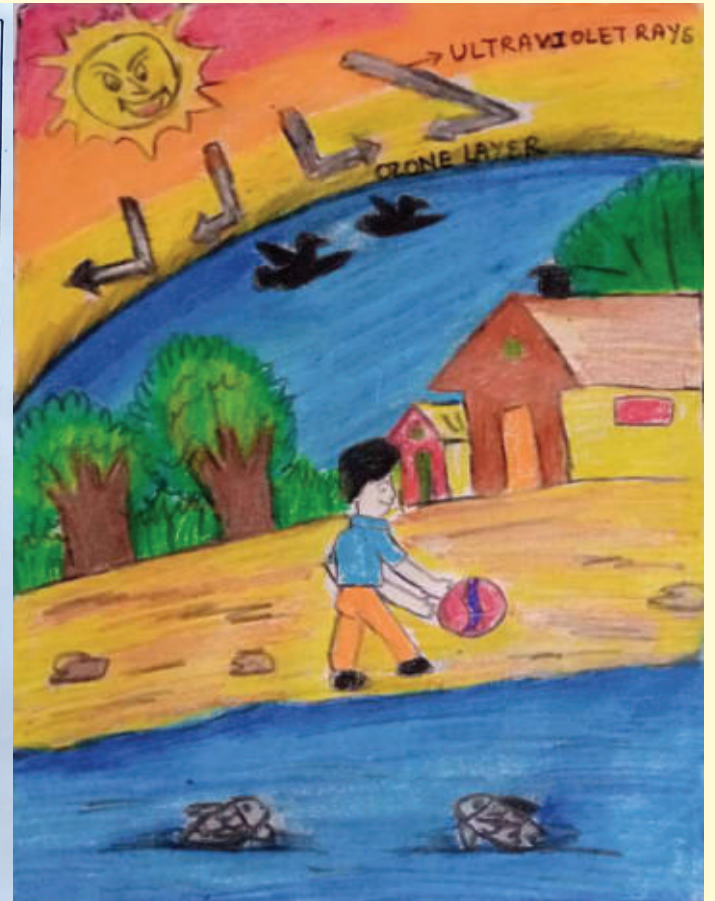
स  
म  
द  
रि  
स  
ह  
ति

2021



**RAM LAL ANAND COLLEGE**  
University of Delhi

GO GREEN



छात्रों द्वारा सृजित इन चित्रकृतियों में कुछ पुरस्कृत भी हैं।

# Contents....

चेयरमैन का संदेश	02	जैसे बर्फ सी जम गयी हो ठण्डी	45
Principal's Message	03	नारी	46
संपादकीय मंडल	04	मजदूर	46
संपादकीय	05	मन के झरोखे से	47
Gandhi Study Circle	06	मैंने पढ़ना, आगे बढ़ना अभी शुरू किया है	48
Library Committee	08	तुम करती ही क्या हो?	48
Enactus Report 2020-21	09	Delhi From My Eyes	49
Guru- The Quiz Society of RLAC	10	Gone Halcyon Days of Youth	49
Abhivaykti Report	11	आजादी क्यों न मनाए हम	50
Admission Committee Report 2021	12	मेरा भारत महान	50
NSS Report-2020-21	13	स्लोगन प्रतियोगिता	50
'आरोह' हिंदी वाद-विवाद समिति	16	देश प्रेम	50
Women Welfare Advisory Committee	17	एक गरीब की व्यथा	51
अस्मि: जेंडर सेंसिटाईजेशन कमेटी	19	हैपी मदर्स डे	52
Centre of Entrepreneurship and Technology Development (E-cell)	22	शहीदों को नमन	52
Centre for Human Values, Ethics and Life Skills-2020-21	25	Sketchbook	52
ECA Committee Report 2021-21	28	Murderer of Democracy	53
कपूत बेटा	31	सरकारी बाबू	53
House on Lease	32	भ्रष्टाचार का खेल	53
Falling into Abysses	33	मन की बात	53
The Rescue?	33	Corruption	54
The Window	34	भ्रष्टाचार का शिकार	54
Medusa	35	Choking Corruption	54
मेरा खूबसूरत बचपन	35	कैसा यह भारत निर्माण?	55
You: A Collection of Short Stories	36	छात्र राजनीति और दिल्ली विश्वविद्यालय	56
हिन्दुस्तान	37	विचार-वीथि: राष्ट्रभक्ति सर्वोपरि है	57
भारत मेरा सबकुछ	37	हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता व जनसंचार विभाग	65
The Mirror	38	Department of Management Studies	68
Beauty in all she is	38	Department of Commerce	71
Unleashing the Devil	39	Department of Geology	74
The Perfection is You	39	भारतीय अनुवाद परिषद	81
दीये का राष्ट्रप्रेम	40	Department of History	82
गौरवगान	41	Department of Mathematics	83
राष्ट्र-वीर	41	Department of Political Science	84
मातृभाषा हिन्दी	42	Yoga and Meditation Society	86
हिन्दी	42	B.A Program	88
Lonesome	42	Department of Physical Education	89
हँसते-हँसते मौत को गले लगाया था	43	समदृष्टि और सृजन पत्रिका	90
उजले कुर्ते में मजदूर	43	Department of Microbiology	91
ताले में मजदूर	43	National Cadet Corps	94
मेरी कविता 2020	44	भावपूर्ण श्रद्धांजलि	100
इस वर्ष कुछ अच्छा हुआ	44	Achievements	101
Crystals of Hope	44	Non Teaching Staff	102

# संदेश

प्रकृति सृजनकर्ता के सौंदर्य से मानवीय इंद्रियों को प्रफुल्लित करने का महत्वपूर्ण दायित्व— निर्वाह करती है। इसके गर्भ में जहां सृजन का बीज पलता है, वहीं संहार का तांडव निश्चित ही नृत्य करता है। ऐसा नृत्य जो प्रलयकारी सम्भवनाओं से मानव विवेक को भी चुनौती देता है। सन् 2020–21 इस दृष्टि से एक युग साबित हुआ है; जिसने विश्वपटल पर अपनी विशेष पहचान बनायी है, भले ही यह पहचान अंधकार के गर्भ से उभरी कोरोना महामारी की भयभीत कर देने वाली लहरें ही क्यों न हों। महामारी के इस समय ने मनुष्य की क्षणभंगुरता और मानवीय संवेदनाओं के दोनों स्वरूपों को मात्र भारत ही में नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व ने सही अर्थों में पहचाना है। शिक्षण संस्थानों, प्रशासकीय संस्थाओं, वैज्ञानिक अविष्कार संस्थाओं, और भी तमाम व्यवस्थाएं इस अंधकार की कोख से नई



सम्भवनाओं की तलाश में जूझती रही। लॉकडाउन के समय में आभासी दुनिया की ताकत मानव मस्तिष्क को झंझोड़ती दिखाई दी, जिसने इस परिस्थिति में अपना लोहा मनवा ही लिया। क्लास—रूम टीचिंग से गूगल क्लास रूम तक की विकास यात्रा ने नए मुकाम हासिल किए। इन विषम परिस्थितियों में अपने विद्यार्थियों से शिक्षकों का सम्बन्ध बनाये रखना स्वयं में बड़ी चुनौती रहा है। रामलाल आनंद महाविद्यालय के चैयरमैन होने के नाते मैं प्राचार्य प्रोफेसर राकेश कुमार गुप्ता, सम्पूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक कर्मचारियों को साधुवाद देना चाहता हूँ; जिन्होंने विपरीत धाराओं के बावजूद सम्पूर्ण कर्तव्यनिर्वाह करते हुए विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्स, नृत्य, गायन, चित्रकला, वेबिनार, शोध कार्य जैसे रचनात्मक और ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं को आभासी दुनिया के माध्यम से जोड़े रखा।

ऐसी विरुद्ध हवाओं के बीच 'समदृष्टि' पत्रिका का प्रकाशन महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पत्रिका के संयोजक और सम्पूर्ण सम्पादक मण्डल को मेरा आशीर्वाद और स्नेह है। आजीवन वे अपने रचनात्मक कार्य से जुड़े रहें। अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की नई उपलब्धियों के लिये शुभकामनाएं।

पद्मश्री दया प्रकाश सिन्हा  
चैयरमैन, प्रबन्ध समिति  
रामलाल आनन्द महाविद्यालय

## PRINCIPAL'S MESSAGE

It gives me an immense pleasure to write this message for our college magazine "Samdrishti-21'. Through this message, I take the opportunity to reflect upon the year's successes and to refocus on our goals that we need to accomplish in the coming year amid various unprecedented hardships.

Samdrishti is our college magazine published annually every year to showcase the creative talent of our students under the able guidance of the college faculty. The timely publication of this magazine involves a yearlong hard work of students and the editorial board.

This magazine is a compilation of the efforts of the college to achieve its mission and vision of holistic development of youth through inculcating critical and Innovative thinking, enhancing industry oriented skills and building their character to serve our great Nation. The college faculty and staff always thrive to instil the principles of Democratic values, Tolerance, Empathy, Compassion and Sensitivity among students to mould them into responsible citizens.

Last year was a very stressful year as all of us were deeply affected by CORONA pandemic. We had to shift from our traditional face to face teaching learning process to online teaching mode. All the creative, co-curricular and sports activities were switched to the online platform. This unwarranted change posed a serious challenge before the students and the faculty to continue these life skills and activities with the same enthusiasm and fervour. However, to my utmost satisfaction, my esteemed colleagues, staff and the brightest lot of students of the college in the University of Delhi overcame these challenges and difficulties with their unwavering determination and commitment and turned the nightmares of COVID into opportunities. While reading this magazine you will witness the overwhelming participation of students in debates, drama, creative writing, Yoga and meditation, webinars on various aspects of academic discourses, community service, public awareness and sensitization programs and most importantly in the value added skill development certificate courses. A large number of students brought laurels to the college by winning competitions organised at the University and the National Level. The results of the year were very promising with a University Topper in the Department of Geology. The college office staff worked 24x7 to provide hassle-free online service to the students.

I congratulate all the students, staff and faculty for engaging themselves to explore their best potential during the closure of the college for physical presence of its stakeholders. I extend my heartfelt thanks to the editorial board for bringing such a beautiful, informative and enlightening magazine.

I wish a safe, healthy and happy life to all the stakeholders of the college.

JAI HIND



*R. Gupta*

Prof. Rakesh Kumar Gupta

# संपादकीय मंडल



डॉ. अर्चना गौड़



प्रो. सुभाषचंद्र डबास  
संयोजक, समदृष्टि एवं सृजन पत्रिका समिति



डॉ. ऋतंबरामिश्रा



डॉ. अलंकार



डॉ. सलोमी जॉन

## तकनीकी सहायक



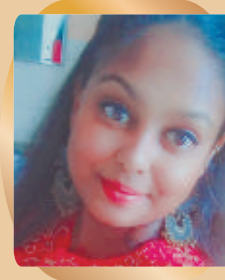
बिपिन कुमार



नीरज कुमार



सचिन चौहान



अंजलि



गीतू कात्याल

## छात्र संपादकीय मंडल

# संपादकीय



वर्ष 2020 –21 का समय 'करोना काल' के रूप में पूरी दुनिया के समक्ष एक चुनौती बनकर आया। दुनिया भर के लोगों ने इस प्राकृतिक आपदा से जूझते हुए जीने के नए-नए रास्तों की खोज की। लोक डाउन, सतर्कता और आत्मानुशासन, योग प्राणायाम तथा आयुर्वेदिक औषधि व घरेलू उपचार अस्पतालों व स्वास्थ्य सेवाओं के समानांतर जीवनदायिनी शक्ति का पर्याय हो गए थे। घर से बाहर निकलते समय मास्क लगाना और भीड़ से बचना जीवन के सुरक्षा चक्र का एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया था। अपने तन मन के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए परिजनों की कुशलता की जिम्मेदारी का निर्वाह करना भी सभी लोगों की कर्तव्यनिष्ठा को रेखांकित करता है। ऐसे समय में विद्यार्थियों के लिए स्कूल कॉलेज का खुला जीवन उपलब्ध न हो पाना और ओ बी ई परीक्षा प्रणाली का लागू होना एवं ऑनलाइन कक्षाओं की निरंतरता नए जीवन चक्र की रचनात्मकता और सक्रियता को ही संलक्षित करती हैं। कॉलेज की पत्रिका 'समदृष्टि' छात्रों की

प्रतिभा, ऊर्जा और कला कौशल व ज्ञान का प्रमाण है। विभिन्न विषयों पर छात्रों की रचनाएं उनकी कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता को ही लक्षित करती हैं। इस दौर में कॉलेज की विभिन्न समितियों और विभागों द्वारा ऑनलाइन अनेक आयोजन कराए गए। इसी क्रम में 'समदृष्टि' समिति ने भी स्वच्छता, देशप्रेम, देशभक्ति, पर्यावरण, आजादी का अमृत महोत्सव आदि विषयों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया; जिनमें विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी उनकी रचनात्मकता को ही प्रतिबिंबित करती है।

अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में हमारे आत्मीय सहयोगी डॉ देवेन्द्र कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग) और डॉ. कुसुम रानी गुप्ता (एसोसिएट प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग) का असमय कोरोना काल का ग्रास बन जाना रामलाल आनंद परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। हम उन दिवंगत आत्माओं को शत-शत नमन करते हैं। दोनों महाविभूतियों की कर्मठता, जीवंतता और आत्मीयता हम सबके लिए चिर स्मरणीय और उत्प्रेरक रहेगी। मानव कल्याण की कामना से ओतप्रोत ये दिव्य वाणी यहां अवलोक्य है:

**“सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।  
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्॥”**

रामलाल आनंद महाविद्यालय की प्रबंध समिति के चेयरमैन पद्मश्री दयाप्रकाश सिन्हा का मार्गदर्शन एवं प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता का सत्प्रयास और सत्प्रेरणा जीवन में हम सभी का उत्साहवर्द्धन करती रही हैं। इन सभी सकारात्मक, सार्थक और रचनात्मक प्रयासों की प्रतिकृति 'समदृष्टि' आपके हाथों में है। आप सभी को साधुवाद।

**प्रो. सुभाषचंद्र डबास**  
संयोजक, समदृष्टि एवं सृजन पत्रिका समिति

# GANDHI STUDY CIRCLE

## Report of Activities 2020-2021

1. GSC organized a National Conference in collaboration with Gujarat Vidyapith, Ahmedabad on “Self-Reliant India: A Gandhian Perspective (‘‘आत्मनिर्भर भारत: एक गाँधीवादी दृष्टिकोण’’) on 28th and 29th September 2020 on Google meet platform in 4 sessions in which more than 250 participants participated in each session. Following scholars delivered their speech related to aforesaid topic:

Prof. Anamik Shah, Vice Chancellor, Gujarat Vidyapith  
(गाँधी और आत्मनिर्भरता की संकल्पना)

Prof. Ramesh Bhardwaj, Director, Gandhi Bhawan, DU (Key Note Address)  
(आत्मनिर्भर भारत: एक गाँधीवादी दृष्टिकोण)

Prof. Vidyutbhai Joshi, Former Vice Chancellor, Bhavnagar University  
(इक्कीसवीं शताब्दी में स्वावलंबन का स्वरूप)

Mandabehen Parikh, Trustee, Indian Society for Community Education, Ahmedabad  
(महिला स्व सहाय समूह एवं आत्मनिर्भरता)

Prof. Satyakam Joshi, Centre for Social Studies, Surat  
(आदिवासी उत्कर्ष और गाँधी का स्वावलंबन )

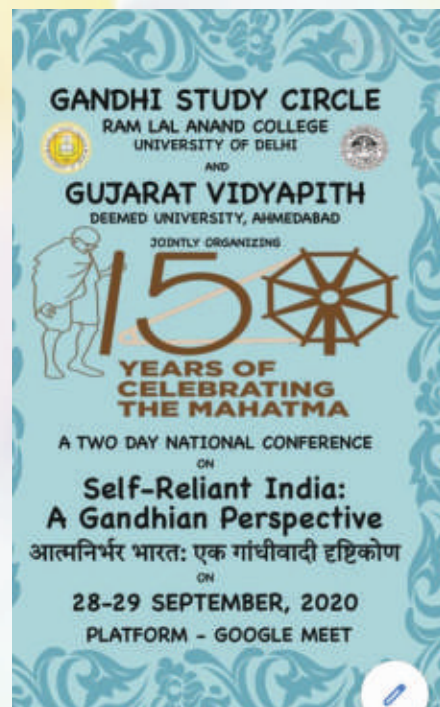
Shri Rameshbhai Sanghvi, President, Sushil Trust, Bhuj  
(खादी एवं वस्त्र स्वावलंबन)

Dr. Rajendra Khimani, Director, Gujarat Vidyapith  
(ग्रामीण भारत कृषि और स्वावलंबन)

Prof. Bharat Joshi, Dean, School of Learning, Gujarat Vidyapith  
(भारत की शिक्षा व्यवस्था और आत्मनिर्भरता)

Research papers were also read by several scholars in each session except inaugural. All the research paper presented in this Two-Day National Session got fully reviewed and converted into a book which was published in the same year itself.

2. GSC of RLA College secured 1st position in the field of Gandhian values in the entire Delhi University on the basis of the events and activities of 2019-20 session. College, GSC and Student President were awarded by Honourable Vice Chancellor Prof. P. C. Joshi on 2nd Oct 2020 at Gandhi Bhawan, University of Delhi.







3. Inter- College Essay Writing Competition: GSC conducted an Essay Writing Competition on “Gandhian Values and Nation Building on 21st Jan 2021. Merit certificates were given to those students who secured 1st, 2nd and 3rd positions. More than 60 students participated in this competition from various colleges of D.U. through online mode. Circle also provided E-certificates to all participants.
4. Inter-College Debate Competition: GSC conducted an inter college debate competition on “Relevancy of Gandhian Thought in the Present Day World” on 29th April 2021. Student participation was phenomenal and commendable. 15 teams grabbed the opportunity to participate. GSC provided e-certificates and award winning certificates.
5. With the aim of creating awareness for NO to TOBACCO, GSC circulated the message of renouncing tobacco and importance of living Toxin-free life 'Health is Wealth' On 31st May, 2021.
6. One-Day Webinar- A webinar titled “Azadi Ka Amrit Mahotsav And Our Responsibility” was held on 6th August 2021 in which the Director of Gandhi Bhawan, Prof. Ramesh Bhardwaj not only delivered a talk but interacted with students also. This webinar was conducted in the remembrance of Dr. Devendra Kumar, Gandhi Study Circle, Ram Lal Anand College, University of Delhi
7. Inter- College Essay Writing Competition: Gandhi Study Circle conducted an Essay Writing Competition. The topic for the essay was “Gandhism And Emerging Violent Tendencies In The World”.

12 Future Plans include :

1. National Webinar on “Relevance of the Gandhian Vision in the Rampant World Wide Violence in first week of October 2021.
2. Quiz competition in November 2021.
3. A one week workshop is proposed in second or in third week of January 2022.
4. Circle is also planning to organize a national conference in February 2022.

**GANDHI STUDY CIRCLE**  
RAM LAL ANAND COLLEGE  
UNIVERSITY OF DELHI

IS ORGANISING  
AN INTER COLLEGE ESSAY WRITING COMPETITION

TOPIC  
“GANDHIAN VALUES AND NATION BUILDING”  
“गांधीवादी मूल्य और राष्ट्र निर्माण”

- 1- All participants are requested to submit their respective essay on the email id- “ragsc2019@gmail.com”
- 2- Word limit for the essay is 800-1000 words.
- 3- Plagiarism is not allowed.
- 4- The last date to submit the essay is 21st January, 2021 till 5 pm.
- 5- Certificates will be provided to all participants.
- 6- Best essay will be awarded with a merit certificate.

STUDENT COORDINATORS:- SACHIN (843102435)  
PRATIBHA (8604852207)

Dr. Devendra Kumar  
Convener  
Gandhi Study Circle

Dr. Rakesh Kumar Gupta  
Principal  
Ram Lal Anand College

**Gandhi Study Circle**  
Ram Lal Anand College  
Delhi University

Presents  
Inter College Debate Competition  
Topic  
“असत के वैदिक सौंदर्य में गांधी विचार की प्रासंगिकता”  
“Relevancy of Gandhian Thought In The Present Day World”

Rules:-

- Individual participants are not allowed.
- Language can be English or Hindi.
- Time limit is 3 minutes.
- Switching on your camera while speaking is mandatory
- Interruption is not allowed.
- Merit certificates for winners.
- Participation certificates for all.

Click here for registration.  
For any query, Contact: Sachin (8630703458), Pratibha (8604852207)

Dr. Devendra Kumar  
Convener  
Gandhi Study Circle

Dr. Rakesh Kumar Gupta  
Principal  
Ram Lal Anand College

**Gandhi Study Circle**  
Ram Lal Anand College  
Delhi University

Presents  
World No Tobacco Day  
On 31st May, 2021

“धूम्रपान शरीर, मन और आत्मा का नुकसान करता है” - गांधी जी

प्रतिज्ञा  
इस गांधी आजाद प्रतिज्ञा करने हैं कि जीवन में गांधी विचारों को बढ़ावा देना शुरू करेंगे, अपने संबंधों में आने वाले सभी लोगों को नुकसान नहीं करने के लिए प्रेरित करेंगे, इस प्रकार हम सभी देश के विकास और मानव कल्याण में अपना योगदान दे सकेंगे.

Dr. Devendra Kumar Gupta  
Convener  
Gandhi Study Circle

Dr. Rakesh Kumar Gupta  
Principal  
Ram Lal Anand College

**Gandhi Study Circle**  
**Ram Lal Anand College**  
 University of Delhi

Organising webinar  
**In The Remembrance Of Dr. Devendra Kumar**

Topic  
**"Azadi Ka Amrit Mahotsav And Our Responsibility"**  
**"आजादी का अमृत महोत्सव और हमारा दायित्व"**

**Speaker : Prof R. C. Bhardwaj**  
 (Director, Gandhi Bhawan, University of Delhi, New Delhi)

**Date - 6th August 2021**  
**Time - 12:00**

[Click here for registration.](#)

Prof. Subhash Chander Dabas  
 Convenor  
 Gandhi Study Circle

Prof. Rakesh Kumar Gupta  
 Principal  
 Ram Lal Anand College

**Gandhi Study Circle**  
**Ram Lal Anand College**  
 University Of Delhi

Is Organising  
**An Inter College Essay writing Competition**

Topic  
**"Gandhism And Emerging Violent Tendencies In The World"**  
**"गांधीवाद एवं विश्व में उभरती हिंसात्मक प्रवृत्तियों"**

1- All participants are requested to submit their respective essay on the Email id: "rlags2019@gmail.com". Entry without personal information (Name, Email id, college, course, mobile number) is not acceptable.  
 2- The word limit for the essay is 700-1000 words.  
 3- Plagiarism is not allowed.  
 4- The last date to submit the essay is 20th September 2021 till 5 pm.  
 5- All participants will be given the certificate of participation.  
 6- Winners will be awarded with certificates and cash prize:  
 First prize - 1500 Rupees  
 Second prize - 1000 Rupees  
 Third prize - 700 Rupees

**Click here for registration**

For any query contact : Geeta (8588019992), Shubham (9667126254)

Prof. Subhash Chander Dabas  
 Convenor  
 Gandhi Study Circle

Prof. Sanjay Kumar  
 Co-convenor  
 Gandhi Study Circle

Prof. Rakesh Kumar Gupta  
 Principal  
 Ram Lal Anand College



This program will be held on its schedule timing If ongoing pandemic situation remains under control.

5. Peace Rally on "Mission Non-Violence" on 30th January 2022.
6. Peace Rally on 28th February 2022 on the Death Anniversary of Kasturba Gandhi.
7. Circle is also planning to organize a virtual tour and an educational tour in March 2022.

**Prof. Subhash Chander Dabas**  
 Convenor  
 Gandhi Study Circle

## LIBRARY COMMITTEE

The Library Committee allocated all available funds to different departments decided by the Committee members. Out of the budget allocation for purchase of books, a total 852 textbooks and 68 reference books were purchased this year and an amount of INR 6,25,680/- was spent. An amount of INR 15 lacs was approved by GB for Book bank Facility with a provision of complete sets of course books for needy students of all programmes. For Visually Challenged students, the prescribed books were scanned by Kabo Scanner and converted to VH readable E-Texts which were shared with students. The library staff was trained on Plagiarism Detection Software, URKUND. Students and faculty were given remote access to Library Resources via NList membership so that they can have reading material access at home in the time of pandemic.

**Prof. Subhash Chander Dabas**  
 (Convenor, Library Committee)

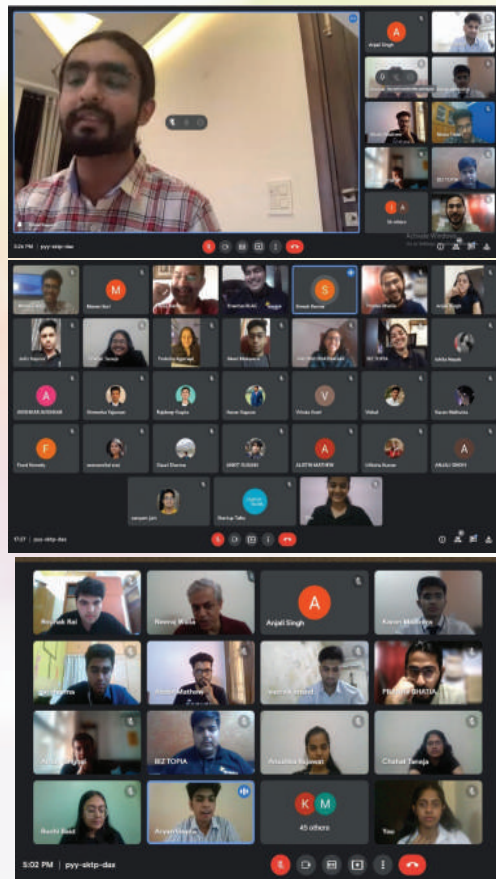
# ENACTUS REPORT 2020-21

Under the able guidance of honorable Principal Dr. Rakesh Kumar Gupta, Convener Dr. Neena Mital, we marked the beginning of this year by preparing and working hard to participate in the prestigious, Enactus Nationals organized by Enactus India and presented our project Roopantaran there. Following that, we moved ahead by organizing an hour long orientation to send the message associated with Enactus to the new students enrolled in the college. Following the orientation, we went through with our recruitment drive and formed a team of 26 enthusiastic members.

We have been striving with both our projects – Project Roopantaran and Project Bantawala as well as have been trying to focus on new project ideas in the current Covid scenario. The Covid situation in the country was alarming, every individual was going through one thing or the other taking a toll on both mental and physical health of individuals. However, to boost up the morale of our members, society was in regular touch with the members and self-verified covid relief information was continuously being updated and circulated on our social media handles. Enactus RLAC has always volunteered to boost the sales for FOD and this year was no different. The students went in two shifts for three days and managed to get Family of Disabled heavy sales and donations as well at the Shelf-E-Book Book Festival.



**Shelf-E-Book Book Festival**



Enactus held its first ever society fest: Biztopia in the year 2021, held online keeping in mind the covid situation in the country. It was a two day event where we hosted a Business Conclave on June 26, 2021. The speakers were invited from various backgrounds and were on the top of their league. We had the pleasure of learning from talented and experienced speakers like Kunal Kapoor, Neeraj Walia, Kriti Singhal, Taran Singh, Samantak Bhadra, Aakarshan Sethi and Susmita Das Gupta who were present to guide young entrepreneurs in the most efficient and useful direction.

On June 27, 2021 we hosted our Business Plan Competition where teams from all over the country took part and the projects had the great opportunity to be judged by Anuj Batra and Sivesh Kumar. Overall the event saw great participation and was a great learning opportunity. Many of our students were mentored by various industry experts in numerous webinars and conclaves taught them how Enactus has benefitted society over the years.

The core team for 2020-21 consists of Vishal Bhola (President), Isshika Chopra (Vice-President), Rounak Rai (Networking Head), Tushar Taneja (Project Head - Roopantaran), Sarthak Gupta (Project Head - Bantawala), Ishan Goel (Social media Head), Preksha Agarwal (Creative Head), Titiksha Kumar and Tanya Chhabra. As for advisory for this year we had the guidance of Dhruv Sharma, Ruchi Baid, Masaya Sahoo, Abhishek Gupta and Abhigyan Mishra.

**Dr. Neena Mital**  
Convener

# QURU- THE QUIZ SOCIETY

The Quiz Society of RLAC promotes quizzing skills among the students. The society is regulated by a team comprising faculty members and student office bearers. This academic session, the selection process of the members started with online registration for the audition in the month of Oct'2020, in which 72 students of 2nd and 3rd year got registered. The 1st year students' registration took place in the month of Jan'2021, and a total of 38 students showed their interest to be a part of the society. Four of the former members of the society continued as the co-coordinators and held a rigorous two-round online audition of registered students. Out of which 18 students were selected as society members.

Further, the Society organised an online orientation program for the new members on 8th February' 2021. The faculty members addressed the new members about the goal and purpose of quizzing. The student co-coordinators discussed the various quizzing related activities such as newspaper reading sessions, practice quizzes to prepare for competitions, and the responsibilities of organising quiz-related events in the college. In the orientation, the society announced its election for the office-bearers. It was mutually decided that for the post of President and Secretary, the nominations of working co-coordinators will only be permitted. However, the joint-secretary position was open for all the new members of 1st year. Accordingly, an online election through Google form with registered email ID's of students was held on 10th February 2021.

On International Woman's Day i. e. 8th March 2021, the Society conducted an intra-college open online competition to make the participants aware of women's social and constitutional rights. More than 100 students from various courses registered through Google form. Cash prizes and E-certificates were given to the winners and participants. Mr Ashwin of BMS secured 1st position in the competition. The society is further planning to hold a quiz-fest for the coming academic session.

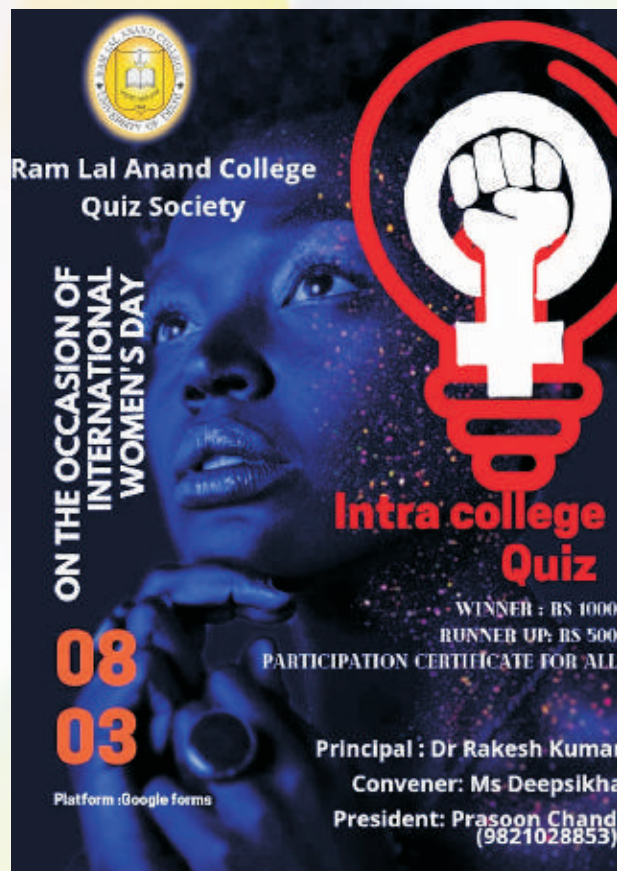
## List of Faculty members:

Ms Deepshikha Kumari (Department of English) -Convenor  
Dr Pratik Kumar (Department of History)-Member  
Dr Shalini Swami (Department of Microbiology)-Member

## List of Student Office Bearers:

Mr Prasoon Chand- President (History H 2nd Y)  
Mr Sajal Chaudhary- Joint Secretary (BAP 1st Y)

Mr Adhiraj Gupta-Secretary (Pol Sc. H 2nd Y)  
Ms Medha Kochar- Co-ordinator (BMS 2nd Y)



## ABHIVYAKTI REPORT

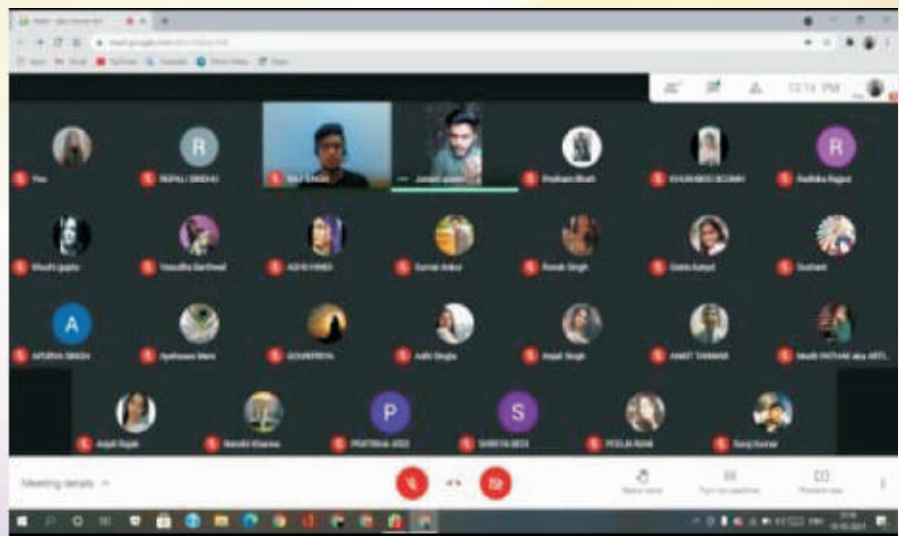
Abhivyakti, the Creative Writing Society of Ram Lal Anand College, is a society that embodies the true spirit of writing. Throughout the session, the society has actively worked to spread the love for writing and bring a positive approach towards the world of storytelling, poetry writing, etc. With the coronavirus forcing the world to move to online platforms, the society held regular weekly review sessions, every Saturday to increase the interaction within members and provide feedback to each member on the piece of writing they wanted to be reviewed, for both English and Hindi. Due to the ongoing coronavirus pandemic, the review sessions were conducted online on the Google Meet Platform, providing the members an opportunity to receive honest feedback and revise their work. The society also organized various competitions and events throughout the year.

The society held an Inter College Bilingual Prose Writing Competition “De Coeur” on 30th January, 2021. With a diverse pool of almost ninety-three participants from various colleges like Motilal Nehru College, Delhi School of Journalism, Hindu College, P.G.DAV College, Maharaja Agrasen Institute of Management Studies, Bhimrao Ambedkar College, Indraprastha College for Women, Ashoka University, etc. the intense competition was conducted in two- rounds. Due to the ongoing pandemic, the competition was held online on Google Meet platform. The participants were shown two videos and asked to submit their prose, based on the two videos. Fifteen participants selected in the first round were asked to recite their submitted pieces in Round 2. The event was a celebration of various thoughts coming together, without any language barriers.

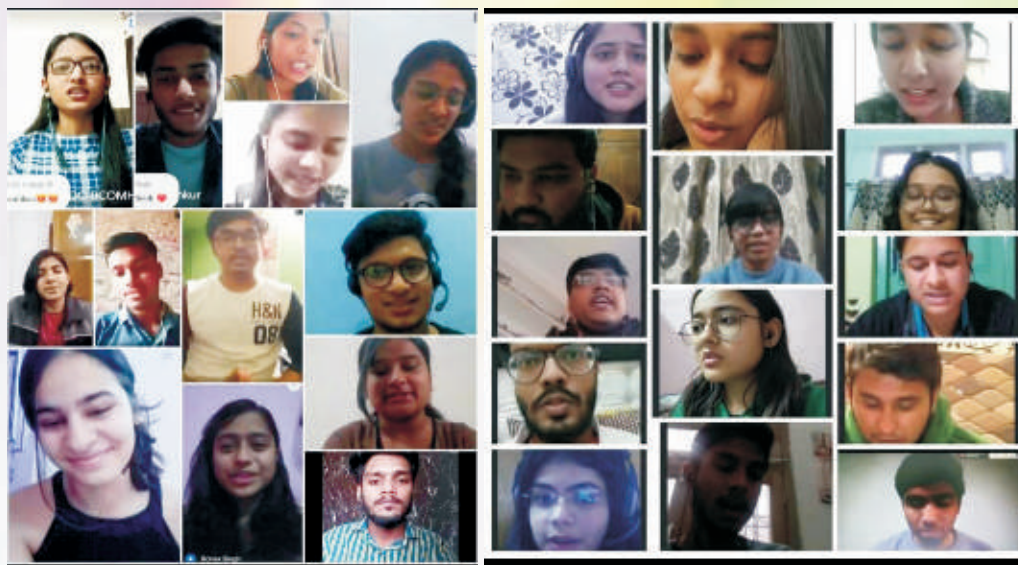
An Online 30-hour Certificate Course in Creative Writing in English was also organized by the society from 15 January, 2021 to 5 March, 2021. The course was a 30-hour online course, divided into two-hour classes held on each Friday and Saturday. Dr. Kiran Mishra, a media professional with over 23 years of well-honed experience in the field of Creative Writing, was invited as the speaker. The course covered various aspects of Creative Writing, namely story writing, developing plot, characters and setting, poetry writing, prose writing, descriptive writing, use of imagery, figurative language and stylistic devices, editing and rewriting, etc. The course was taken up by over one hundred students, providing for an engaging and interactive learning experience.

The society organized a Bilingual Prose and Poetry Writing Competition on the occasion of “Azadi Ka Amrut Mahotsav” on 12th April, 2021. The inter-college competition was based on the Role of Women in India’s Independence struggle. With the need to look back and remember the role women played in the Independence struggle, the competition served as a medium to invoke respect for women and their role in the society.

The society also organized an Open Mic Event for the students of Ram Lal Anand College, on 10th May, 2021 as a detour to escape from the negative effects caused by the rising cases of corona virus on the mental health of the students. The event allowed the participants



to express themselves freely, without any pressure of winning, through any form of creativity, like poetry, storytelling, singing, stand-up comedy, ghazal, etc. to provide a platform where the participants could share their thoughts and feel less lonely. The event served as a platform for a positive change in the mindsets and feelings of the participants.



Throughout the 2020-2021 session, the society members actively participated in various creative writing, poetry and prose competitions organized by colleges of University of Delhi, showcasing their creativity and bringing home various accolades from these competitions, be it in English or in Hindi. Rupali Sindhu, a third-year student from BA(Hons.) English, won the first prize in a creative writing competition organized by Bhaskaracharya College of Applied Sciences. Geetu Katyal, a second-year student from BJMC, also bagged first prize in a photography and storytelling competition organized by Gargi college. Junaid Alam, a second-year student from BA(Hons.) Hindi, received third prize in Kavita Pratiyogita, a Hindi poetry competition organized by Swami Shradhanand College. Various other members, received special mentions in competitions organized by colleges like Jesus and Mary College, etc.

The society has also collaborated with Panned Pals, an online community which represents young writers, to conduct an online event in June- July, 2021. The event will offer a platform for young writers, singers, dancers, etc. to showcase their talent and win exciting prizes as well as gain exposure.

Abhivyakti has worked to improve the skills of its own members as well as to provide a platform for all budding writers to express themselves, without the language barrier. The members aim to work hard and learn more in the future.

**Dr. Ritambhra Mishra**  
Convenor

## **ADMISSION COMMITTEE REPORT 2021**

In 2020-21, the entire admission process was online. A total of 871 admissions were done against 886 sanctioned seats in various programmes. The total admission done including the supernumerary seats under the Pwd/Cw/Sports/ECA/Ward quota were 926. An online Orientation Program for students enrolled in 2020-21 to apprise them about all academic programmes of study, extra curricular activities, research opportunities, extension activities and add on courses was held on 20th November 2020 using the Zoom platform. This was attended by more than 600 students and parents.

**Prof. Subhash Chander Dabas**  
Convenor

## NSS REPORT-2020-21

National Service Scheme or NSS was launched in Mahatma Gandhi's birth centenary year 1969 in 37 universities with the primary aim to develop personality of student volunteers through community services. The scheme is currently running in all the states and universities in the country under the Ministry of Youth Affairs and Sports. The motto of NSS is "Not Me But You". It helps students to identify the needs and problems of the community and to involve them in problem solving process.

This year, NSS RLAC has been very active in developing the personality of student volunteers and preparing them for future through various community services.

NSS Program Officer, Dr. Rita Jain led the team NSS in 2020-21. Under her guidance, on 10th October'20, NSS team of RLA formally welcomed the volunteers for session 2020-21 through an orientation program with an aim to achieve the goal at making a better society.

After rigorous selection process, the following hardworking and dedicated volunteers of last year were nominated as Office Bearers and Group Leaders of NSS for the year 2020-21:

President: Parveen Kumar, B.A (H) Political Science, IIIrd year

Secretary: Saijal Bajaj, B.Sc (H) Statistics, IInd year

Sneha Gupta, Mudit Arora, Lokesh, Kanav Kukreja, Shivam Choudhary, Sarthak Mehta, Nandani Kashyap and Dimple Kumari were nominated as Executive Members of NSS.

Despite the challenge of conducting effective and worthwhile programs and activities in the online mode amidst the pandemic, NSS RLAC under the guidance of our principal, Dr. Rakesh Gupta and our Program Officer, Dr. Rita Jain, managed to achieve success.

From an insightful session on 'Online Safety' in collaboration with YOLO to a heartfelt talk on 'Tree





Plantation’ by Dr. Santosh George G; from celebrating Diwali with ‘Best out of Waste’ theme to capturing the ‘Emerging Life’ around you; from an informative ‘Anti-Drug Campaign’ talk by Dr. Rajiv to having an awareness program on ‘Violence Against Women’ by Ms. Chandni Khanduja, team NSS witnessed overwhelming participation from all the volunteers.

Shortly after the fresh admissions in the college for the academic year 2020-21, NSS RLAC had its new recruitment. Out of 150 registrations, 70 new volunteers were added to the team. A team of 120 NSS volunteers was then ready to contribute to the community service and sincerely follow the motto of NSS.

Our NSS volunteers, Lokesh and Gaurav participated in State Level Youth Festival which was organized by Directorate of Education, Government of National Capital Territory from 1st January’21 to provide youth with a stage to showcase their talent from Narrative Poetry to Creative Writing.

NSS RLAC also organized a donation drive in the college campus from 18th January’21 to 25th January’21. The vision of the drive was to connect with the less fortunate through clothes, books, stationaries, etc. All generous donations received under donation drive were handed over to UMEED NGO by our program officer, Dr. Rita Jain. The exchange took place in the presence of UMEED founder Mr. Subhrajeev Gautam on 3rd February’21.

On 25th January’21, NSS team celebrated the National Voter’s Day by organizing a pledge-taking ceremony followed by a digital poster-making event to mark the foundation day of Election Commission of India with the main objective to educate and encourage young voters to vote during elections.

NSS also organized an intra-college prompt writing competition on 30th January’21 with exciting cash prizes for top 3 positions. With the given prompt as a start, stories woven during the event highlighted the need for social change. The event was successful with more than 100 registered students. The entries under this event covered various genres and the words of participants reflected an ocean of thoughts whose waves hold the caliber to brew a tsunami.

A series of events from quiz to slogan writing to road safety symbol making from 8th February’21 to 10th February’21 affirmed our commitment to spread awareness about how to avoid accidents and injuries while on the road under the theme ‘SADAK SURAKSHA, JEEVAN RAKSHA’ while observing ‘National Road Safety Month, 2021’, formally launched by our Honourable Prime Minister Shri Narendra Modi.

To mark the occasion of International Women’s Day, female NSS volunteers took part in the Fit India



Walkathon organized by the Ministry of Youth Affairs and Sports at Jawaharlal Nehru Stadium, Delhi on 8th March'21. The event was graced by the presence of Mr. Kiren Rijiju, Honourable Minister of State (Independent Charge) for Youth Affairs and Sports. The volunteers marched around the stadium enthusiastically.

Our Honourable Prime Minister Shri Narendra Modi had launched a program 'Azadi ka Amrit Mahotsav' to mark the 75th Independence Day. So, NSS RLAC also celebrated this joyous event by organizing an event where volunteers narrated the historical saga behind monuments and also inspiring stories related to them.

The first-ever annual festival 'SANKALP 2021' with the theme 'Volunteerism: An Inspiration in Action' was organized by NSS RLAC from 11th April 2021 to 12th April 2021 via online mode. Two competitions were held under the fest with exciting cash prizes. 1.) Sanrachna: The Storytelling Competition; In this competition, participants were provided with a platform to express themselves through a story they created. 2.) Treuropedia: Quizzing event; It was a team event, in which participants were quizzed on their knowledge about 'Social and Historical figures of India'. Also, an informative talk session by Ms. Anupama Datta (Editor-HelpAge India Research and Development Journal) was organized followed by closing ceremony and announcement of results. The closing ceremony was graced by the presence of our honourable Principal Dr. Rakesh Kumar Gupta. The fest turned out to be successful with more than 400 students registrations from various institutions all over the country.

During this pandemic, NSS Unit of Ram Lal Anand College has taken many initiatives to provide mental relief to the volunteers, their families and all other youths associated with it. NSS started a helpdesk for blood, plasma and bed availability in DELHI-NCR region via the college website and various social media handles. The volunteers have been continuously active and they spread awareness by busting the myths in regard to vaccination drive. Every week many digital and handmade posters were made and shared by the volunteers to motivate and aware people about the Covid appropriate behaviour. Many videos, posters spreading awareness about COVID 19 were uploaded on the college website.

While awareness plays an important role, the results are achieved by execution. The NSS Unit organized a 15-day Yoga camp in collaboration with Yoga and Meditation society on the 7th International Day of Yoga. Volunteers learned the art and benefits of Yoga from Yoga Gurus Shishir Pokhriyal and Rahul Bhadotiya. Under the initiative of Ministry of Ayush (Govt. of India), Patajali Yogpeeth, Heartfulness Institute and many other reputed organizations, volunteers from NSS RLAC took part in a 100-day programme, 'Yoga for Unity'. While these examples represent less than a fraction of initiatives, we as a team have conducted numerous workshops and webinars so that the young volunteers indulge themselves in a healthy way of life in the future life.

From 'Constitution Day' to 'National Youth Day', from 'Makar Sankranti' to 'Basant Panchami', from 'World NGO Day' to 'No Smoking Day', from 'World Heritage Day' to 'Earth Day', from 'World Health Day' to 'National Safety Day'; NSS RLAC had tried to touch every aspect to spread awareness and to reflect the essence of selfless service by underlining the very fact that the welfare of an individual is ultimately dependent on the welfare of society on the whole.



Program Officer  
**Dr. Rita Jain**

## ‘आरोह’ हिंदी वाद-विवाद समिति

वाद-विवाद विषय और विचारों को पक्ष व विपक्ष के रूप में मंच प्रदान करता है। इसी दिशा में राम लाल आनंद महाविद्यालय की हिन्दी वाद-विवाद समिति ‘आरोह’ विद्यार्थियों को वाद-विवाद के सभी पहलुओं से परिचित कराती है। सत्र 2020-2021 की शुरुआत समिति के संयोजक डॉ. सुभाष चंद्र डबास द्वारा पदाधिकारियों के चयन के साथ की गई। समिति के अध्यक्ष के पद पर सचिन चौहान, उपाध्यक्ष निखिल, सचिव गीतू कत्याल और सह सचिव मनोज सिंह थायत को चुना गया। सत्र के दौरान संयोजक के मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।



समिति ने 20 फरवरी 2021 को ‘गांधीवादी मूल्य और राष्ट्र निर्माण’ विषय पर अंतः महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें तीनों पुरस्कार महाविद्यालय के हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों ने प्राप्त किये। द्वितीय वर्ष के छात्र धनंजय कुमार को प्रथम स्थान, प्रथम वर्ष के छात्र शशि रंजन को द्वितीय स्थान और द्वितीय वर्ष की छात्रा गीतू कत्याल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

30 अप्रैल 2021 को ‘विश्व पटल पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है’ विषय पर अंतर महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया; जिसमें प्रथम स्थान आर्यभट्ट महाविद्यालय से सौम्या व श्रीयांशी, द्वितीय स्थान कालिंदी महाविद्यालय से आस्था व अंजलि और तृतीय स्थान जामिया मिलिया इस्लामिया से हर्ष और रोशन ने प्राप्त किया।

**‘आरोह’ हिंदी वाद-विवाद समिति**  
राम लाल आनंद महाविद्यालय  
दिल्ली विश्वविद्यालय  
प्रस्तुत करती है  
अंतः महाविद्यालय विडियो मेकिंग प्रतियोगिता  
विषय  
**‘गांधीवादी मूल्य और राष्ट्र निर्माण’**  
नियम –  
विडियो मौलिक होनी चाहिए।  
भाषा का माध्यम केवल हिंदी होगा।  
अंतिम तिथि 20 फरवरी, 2021 है।  
अधिकतम समय सीमा 3 मिनट है।  
पहली 25 विडियो ही मान्य होंगी।  
विजेताओं को प्रमाण-पत्र और धन राशि से पुरस्कृत किया जाएगा  
प्रथम पुरस्कार – 700 रूपए/-  
द्वितीय पुरस्कार – 500 रूपए/-  
तृतीय पुरस्कार – 300 रूपए/-  
अपनी विडियो [aarohdebsoc@gmail.com](mailto:aarohdebsoc@gmail.com) पर भेजें  
सम्पर्क सूत्र :- मनोज (7351183522), ततशिवम (9467804481)  
डॉ. सुभाष चंद्र डबास  
संयोजक  
डॉ. राकेश कुमार गुप्ता  
प्राचार्य

15 मार्च 2021 शहीदी दिवस के अवसर पर निबंध और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान साक्षी पांडे, द्वितीय स्थान भव्या झा और तृतीय स्थान सुशील कुमार ने प्राप्त किया। वहीं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गीतू कत्याल, द्वितीय स्थान हिमांशु और तृतीय स्थान मुकेश ने प्राप्त किया।

‘आरोह’ समिति की उपलब्धियों में विकास त्रिपाठी ने मोती लाल महाविद्यालय द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गीतू कत्याल ने ‘आरोह’ समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में तृतीय स्थान और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन विद्यार्थियों को महाविद्यालय की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएँ और आशीर्वाद।

गीतू कात्याल  
सचिव, ‘आरोह’ हिंदी वाद-विवाद समिति

# WOMEN WELFARE ADVISORY COMMITTEE

Teacher Convener- **Dr. Parul Lau Gaur**

President- **Jahanvi Sharma**

Women Welfare Advisory Committee (WWAC) works with the motto to ensure that the relevance of Gender Equity and Equality is accepted in the overall development process of the students. Keeping in sync with our aim of progressively engaging with issues of women and gender sensitization, WWAC saw an array of successful events and social media campaigns like Friday First, Sunday Salute, Takeover Tuesdays, Monday Myths, Praising Women, informative reels in the session 2020-21. The efforts to sensitize students about women and gender were marked by enthusiastic participation of students and due support from teachers of all departments. The activities carried out were as follows:

## 1. Digital Logo Making Competition

WWAC organized a Digital Logo making Competition on the topic – “Official logo for WOMEN WELFARE ADVISORY COMMITTEE” for the students of Ram Lal Anand College from 4th – 8th October 2020. Many students participated in this competition and showed their art with amazing entries.

## 2. Webinar on Impact of pandemic on female labour participation

WWAC under the banner “Sashakt- We are stronger together” organized a webinar on “The impact of pandemic on female labour participation” taken by Dr. Gitanjali Chaturvedi (Senior gender and social development specialist). The webinar, held on 20 October 2020, was extremely well received by both students and teachers, and helped us look towards the very concept of female employment and job losses in such difficult times from a different angle.

## 3. Recruitment Process for the session 2020-21

Registrations of 1st and 2nd year students were done on Google forms followed by Orientation Program through a power point presentation to give students an overview about the Aims and works of WWAC followed by various tasks given to applicants to test their skills and finally Personal Interviews were held on 28.01.2021 and 29.01.2021 on Google meet and the result was released on 02.02.2021.

## 4. Webinar on Financial literacy program

A webinar was organized by WWAC under the banner “Sashakt- We are stronger together” on 08 March





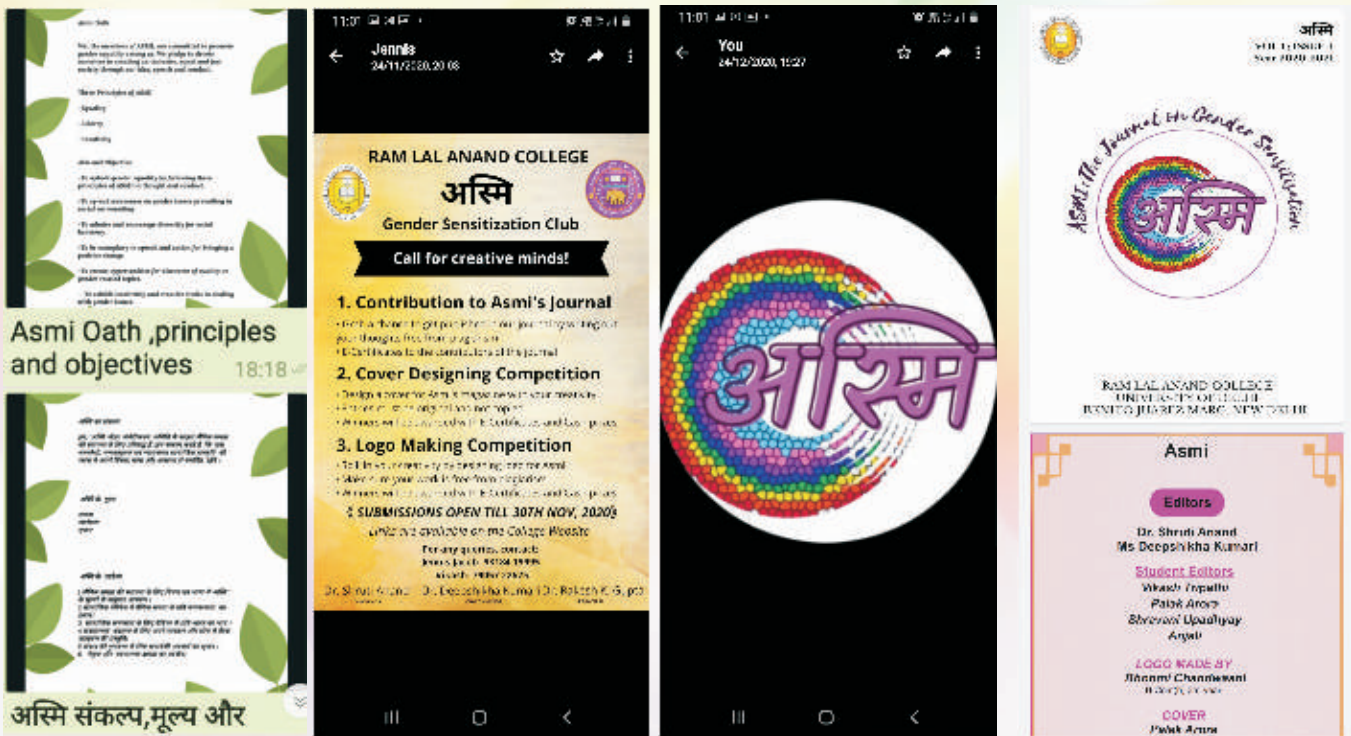
# अस्मि: जेंडर सेंसिटाईजेशन कमेटी

'अस्मि विश्विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्देशित कॉलेज की एक अनिवार्य समिति है। इसका उद्देश्य कॉलेज के विद्यार्थियों में और उनके माध्यम से समाज में लैंगिक अस्मिता संबंधी समतामूलक पर्यावरण निर्मित करना है। किसी भी समाज के अस्तित्व के लिए जरूरी है कि उसमें पनपने वाली व्यक्तिगत और सामूहिक अस्मिताओं की सुरक्षा हो। उनको उत्तरोत्तर और सतत विकास के समान और प्रचुर अवसर मिल पायें। प्रत्येक को सम्मान पूर्वक अपने जीवन के निर्णयों को लेने का अधिकार हो। 'अस्मि' ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए लैंगिक समानता के मुद्दों पर कई रचनात्मक और जागरूकता प्रसार केन्द्रित गतिविधियाँ आयोजित की। इन कार्यों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है –संरचनागत, जागरूकता परक और रचनात्मक।

चूंकि इस समिति का गठन इसी वर्ष किया गया है इसलिए समिति को आरम्भ करने के लिए इसकी संरचना का परिभाषित होना आवश्यक है। अस्मि

समिति में मुख्य रूप से तीन तरह के सदस्य हैं। पहले इसके जेंडर चैम्पियन – जो इस समिति से जुड़े अध्यापकों के नेतृत्व में समिति के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गतिविधियों का चयन, आयोजन और प्रचार करते हैं। इस वर्ष यू जी सी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए दस जेंडर चैम्पियन चुने गए। दूसरे, अस्मि-ई जर्नल के सम्पादक छात्र। इन सम्पादकों का चयन भी इनकी रचनात्मक प्रतिभा और विषय आधारित समझ की जांच के बाद किया गया। तीसरे सामान्य सदस्य –जो अपनी इस समिति से संबंधित अभिरुचि को जाहिर कर इस समिति के सदस्य बने। समिति की सभी गतिविधियों में इन तीनों तरह के सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है।

जागरूकतापरक कार्यों के अंतर्गत लैंगिक संवेदीकरण के सामान्य उद्देश्य को लेकर इस समिति में विद्यार्थियों के लिए क्रमशः दिनांक 23 नवम्बर 2020 और 29 दिसम्बर 2020 को दो ओरिएंटेशन कार्यक्रम

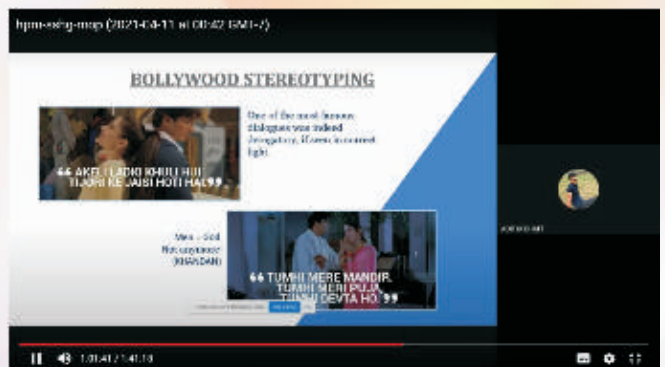
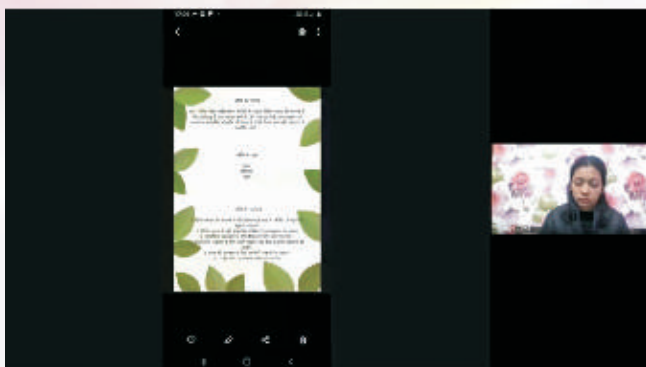
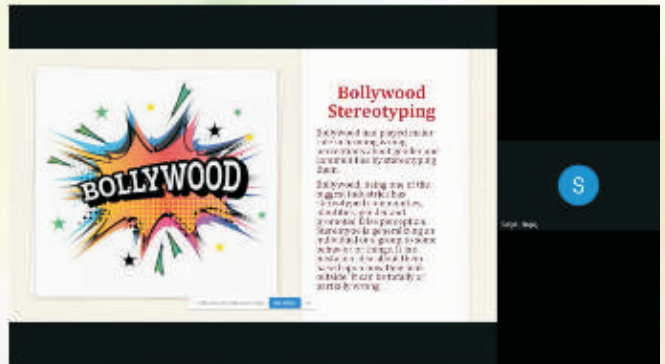




आयोजित किये गए। पहले कार्यक्रम में प्राचार्य महोदय द्वारा अभिव्यक्त किए गए विचारों और समिति की सम्मिलित दृष्टि के आधार पर समिति का उद्देश्य और समिति के मूल्य निर्धारित किये गए, जो कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों के सहज पठन और प्रेरणा के लिए बोर्ड के रूप में लगा दिए गए हैं। दिनांक 31 मार्च 2021 और 11 अप्रैल 2021 को दो अंतर्क्रियात्मक सत्र आयोजित किये गए। दोनों अंतर्क्रियात्मक सत्र समिति के जेंडर चैम्पियंस और छात्र संपादकों द्वारा परिकल्पित प्रचारित, आयोजित और संयोजित थे। दोनों ही सत्रों में कॉलेज के लगभग सभी विभागों से प्रतिभागिता थी। फीडबैक के

द्वारा इन कार्यक्रमों की प्रभावोत्पादकता का आकलन किया गया।

अस्मि का वास्तविक उद्देश्य नेतृत्व, विचार विमर्श और सृजनात्मकता के प्रसार के साथ विद्यार्थियों में समतामूलक दृष्टिकोण का विकास करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए समिति के तत्वावधान में दो महत्वपूर्ण गतिविधियाँ आयोजित की गयीं। एक नवम्बर माह को समिति के लिए 'लोगो' निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन –जिसमें कक्षा बी कॉम तृतीय वर्ष की छात्रा भूमि चांदवानी ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। भूमि द्वारा





**THE GENDER SENSITIZATION COMMITTEE OF RLAC**

जय, 'अस्मि' जेंडर सेन्सिटाइजेशन समिति के संयुक्त वार्षिक रिपोर्ट की सम्पादन के लिए प्रसन्न है। इस संयुक्त रिपोर्ट में हमें एक अवसर मिला, जहाँ हमें अवसर मिला, जहाँ हमें अवसर मिला, जहाँ हमें अवसर मिला।

**उद्देश्य**

1. शिक्षक संसाधन की सम्पादन के लिए विचार एक अंश के 'अस्मि' के अंशों में प्रकाशित करना।
2. सामाजिक परिवर्तन में शिक्षक संसाधन के प्रति सम्पादन का प्रभाव।
3. सामाजिक सम्पादन के लिए अपने संसाधन और और के प्रति सम्पादन का प्रभाव।
4. सामाजिक सम्पादन के लिए अपने संसाधन और और के प्रति सम्पादन का प्रभाव।
5. अंश की सम्पादन के लिए सम्पादन अंशों का प्रभाव।
6. शिक्षक की सम्पादन अंशों का प्रभाव।

**GOALS**

We, The members of ASMI, are committed to promote gender equality among us. We pledge to devote ourselves in creating an inclusive, equal and just society through our work, outreach and contact.

**Principles**

- Equity,
- Liberty,
- Cooperation,

**Aim and Objectives**

1. To uphold gender equality by following the stipulations of ASMI in "Rights and Duties".
2. To spread awareness on gender issues prevalent in social surroundings.
3. To create and promote diversity for social harmony.
4. To do everything to spread and make the things a possible manner.
5. To create opportunities for all because of equality in gender related topics.
6. To collect awareness and create more in standing with gender issues.



*The Gender Sensitization Day*

**INVITES YOU TO IT'S  
Orientation Program**

**DEC 29 | 5:00PM**

**"Embark on this journey with us to make gender equality the must lived reality"**

**LINK FOR THE EVENT:**  
<https://meet.google.com/jz-nunw-mnk>



**AN IN-HOUSE INTERACTION**

**MARCH 31, 2021 | 7:00 pm onwards**

**WARRANTY MEETING FOR ALL ASMI MEMBERS TO ATTEND**

**GOOGLE MEET LINK:**  
<https://meet.google.com/jz-nunw-mnk>

निर्मित यह लोगो अब 'अस्मि' समिति का औपचारिक लोगो है। इस समिति के तत्वावधान में एक 'अस्मि ई-जर्नल का भी प्रकाशन किया जा रहा है। यह छात्रों को अपने मन और समाज की अनजानी अनबूझ पहलियों पर अपने विचार रखने का मंच प्रदान करता है। इसके पहले अंक का प्रकाशन मार्च 2021 में संपन्न हुआ—इस अंक का केन्द्रीय विषय है —'भाषा और रंगों में लिंगभेद प्राकृतिक या समाज निर्मित!' इस अंक की परिकल्पना से लेकर सम्पादन और पृष्ठ निर्माण – सज्जा सभी कार्यों का सम्पादन विद्यार्थी सम्पादकों ने किया। अस्मि ई-जर्नल का पहला अंक कॉलेज की वेबसाइट पर प्रकाशन दीर्घा में पाठकों के पढ़ने के लिए उपलब्ध है।



इस वर्ष समिति के जेंडर चैम्पियन्स हैं—जेनिस जॉयस, ऋषिता पराशर, सैजल बजाज, लावांगी भल्ला, नंदिनी लावण्या, सावी गुप्ता, कल्याणी भटनागर, रुपर्ण चक्रवर्ती, चिन्गाखाम लिली चानू, कृति चोपड़ा, अभिशेष कुमार, रवि और अस्मि ई जर्नल के संपादकों के नाम हैं अंजलि, विकास त्रिपाठी, पलक अरोडा, श्रावणी उपाध्याय। इन सभी छात्रों की समिति के प्रति निष्ठा और कर्मठता सराहनीय है।

इस वर्ष समिति के शिक्षक मेंटर हैं—डॉ. मानवेश नाथ दास, डॉ. कुलदीप, डॉ. ऋतु वत्स, डॉ. निधि एस चन्द्र, सुश्री दीपशिखा (सह संयोजक), डॉ. श्रुति आनन्द (संयोजक)। प्राचार्य महोदय की प्रेरणा और सभी शिक्षक तथा छात्र साथियों के सम्मिलित सहयोग और श्रम से इस समिति को रूपाकार और एक विशिष्ट पहचान मिली है।

संयोजक  
डॉ. श्रुति आनन्द  
सह संयोजक  
सुश्री दीपशिखा

# CENTRE OF ENTREPRENEURSHIP AND TECHNOLOGY DEVELOPMENT (E-CELL)

## ACTIVITY REPORT 2020-21

**Coordinator: Prof. Prerna Diwan, Associate Professor, Department of Microbiology**

**Faculty Members: Dr Rita Jain, Dr Sanjay Kumar Sharma, Ms Deepti Gupta**

With the aim of encouraging students to reach their unique potential and empowering them to become eminent entrepreneurs, E-cell provides a platform for budding entrepreneurs to build a strong network with professional corporates and skills to take on the Business world. The Centre for Entrepreneurship and Technology Development ensures carving out the hidden entrepreneur in the students eyeing a lucrative and satisfying position in the corporate world.

Our vision is to help students who have a novel idea, product and burning desire and who seek HR, management, convincing skills, market exposure and investors for their startup. This cell helps students to understand the business world by actually working in a start-up.

### Objectives:

- Inculcate the passion and spirit among students to pursue entrepreneurship.
- To spread the knowledge about entrepreneurship through Expert lectures and workshops etc.
- Motivate students to identify the problem and develop brightest ideas to solve and convert them into real business.

### About the Team

**Office Bearers: Chirag Jain and Shivam Choudhary**

On 2nd February 2020, the team selection process started through advertising with a poster on all social media handles and interested students were given 4 days to fill that registration forms. Through this process, students were asked as to why they wanted to join the society and what will be their contribution to the society. On 6th February, 2021 a total of 105 entries were received. 72 entries were shortlisted, a Group Discussion (GD) round was conducted on 8th Feb, 2021, in which 9 teams of 8 students each were assessed giving various topics and case studies like “How Can India Achieve 5 trillion Economy by 2024”, “How Can You Solve the Problem?” (Case Study) and students were asked to discuss about the given topic in 15 minutes. In this round, applicants performed beyond our expectations. We finalised 44 students and then on 10th and 11th February, 2021 interview rounds were conducted and finalised 30 students among them

### Event Organised in 2020-21

#### 1. E-SUMMIT (26TH FEBRUARY, 2021)

The Entrepreneurship cell organised an Entrepreneurship Summit February on Zoom Platform and more than 300 participants attended this session. The theme of the event was “Meeting the Opportunities”. E-SUMMIT had 5 speakers, all from different backgrounds and occupation, with their stories of struggle and their path towards success, ready to be shared. The event started with Saraswathi - Vandana and an overview presentation of E-Cell, presented highlight of its past achievements and future plans. The following 4 speakers shared their journeys with the participants;



1. Saurabh Jain -Vice president at Paytm & Founder at Fun2Do Labs
2. Nixon Joseph- President and Chief Operating Officer at SBI Foundation.
3. Arjun Vaidya- CEO at Rd. Vaidya
4. Deep Bajaj- Founder Sirona and PeeBuddy.
5. Anil Khatna - Chairman and Managing Director at Sunil Healthcare Ltd

Mr. Saurabh Jain, stressed on the importance of knowledge of economy, finance and tax systems in a budding entrepreneur He also discussed the common causes of failure of Indian start-ups. Mr. Arjun Vaidya highlighted the importance of knowledge of customers, their demands, feedback, and product personalisation. He also talked about the importance of acknowledging the data collected from customers. Mr. Nixon Joseph shared his experience as an entrepreneur and pointed out some important qualities of a good entrepreneur, like identifying problems, understanding the problems and then finding solutions. Mr. Deep Bajaj talked about the ups and downs he faced in his journey. According to him, for making a successful business, there is no need to earn a degree from a prime college, rather the passion and dedication to work play a more important role. Mr. Anil Khaitan discussed the uncertain situations faced by entrepreneurs. To him, entrepreneurship is about improvement in standard creation of wealth and innovation of products. Passion, strong self-esteem, strong ethics, and adaptability to environmental social political changes are his mantra to achieve goals. Entrepreneurship Cell presented all attendees the opportunities to interact with speakers.

The Summit ended at 5 pm. It hailed a tremendous response with 169 participants. All the participants and guests appreciated the efforts. It ended with a vote of thanks by Dr Perna Diwan, Convener & office bearers.

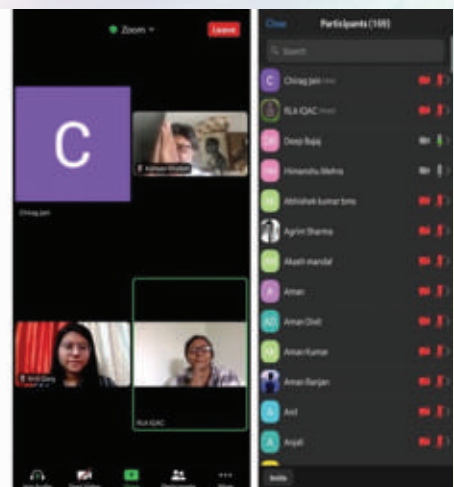


2. Entrepreneurship Awareness Workshop was conducted online in association with BIRAC-Tie on 06.02.2021 on zoom platform. The workshop started with welcome from TiE Delhi – NCR followed by Opening Remarks by Prof. Perna Diwan, Convener E-cell, Ram Lal Anand College. The first talk entitled “Transition from University to Real World” was given by Mr Pankaj Vermani - CEO & Co Founder, Clovia. Taranjeet Kaur, Manager-Entrepreneurship Development, BIRAC focussed on BIRAC’s Role in creating Start-Up Culture. Shivani Gupta, Founder-Inochi Care Pvt Ltd presented a case study. Pankaj Vermani - CEO & Co Founder, Clovia concluded the session with key points on the journey of entrepreneurship from Ideation to Venture Creation & Funding. The session was attended by more than 100 participants.

### 3. E-CONCLAVE (17th April 2021 to 20th April 2021)

The Entrepreneurship Cell of Ram Lal Anand College organised four events— Sport Auction, Corporate Auction, Mock Stock and Pitch Preneur as a part of E-conclave from 17th April 2021 to 20th April 2021 on Google Meet. Sport Auction and Corporate Auction were held on 17th April 2021 whereas Pitch Preneur and Mock Stock were held on 18th April 2021 and 20th April 2021 respectively. A total of 58 teams participated out of which 21 participated in Sport Auction, 17 participated in Corporate Auction, 11 participated in Mock Stock and 9 participated in Pitch Preneur. Participation was allowed as an individual as well as in a team of up to 3 members. There were 2 rounds in Sport Auction and Corporate Auction, first round (General Quiz) being eliminatory as only 8 teams could proceed to the second round. Preliminary round for both the events were held in the morning on 17th April 2021. On 17th April 2021, the Sport auction commenced at 11:30 A.M. with the arrival of qualified eight teams who cleared the preliminary round. It was smoothly conducted and was truly mesmerising as all the teams maintained the decorum and fully cooperated with us. Event ended at 4:00 P.M. and was followed by Corporate Auction.

The Corporate Auction began as soon as the qualified eight teams joined the meet. It was an interesting event as the teams were competing with the clear intent to win. Participants enjoyed the event. Event came to an end at 7:00 P.M. On 18th April 2021 Mock Stock was held at 10:00 A.M. as soon as the eleven teams joined the meet. In the beginning, every team stumbled but when the event started proceeding, each team came up their own ideas and strategies. It was a tough competition for all to better the other team. Event concluded at 12 noon. On 20th April 2021, Pitch Preneur was held at 12 noon. Event began with nine teams. Each team pitched their original ideas and proved out to be a worthy opponent. Participants were also delighted to participate. Event ended at 2:00 P.M. The winners were decided on the basis of their pitch and the innovation done to the product line given to them. And points were awarded on the name, tagline and USP they showcased for their Product.



Following are the names of the winners/runner-up: -

Sport Auction- Team Hardik Verma (SBSC) and Shiv Kumar (Ram Lal Anand college) followed by Team Mehul Garg (Dyal Singh College)

Corporate Auction- Team Sitanshu and Smriti Sharma (Chitkara University) followed by Team Priyanshu, Sanyam and Aman Goel (Nirma University)

Mock Stock-Abhay Garg (SRCC) followed by Bhavesh Mittal (Symbiosis International University)

Pitch Preneur-Team Mudit Jain (Hansraj College) followed by Team Vaibhav and Vasu Dev (Ram Lal Anand College)

All 4 events had tremendous responses. All the participants appreciated the efforts of the organisers, Making E-Conclave a success.

# CENTRE FOR HUMAN VALUES, ETHICS AND LIFE SKILLS-2020-21

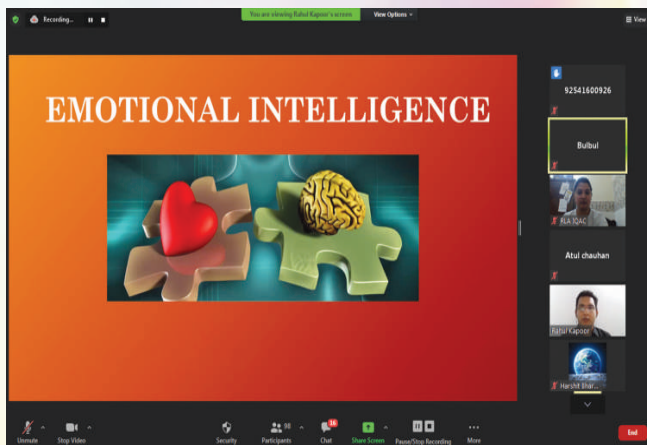
In a constantly changing environment, a strong value system and life skills are an essential part of being able to meet the challenges of everyday life. Keeping this in mind, our college has started a non-credit course on Human Values, Ethics and Life Skills for the first year students.

The objective of this program is to help young students to develop wholesome personalities, positive attitudes and to bring out the best of their inherent human values. Through this program we want to raise their self-confidence along with development of life skills, such as leadership, stress management, and time management. We are running this course for the third consecutive year with an ever increasing number of participants.

We call upon experts/educators/trainers to do workshops with our students on different topics related to the course. This year, our session was inaugurated by a well known social worker, founder of Ladli foundations, Dr Devendra Kumar Gupta on 5th December, 2020. He shared his life experiences with students about how he was born with no means but with a positive attitude and humanitarian values that made possible for him to become a successful leader. His talk motivated students so much that more than 40 students joined his NGO and are now working under his guidance, for the underprivileged ones. Approximately 245 students attended the session. Our next speaker was Mr Govind Mishra, a senior trainer, who did a workshop on 'Self Awareness and Self Esteem'. He took four sessions for all students of different streams on 7th, 9th, 10th and 11th of December, 2020. Students were very impressed by his abilities and the manner he conducted the workshop. Through videos and activities, he made students' conscious of their own character, nature, feelings, as well as strengths and weaknesses. He also talked about the constantly changing and updating environment and how we can remain confident and keep faith and belief in our own abilities. In all 426 students attended his sessions from different streams.

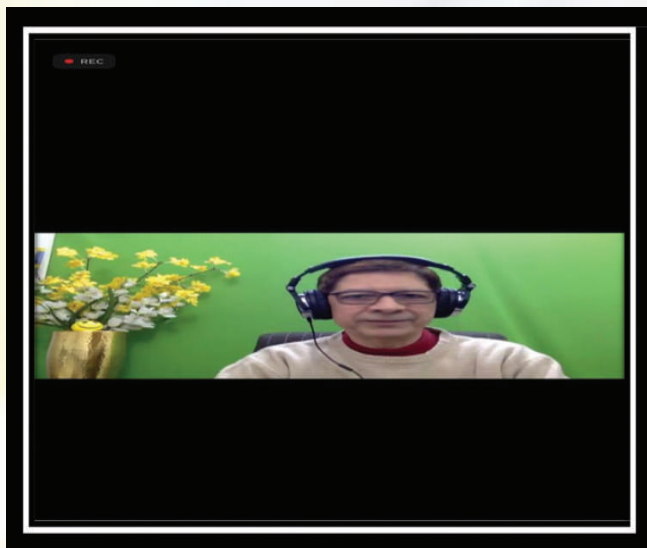
'The mental health of young women and men is important for the health of society as a whole. They



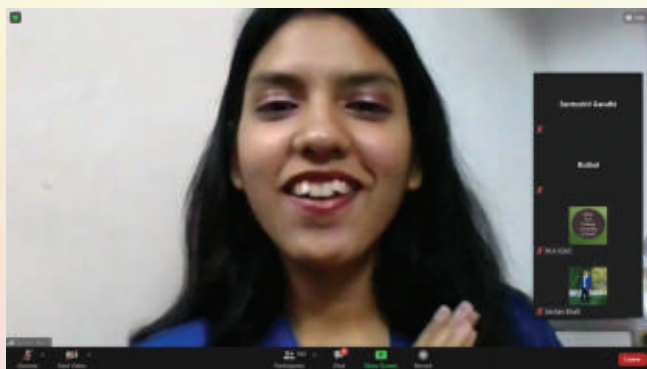


are a wellspring of ideas for innovation and leaders to bring positive change. We need to support them in every way in order to build inclusive, just and healthy societies'.

Our next Speaker was Ms Mahak Vaish, Tie Learning. Her session was on mental 'Health and Happitude' conducted on 9th December, 2020. She designed many activities to make students aware how each individual thinks, behaves and acts in a different manner. Therefore in difficult or in challenging situations, we can cope and remain positive in a number of ways. The session was attended by 427 students.



Our next guest Mr Rajiv Shaw took a session on 'Substance Abuse Awareness and Prevention' on 2nd January, 2021. 412 students attended the session. It was a very interactive session where students shared their personal experiences about their acquaintances who are addicted and talked about their behaviour with others. Through this discussion students got the opportunity to discuss a taboo topic. He talked about the repercussions of drug abuse and ways for rehabilitation. Dr Rita Mishra, an educator and founder of NGO Patang, talked at length about 'tolerance and equality'. She showed many short movies and did many activities with students to sensitise them towards gender inequality. In all, 480 students attended her sessions.



Next, a 'Storytelling' session was conducted for the pupils on January 23, 2021. The session was led by Ms Indu Punj and attended by 518 students. The goal of the workshop was to keep the students engaged and provide them with useful knowledge in a fun way. Ethics and morals play a crucial role in keeping a person on the right track in life. The term "ethics" refers to a set of rules for behavior that deal with moral issues. Value is described as a set of rules and values that guide people in deciding what is more essential. As a result, the topic of our following session was 'Ethics and Morals' held on February 6, 2021 by the resource person Dr. Swagata Karmakar and it was attended by 391 students in all. A session on 'creative and critical thinking' was held on four distinct days, on the 8th, 10th, 11th, and 12th of February 2021 for GROUPS 1, 2, 3, and 4, respectively by Mrs. Meenu Bhargava, a senior trainer. She discussed ways for coming up with ideas, new ways of doing things, through creative thinking. This is important as a life



skill as creating something of our own in itself is a satisfying experience, along with enabling personal development and also creativity is something appreciated in all fields and sets us apart. Her well organized sessions were attended by 401 students.

Next session was on ‘Relationship Towards Family & Society’ held on 20th February, 2021 and on the 6th of March 2021. Mr Suneel Keswani, a very experienced senior trainer, was in charge of the session. The meeting was well-organized, with a focus on family ties and self-improvement. The lesson began with a series of questions that forced around 450 students to reflect on themselves and with this final session, the first half of our HVELS JOURNEY came to a close.

The second half of the journey began on April 10th, 2021 with an opening session led by Mr. Ashok Arora, a motivational speaker, senior lawyer, and a former Secretary of the Supreme Court Bar, on the theme “Failures- Pillars for Success”. Over 461 students joined the session and proactively participated. The moral of the session was ‘Never be afraid of Failure’. Next session was on ‘Freedom and Responsibility’ which continued on three distinct days, on the 14th, 15th and 16th of April 2021 led by the Guest speaker Dr. Ajay Kumar Sharma. Over 417 students attended the sessions. Ms. Anuja Roy, our next speaker who has an experience of over 17 years as an accomplished professional with valuable expertise in delivering management education, training, communication and relationship management spanning across business development, operations and client interactions, delivered a session on April 24, 2021 on the topic ‘Personal Grooming and Professional Etiquettes’. The session was to help students learn the significance of personal grooming, an integral role that good ethics play in one’s professional success via various tips and tricks to carry out smart conversations with various individuals, to portray a confident attitude and professional dressing etiquettes. 426 students participated in her session.

Then, on the 8th of May 2021, Mr. Rahul Kapoor, a Senior Skill Trainer took a session on very important and healthy topic ‘Emotional Intelligence’. The session focused on how to control and manage your emotions so that you could be very much expressive in appropriate conditions. He also mentioned STOPP as the lesson progressed, a term with a deep meaning “Stop-Take a breath-Observe-Pull Back-Practice”.

310 students attended the session. Next continuous sessions for three days were delivered by Mr. Brajesh Sharma, a Naturopathy Proponent, Consultant of Aeran Labs and a Life Member of Indian Red Cross, took a session on the topic of ‘Healthy Lungs for Life’ on 12th, 13th, and 14th of May, 2021. 321 had participated in these sessions. The last session of the month of May was delivered by a CBSE Educator, Researcher, Content Developer, and QMS Lead Auditor for the Quality Management System, Mrs. Rita P Taneja on 22nd May, 2021 on the topic of ‘Choices and Decisions’ which play a crucial role in one’s life because they determine one’s fate and future, and so these two aspects of one’s personality must be strong enough. The session correctly delivered what was needed, that is how one should make his/her decisions wisely and how he/she should make their choices. The session based on “Choose What is Right and Live in the Present” was very interactive and over 281 students attended it.

The next session, on the topic of ‘Women Issues and Legal Rights’ was held on June 5, 2021 by Ms Anmol Kohli, a public speaker and educator. She gave guidance on this particular subject. Over 336 students participated. Next continuous sessions on the topic of ‘Harmony in Society’ dated 16th, 17th, and 18th June, 2021 were presented by Ms Pragatti Rao, a Principal consultant and Founder Director at EduConcepts India Initiatives. She is a psychologist, personal growth and transformation Master Coach. She organized all sessions very well and also told, before communicating the concepts of peace and harmony, that an individual must be at peace inside themselves, with their body and mind in balance. 373 students attended the session.

**Dr Rita Jain**  
Coordinator

**Dr Sanjay Kumar Sharma**  
Co-Coordinator

**Dr Pooja Bansal**  
Member

# ECA COMMITTEE REPORT 2020-21

ECA comprises of specific societies which are involved in various fine arts like music, dance, public speaking, etc.

## ILLUSION

### The Western Dance Society

Illusion, the western dance society of Ram Lal Anand College was instituted in the year 2017 under the guidance of our college choreographer, Mr. Manish Kumar. The society provides a platform to students to showcase their passion towards dance through various western dance forms. The team has inculcated various dance forms like: Bollywood, Urban, Hip-hop, Jazz funk, Popping and many more which has helped students grow and enhance their dance skills. The society adapted to the 'new normal' during the pandemic and carried out the Orientation & annual Auditions among the freshers on Google Meet in the month of December. Following the efforts in the past years, a huge number of students came up for the Auditions and the best 17 were selected. The society carried out various virtual & physical workshops under the guidance of their former Choreographer, Mr. Manish Kumar. For the progress & enrichment of the society, physical and virtual meet-ups & practice sessions were arranged for the team so that the freshers could have a strong connect with the society. Despite the pandemic challenges the society managed to participate and represent Ram Lal Anand College in the cultural fests of various institutes such as: St Xavier's, IMI Delhi, Maharaja Agrasen, XLRI Jamshedpur and Shiv Nadar University. The team also collaborated with Penned Peeps to organise a dance competition at personal level. The society also gave their full participation for the event "Azadi Ka Amrut Mahotsav" organised by the Delhi University by sending dance videos on patriotic songs.

The office bearers Yashika Goyal (President), Siddhant Popli (Vice President), Abhimanyu Singh (Treasurer), Preeti Rawat (Secretary) have worked really hard to elevate the name of the society and college to greater heights along with other team members. The society comprised of 26 diligent members whose dedication has led to the growth of society.

**Contributed by  
Yashika Goyal (President, Illusion)**

## INARA the Fine Arts Society

Inara, the fine arts society of Ram Lal Anand College has raised the standards and expectations of making art and has thus gained a well-earned reputation not only within the college but across Delhi University. From traditional painting to digital painting, sketching to crafting to quilling, every member holds expertise in their own set of art form which has always brought forth uniqueness and creativity in the society.

Inara means to illuminate and the team of 31 members have actually personified this meaning through their hard work, creativity, active participation and achievements. We actively participated in many inter college art competitions and the team bagged second prize in art exhibition competition organized by Ramjas College. During the first wave of COVID, when there was a lot of panic and anxiety everywhere, Inara made a super fun video "don't brush challenge" to lift up the spirits of everyone. The response to that video was amazing and it had over 300 re-shares on Instagram. Since then, the team has continuously been working on posting new and value-enhancing and creative content on their social media handles.

We conducted auditions on 18th Jan 2021, and were able to select 13 participants as members of team and could infuse a lot of fresh talent into the society. We collaborated with Logyify India where all members participated actively and one of the team members, Shruti Aggarwal bagged 1st position in the competition.

## GRASSROOTS the Western Music Society

For the session of 2020-21, Grassroots, the Western Music Society, recommenced its euphonious journey under the guidance of ECA Convener, Dr. Archana Gaur. The term began with the election of the society's President- Sarthak Pradhan and Vice President- Rahul Bhandari. Working under their leadership, the members- Shravani Upadhyay, Shreya Adhikari, Hitesh Taneja, Stanzin Thinlens, Uday Marwah, Arjun Rawat, Kanika Bhoj, Vasudha Barthwal, Yash Raj Singh, Arjun Goswami, Gouripriya S Menon, Joel Dias, Ashutosh Kumar Rai and Sveta Raman- regularly conducted

online practice sessions to rehearse and enhance their vocal artistry.

The society organized its annual MUSIC FIESTA'21 on 24th April, 2021. The events for the year were: FORTE- the Western Solo Singing Competition and GLISSANDO- the Western Solo Instrumental Competition. Singer/songwriter and vocalist- Aronjoy Das, judged for Forte. And multi-instrumentalist Yash Garg judged for Glissando.

While students from across the university participated in the above-noted contests, members of Grassroots also got a chance to perform in other colleges. Notably, Arjun Goswami secured the 2nd position in Western Solo Instrumental Competition of Daulat Ram College, Vasudha Barthwal was selected in the top 10 at Dyal Singh College's Western Solo Singing Competition and Stanzin Thinlens won the Western Solo Singing Competition of Maitreyi College.

## **ANDAAZ** **the Indian Music Society**

ANDAAZ, the one and only anchoring society of Delhi University stands proud and determined with the notion of more confident and unparalleled youth, who is unafraid and possesses the power of spontaneity to talk on every topic given to him/her.

For the session 2020-21, the world was engrossed with the grief of the pandemic, but we very sportingly took a step further and were successfully able to help the aspiring Anchors to master the art of public speaking and anchoring by requesting a video consisting some Golden tips and tricks, from the very finest Anchors: G D Sayal and Nishant Parmar. Andaaaz launched its new series 'Andaz Apna Apna' where our very own members shared their hands on experience, which they gained while being on that big stage which is feared by many, in APNE APNE unique ANDAAZ. The purpose of this series was to start a conversation, we aimed to reach out to all of the aspiring anchors in the comfort of their own home and share our lived experiences which might encourage them to go on that stage!

Moving forward with the vagabond, Season 2 of Andaaaz Apna Apna was all about anchors interacting with us directly! We curated a list of Anchors and Public Speakers who took over our Instagram handle for a day! One had a sneak peek into the lives of the anchors for a whole day, interact or catch them live exclusively on ANDAAZ's Instagram.

1. Anchor Sagar Duggal
2. Anchor GD Sayal
3. Anchor Amisha Gupta
4. Anchor Sneha V Singh.

We were successful enough to organize the first ever Anchoring Workshop covering every domain and aspect of public speaking and content writing by Ms. Anjilee Istwal (Associate Anchor and Editor, NDTV), Mr. Shashank Singh (Anchor and Senior Editor, NDTV) and Ms. Amisha Gupta (Emcee and Public Speaking Coach). And last but definitely not the least, we organized Delhi University's largest Public Speaking Event, "Manch-E-Staan", that received so much love and appreciation throughout the country in the form of participation.

### **OUR OFFICE BEARERS:**

AAYUSHI KHANDELWAL, the president, KIRTI GARG, the vice president and SAAVY GUPTA, the Secretary of the society have worked day and night to ascend the name of the society and college to greater heights.

We look forward to many more events and like-minded people!

### **REPORT FOR MUSIC FIESTA '21**

Music Fiesta '21 began with an Inauguration ceremony at 9:00 AM on 24th April, 2021. Rahul Bhandari, the Vice President of Grassroots, the Western Music Society welcomed everyone to the program and thanked the ECA Committee and the Principal for their constant support. This was followed by a brief welcome speech by the ECA Convener, Dr. Archana Gaur in which she praised the efforts of both the music Societies Dastoor and Grassroots for their efforts and welcomed all the students and the teachers to the event.

FORTE: The Western Solo Singing Competition – 10:00 AM, 24th April, 2021

FORTE was hosted by Stanzin Thinlens of Grassroots and was judged by Mr. Aronjoy Das and the Teacher Judge Dr. Dipti Gupta. Rahul Bhandari was the Student Coordinator and Dr. Dinkar Singh was the Teacher Coordinator. Participants were assigned slots a day before the starting of the event and everything went smoothly. Each performance was followed by a short feedback from the judge which provided some great insights to the contestants. After 2.5 hours of breakneck competition, the results for FORTE were announced by Mr. Aronjoy Das.

1. Abhishek Choubey – Shaheed Bhagat Singh Evening College & Nengneichong Florence Haokip – Acharya Narendra Dev College
2. Anasuya Mithra – Delhi Technological University
3. Riya Mariam Varghese – Daulat Ram College

The competition was followed by a small interactive session between the participants, Mr. Aronjoy Das and the members of Grassroots and Dastoor. A lot of insights about music were provided by Mr. Das to each and every participant.

**GLISSANDO: The Western Solo Instrumental Competition - 2:00 PM, 24th April, 2021**

GLISSANDO was hosted by Sveta Raman of Grassroots and was judged by Mr. Yash Garg and the teacher judge Dr. Rita Jain. Sarthak Pradhan, the President of Grassroots was the Student Coordinator and Dr. Dipti Gupta was the Teacher Coordinator. Participants were assigned slots a day before the starting of the event and everything went smoothly. Each performance was followed by a short feedback from the judge which provided some great insights to the contestants. The performances lasted for a total of 1.5 hours and the results for GLISSANDO were announced by Mr. Yash Garg.

1. Palash Bhattacharya – Shaheed Bhagat Singh College
2. Saarah Roy – Daulat Ram College & Utkarsh Singh – Delhi Technological University

The competition was followed by a small interactive session between the participants, Mr. Yash Garg and the members of Grassroots. Mr. Garg provided multiple insights into each performer's playing style and told them about the ways to work on their techniques.

**SWARADHANA: The Indian Semi-classical/ Light Solo Singing Competition- 10:00AM, 25th April, 2021**

SWARADHANA was hosted by Saumya Grover of Dastoor and was judged by Mr. Sree Raag along with the teacher judge Dr. Rita Jain. Ayushi Singh, the President of Grassroots was the Student Coordinator and Dr. Ritu Vats was the Teacher Coordinator. Around 50+ entries were received for this event from which 15 students were shortlisted. Participants were assigned slots a day before the starting of the event and everything went smoothly. Performances were followed by a short feedback from the judge which provided some great insights to the contestants. The event lasted a total of 2

hours and the results of SWARADHANA were announced in an hour after the event.

1. Ashish Nayak- Hindu College
2. Richa Pandey- Ramjas College

Special Mention: Saqib Khan- Ramjas College, Dev Arora- Hansraj College & Chayan Bhardwaj- Hansraj College

The competition was followed by a small interactive session between the participants, Mr. Sree Raag and the members of Dastoor. Mr. Sree Raag provided the students with knowledge about Semi classical Singing and ways to work on different techniques.

**SARANG- The Indian Instrumental Competition- 2:00PM, 25th April, 2021**

SARANG was hosted by Bhavya Mishra of Dastoor and was judged by Mr. Soumitra Thakur along with teacher judge Dr. Ritu Vats. Attar Singh of Dastoor was the Student Coordinator and Dr. Archana Gaur was the Teacher Coordinator. Around 20 entries were received for this event from which 10 students were shortlisted. Participants were assigned slots a day before the starting of the event and everything went smoothly. Performances were followed by a short feedback from the judge which provided some great insights to the contestants. The event lasted a total of 2 hours and the results of SARANG were announced by Mr. Soumitra Thakur.

1. Rishab Kathak- Ramjas College
2. Shivam Bhardwaj- Faculty of Music and Fine Arts & Siddhart Garud- MIT University

The competition was followed by a small interactive session between the participants, Mr. Soumitra and the members of Dastoor. Mr. Soumitra Thakur provided the students with knowledge about playing classical instruments and the true essence of raagas in Hindustani Classical Music.

**Dr.Archana Gour**



## कपूत बेटा

कहानी की शुरुआत होती है, आज मैं आप लोगों से कहना चाहता हूँ कि पुत्री, पुत्र, परिवार के लोगों में जिस प्रकार यह स्त्री अपना सम्पूर्ण जीवन व्यतीत करती है, शायद ही कोई यह संघर्ष कर सके।

कहानी में मैं आपको बताना चाहता हूँ, पतरंगपुर (काल्पनिक ग्राम) में जहाँ एक लड़की ने जन्म लिया उसके जन्म लेने के बाद उसकी माता की मृत्यु हो गई। जो लड़की जन्म ली उसका नाम मोनिका था। समय बीतता गया। लोगों ने मोनिका (मुख्य पात्र) के पिता से कहा कि तुम दूसरी शादी कर लो, जिससे मोनिका का जीवन बन जाएगा। पर वह (जयपाल) जानता था कि नई औरत मोनिका के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करेगी। पर बहुत सोचने के बाद उसने शादी कर ली। नई माता आयी जो मोनिका के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करती थी। यह देखते हुए मोनिका के पिता जी भी मर गए, उसकी मौसी उसे अपने घर लायी। उसका पालन-पोषण किया कुछ समय बाद मोनिका शादी करने योग्य हो गई। उसकी मौसी उसकी शादी के वर खोजने लगी जो वर पिपरंगवादा (काल्पनिक ग्राम) का था उसका नाम अवतराज था, विवाह हो गया।

वह जब ससुराल आयी तो वह अच्छी बहू की तरह रहती थी। कुछ समय बाद उसका एक बेटा हुआ जिसका नाम राममोहन था, वह बड़ा हुआ। पढ़ाई के बाद और उच्च डिग्री पाने के लिए दूर विद्यालय में चला गया। वह डिग्री पाकर वापस अपने घर लौटा तो उसके पिता जी उसकी शादी देखकर उसका विवाह करने की सोची। उसकी शादी हो गयी। उसकी पत्नी ससुराल पिपरंगवादा आयी उसका नाम सोनिया था। शादी के कुछ समय तक सबसे प्यार करती रही लेकिन कुछ समय पश्चात् अपने ससुराल वालों को अपना असली रूप दिखा ही दिया और उसका पति भी उसकी बात मानने लगा, चाहे वह बात कोई भी अच्छा या बुरा। बाद में राम मोहन अपना सारा जीवन सोनिया पर निर्भर कर दिया। जो भी सोनिया कहती थी वही करता था। हमेशा माँ को ही कष्टों में घिरना पड़ता। मगर माँ के विषय में कहा जाता है कि अगर बेटा कितना भी माँ को कष्ट दे, माँ हमेशा बेटे को माफ कर देती है किन्तु उनके बेटे को अगर कोई भी कुछ गलत या मारपीट करता है तो माँ उस सामने वाले को कभी नहीं छोड़ती है या माफ करती है। लेकिन जो लड़का अपनी माँ को कुछ भी समझता है उसे अब शायद अपनी पत्नी के आ जाने के बाद उसे इतना भी मालूम नहीं है कि उसे भी किसी ने जन्म दिया है। उसकी पत्नी हमेशा खा कर शाम को ही सो जाती थी लेकिन उसकी माँ ने कभी भी अपने पुत्र के विषय में गलत नहीं सोचा। समय अपनी रफ्तार से चलता रहा। मोनिका अब वृद्ध हो चुकी थी। राम मोहन का भी एक पुत्र हो गया था। वृद्ध अवस्था में मोनिका हमेशा दवा के लिए परेशान रहती थी किन्तु उसका पुत्र एक भी बार उसकी तरफ नहीं देखता था।

एक बार राम मोहन बाजार से कुछ फल लेकर आ रहा था उसकी माँ को बहुत तीव्र भूख लगी थी। उसकी बहु उसको खाना तक नहीं देती थी। कुछ समय में राम मोहन घर में आया वह वहाँ गया जहाँ उसकी माँ सोई थी। उसकी मा ने देखा कि मेरा बेटा फल ले जा रहा है वह अपना आँचल फैला कर बोली बेटा मुझे बहुत तीव्र भूख लगी है कुछ फल दे दो ना। उसके बेटे ने अपनी माँ के आँचल में अपना जूता निकाल कर डाल दिया और वहाँ से चला गया।



एक दिन बहू घर का काम रसोई घर में कर रही थी मोनिका को कमजोरी महसूस हुई वह अपनी बहू के बिस्तर पर जाकर लेट गई जब उसकी बहू ने देखा तो अपने पति को बुलाया और कहा कि तुम मुझसे ज्यादा प्रेम करते हो या अपनी माता से। उसने कहा कि तुमसे।

पत्नी ने अपने पति से कहा इस बुढ़िया को कहीं दूर ले जाकर वृद्धाश्रम में रख आओ। राम मोहन अपनी माता को वृद्धाश्रम लेकर जा रहा था। उसकी माँ बार-बार पूछ रही थी कि मेरे लाल मुझे कहा लेकर जा रहा है। उसने कहा कि तुमको मन्दिर घुमाने लेकर जा रहा हूँ। किन्तु वह उसे वृद्धाश्रम में लेकर गया। उसकी माँ उसके पैरों में गिरकर गिड़गिड़ाते हुए उससे बार-बार कह रही थी कि मेरे लाल मुझे बहुत ही भूख लगी है मुझे घर ले चलो किन्तु उसके हृदय पर कुछ भी प्रभाव नहीं पड़ा। अपनी माँ को वहीं छोड़ कर घर वापिस आ गया। इस कहानी में मोनिका के पति अर्थात् अवतराज को इन दोनों में पहले ही एक कमरे में बन्द करके रखा था, जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी। उन लोगों ने बिना कोई संस्कार किए ही उसके शव को समुन्द्र में उाल दिया था। लेकिन मोनिका यह सब नहीं जानती थी कि उसके पति इस संसार में नहीं है।

कुछ समय पश्चात् वह दोनों वृद्धाश्रम में वापिस गए और अपनी माता से यह कह कर वापिस लाए कि माँ अब आपको घर पर ही रहना है हम लोगों के साथ। मोनिका बहुत खुश हो गई। घर लाकर उन लोगों ने उसकी जमीन-जायदाद अपने नाम लिखा लिया और उसे घर से बाहर निकाल दिया। कुछ दिनों के पश्चात् समाचार पत्र में यह छपा मिला कि उसकी मृत्यु गाड़ी के नीचे दबने से हो गई थी।

विद्यासागर सिंह

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी, प्रथम वर्ष

## HOUSE ON LEASE

There is a sign that hangs right under the name plate which says sold in big bold letter,  
Right in front of the very place I returned every day and felt comfort, true self of myself, vulnerable and alive.  
My family roots so deep in the foundation of this place I call my home, so much to cherish, and hold on to,  
from the wooden framework of the house to the faucets which would go well with the sage green sink in the  
guest bathroom was decided by my parents like the president was going to visit us.  
Walls of the room which now look empty are the ones which know me the best,  
seen me through thick and thin.  
The disinfectant terminated the smell of lemongrass infused with comfort,  
ripping the wallpapers ripped the guardian eyes and ears of the home.  
Removing the possessions from their designated place looked blasphemous.  
They whitewashed the house white as death.  
A canvas for the new strangers to paint on their memories, as the landlord gives the keys to the new tenants, it  
gives a piece of me, though the images blurring the bond never break like the chords of a distant song.  
My home is now an empty shell, just a house on lease



-Avni Mukherji

BA English Hons ,First year

## Falling into Abysses

Deep into that darkness tunneling  
The moonlight laughed  
I crave the light, the light of the lune  
Eagerly looking for the crack of the dawn  
There stood a dawning might



In a kingdom full of abysses  
And the cosmologies never digging  
But in the fact that it was bawling  
All my soul within me lolling  
While I pondered, eldritch and scrolling

Deep into that darkness transfiguring  
I discovered the presuppositions  
To warn me about the barrenness  
Ahh, the sound of the altering  
Was Back into my memories budgeting

Deep into that darkness earmarking  
I felt compelled to sniff the grants  
Somewhat it was louder than the Nantes  
My mind always strays to finances  
Yes, it warned me about the krantz

I cannot help but stop and look at the gloom  
This murk makes me shiver!  
As if it is nothing but a never-ending river.  
All I could do is just to hope  
Lonely tried to distract with a lope

Oh, this dullness inspires, should I self-slaughter  
Let me compare you to a dreadful?  
You are more goofy, afraid and quiet.  
How do I hate you? Let me count the ways.  
Wanting you to vanish from my days.

Let me accept, that's my fate  
Nothing, But Overshadowed with this date  
Certainly, this dusk was my only ally  
What I am left with  
Is hope to live and courage to die.

Pratham Bhatt  
Bsc(Hons) Microbiology, 1st Year

## The Rescue?



The scratches along the curve  
The longing was much more  
Was that longing or possession?  
The present blurred it all

The blanket of stars and  
The bed of muddy bushes  
Struggled to pull off a thorn  
Instead, was pushed down by two

The rain now felt disgusted  
The press made me puke  
The screams heard from a mile  
Were all ignored the same

Slowly, the petals fell apart  
Slowly, the ichor covered me as whole  
Slowly, did I lose the will  
Slowly, but never will I get used to chills

Every inch of my skin felt  
The marks were all visible  
The breaths felt so real  
That I still wake up from nightmares

And soon I lost consciousness  
Was found down the lake  
Rescued for almost a week  
Now am hoping to rest in peace

- Menal Jain  
- B. Sc (Hons) Microbiology, first year

## THE WINDOW

The lightning crawls, slithers and shatters through the sky as the nostalgic smell of wet dirt wafts through the air. Lying down near your window, you clutch onto your soft blanket as the fan overhead blocks out the roar of the thunder. Somehow, you can easily spot a cloudy night from a clear one, even though they're both painted black.

Your dark room envelops you, in a silence so profound you can hear your heart beat before water droplets sprinkle their fragrance in the air. Raindrops swiftly tap upon your cold window...one...two...before an entire army emerges, tapping upon the glass like tap dancers.

Calm...anxious...the water bubbles as it fills up the tiny red pot outside your window. Winds breathing at your neck ever so slightly, you gaze at the little sapling down, one that you had planted last year for the spring project. How the fragile

stem had burst open from the hard shells of the brown beans, its only weapon being itself. You spot the drenched cotton that you had been too careless to remove when you had planted it into the soil.

The tiny dark leaves jerk and twist as droplets as tiny as them touch them before bouncing off. Naked stem curving into a bent pose, they appear almost like the you that had danced in his puffed cotton underwear, drenched to the bones before his mother had gently placed a white towel over his tiny head. The warm touch of that day still holds onto your head.

Drop by drop, you watch your window pane blur as your eyes are invited to the drop race tournament. Placing your bet at the tiniest raindrop, you watch as it crawls like a giggling infant trying to get up on his feet. Eyes curving into a smile, you watch your losing player touch the home ground.

“Success!”, you scoff as the lightning lights up the sky, blinking in your face like the disco ball of a demonic party while the drops tune in like the vibrations of a spiral folder when you move your fingers across it; the sound reverberating with each spiral your fingers touch.

You sigh as your eyes move to your desk piled up with stacks of blue and yellow notebooks and files yet to be moved and touched. the sound of the shackles that would bind you tomorrow again ring in your ear, almost louder than the thunder outside.

You stare at your window again as you shut your eyes, turn to the side, hoping the raindrops don't manifest into a tsunami.



- Rupali Sindhu

BA (Hons) English, third year

## Medusa



They say I'm hideous but beautiful is what I am  
I'd set the world aflame, dancing to the beat of the serpent hiss.

But every time the sea hits the shore, I feel him mocking at me  
Reminding me how helpless I laid there as he thrashed his jealous into me.

Where was your wisdom when you punished me for his deeds?  
You made me a monster and that's what I'll be.

I would turn everything I see to stone, leaving reminders of your heart  
This for Arcahne, me and many more  
You will regret your choices every breath I take.

And one day when you finally trick me to death, oh so mighty goddess of wisdom  
Remember I'll become the greatest weapon and  
You'll be under my mercy.

You can kill me but this is not the end  
For I am Medusa, every woman you blame is too  
And one day when we bring down Olympus, beg for mercy like we did.

- Aardra Surendran

1st year, B.A. English Hons.

## मेरा खूबसूरत बचपन

आज बचपन की तस्वीर को देखकर बचपन याद आ गया...  
कुछ पल के लिए ही सही खुशी का अनुभव करा गया...  
वह बचपन भी कितना हसीन था जब खुशी का कोई ठिकाना नहीं था...  
और गम! उसका तो कोई निशान ही नहीं था...  
हर पल जुबाँ पर मम्मी के नाम का फसाना था...  
कोई अदा हमें रिझाती तो उसके लिए भी दिल दिवाना था...  
बचपन में छोटी-छोटी बात भी अजब सा सुकून दे जाती थी...  
बस गर्मियों की छुट्टियाँ होते ही नानी के घर की याद आती थी...  
कभी दादी तो कभी नानी दोनों की लोरी सुने बिना सोया नहीं करते थे...  
इन प्यारी नन्हीं आँखों में उड़ने का सपना देखा करती थी...  
सुकून वह माँ की गोदी में ही आता था...  
पापा जरूर तोहफे देते मगर वह बर्थडे वाला तोहफा ही खूब भाता था...  
वो सारी बचपन की यादें खूब खुशी दे जाती हैं...  
बस उन यादों को याद कर जो खो गया है उनकी याद आती है...

दीप आनन्द

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी, तृतीय वर्ष



## YOU: A collection of short stories

My grandmother named me Ruparna. Before that a different name was finalized, that gave birth to my nickname.

There's a story behind my name. There's one behind yours too. Or the story of how chaotic of a day it was when you were born.

We're all a collection of short stories. Some worth remembering, some left forgotten in the unconscious. Nevertheless, stories that make us have become inseparable parts of us. When we die, we see our entire life flash before our eyes. And then we leave, don't we? That's what science has told us remember? About 7 minutes I suppose.

What if while leaving, our soul is handed a book. A cloth bound, golden edged pages, heavy.

The corner can give you a cut but there's no blood now, it's okay.

The soul smells the new pages, the pungent smell of fresh ink rushes through it and makes your soul happy.

One last time it looks at you, laying silent below. "I was inside this pretty little instrument all this while?" it thinks and then flies away.

Flies away to this old familiar place. Flies away to where it came from.

The heavy cloth bound book is kept with a couple more such books in a cupboard, neatly.

There's no dust here. A little star dust here and there, nobody minds that.

A new collection to the book of lives your soul has lived. Yours has the prettiest cover, or so the soul feels.

With a deep sigh the soul rests a little, after this rollercoaster ride of a life it just finished living. A familiar angel walks in with refreshments. Picks out the new book from the cupboard. Traces the cover. "How do you feel?", she asks.



You know how it takes us humans a little while to come back to our senses after watching a movie in the theater? Turns out, the soul feels the same way for a little while. A little nostalgic.

Sorrow and fullness, at the same time.

"A little tired. A good kind of tired however", the soul replies.

"Oh, this one was so tough on you, wasn't it? I was watching" she caressed the soul, "tell me about it" she adds.

"Yes, it definitely was. But it was beautiful in a way that I've never experienced before. This was absolutely magical. My favorite up till now I must say" the soul replies.

What if yours is not just another story that will be forgotten but is a story that's talked about after it ends? Just like you talk about the recent fantasy novel you read? Or a tv series perhaps? What if more and more angels and souls gather around to hear about you and the intriguingly beautiful journey of yours in that little planet, inside that pretty little Galaxy, one amongst millions such galaxies?

What then?

**Ruparna Chakravarty**

BA English Honours First year

## हिन्दुस्तान

अंधों को दर्पण क्या देना,  
बहरों को भजन क्या सुनाना,  
जो रक्तपान करते उनको,  
गंगा का नीर पिलाना क्या ।

हमने जिनको दो आँखें दीं,  
वो हमको आँख दिखा बैठे,  
हम शांति यज्ञ में लगे रहे,  
वो श्वेत कबूतर खा बैठे ।

वो छल पर छल करता आया,  
हम अड़े रहे विश्वासों पर,  
कितने समझौते थोप दिए,  
हमने बेटों की लाशों पर ।

अब लाशें भी यह बोल उठीं  
मत अंतर्मन पर घात करो,  
दुश्मन जो भाषा समझ सके,  
अब उस भाषा में बात करो ।

हे पाक! तुम्हारी धमकी से,  
यह धरा नहीं डरने वाली,  
यह अमर सनातन माटी है,  
ये कभी नहीं मरने वाली ।

तुम भूले सन इक्हत्तर को,  
जब तुम ढाका पर ऐंठे थे,  
नब्बे हजार पाकिस्तानी,  
घुटनों के बल पर बैठे थे ।

तुम सारी दुर्गति भूल गए,  
फिर से बवाल कर बैठे हो,  
है उत्तर खुद के पास नहीं,  
हमसे सवाल कर बैठे हो ।

बिगड़ल किसी बच्चे जैसे  
आलाप तुम्हारे लगते हैं,  
तुम भूल गए हो रिश्ते में  
हम बाप तुम्हारे लगते हैं ।

बेटा पिटने का आदी है,  
बेटा पक्का जेहादी है,  
शायद बेटे की किस्मत में,  
अब बर्बादी ही बर्बादी है ।

तेरी बर्बादी में खुद को,  
बर्बाद नहीं होने देंगे,  
हम भारत माँ के सीने पर  
जेहाद नहीं होने देंगे ।

तू रख हथियार उधारी के,  
हम अपने दम से लड़ लेंगे,  
अगर एटम बम से लड़ना हो  
तो एटम बम से लड़ लेंगे ।

जब तक तू बटन दबाएगा,  
हम पृथ्वी नाग चला देंगे,  
तू जब तक दिल्ली ढूँढेगा,  
हम पूरा पाक जला देंगे ।

रविन्द्र  
बी.ए. प्रोग्राम

## भारत मेरा सबकुछ

भारत से शुरू हम  
भारत पर ही खत्म  
ऐ वतन तेरे लिए  
सारे जख्म सहेंगे हम ।

भारत की विभिन्नता  
एकता को देखो  
पग-पग पर सजी  
सुंदर प्रकृति से सोचो ।

बात हो खेल की  
या हो बॉर्डर पर लडना  
हम भारतीय साथ खड़े  
कभी नहीं है डरना ।

भारत मेरी शोभा है  
भारत ही मेरा सम्मान  
ऐ भारत तेरे लिए  
जान भी बलिदान ।

भारत से शुरू हम  
भारत पर ही खत्म  
ऐ वतन तेरे लिए  
सारे जख्म सहेंगे हम ।

गीतू कात्याल  
बीजेएमसी, द्वितीय वर्ष



## The Mirror

Well, I could tell you that you were perfect  
In a skin that looks flawless  
But my job dear is to show you  
The blemishes inherited from your kin

I'd be lying if I told you that you're the prettiest of them all  
Since my job dear is to show you,  
that you're perfect just the way you are

Look up at the moon shining in all its glory  
The night accentuated in stars  
Though having neighbors that are called the epitome of beauty  
The Queen of the Night hides no scars

Those little spots on her vivid face  
Make her further more enticing  
That she steals the extravagant night stage  
From those zillion twinkling stars

On the days of the year  
On moonless night  
When stars gleam like rural lights  
Even the damp sky hind sights the Orb of Night

Just like that extravagant celestial body  
Stands impregnated and alone overlooked by the stars  
Even you have to stand alone  
In this bivouac questioning your worth

My intentions are not to hurt you  
That I'm too plain and pale to do  
I'm just a Mirror on the wall  
Doing its ill-fated fiddly job

I intend not just to show you your beautiful face  
But your pure virtuous soul  
Because there's an even deeper side to you  
Of which even you're unknown

**Vasudha Barthwal**  
Bsc(H)Geology, 1st year

## Beauty in all she is

Beauty in all she is  
What if you don't like,  
She is a survivor  
Will survive it too....  
It was just an acid  
Over her by a psyche,  
Not a big deal as  
Per you and your shoe.



Demons are real  
Yes, she got to know,  
But angels seem rare  
She observes the crowd....  
It was her fate  
She listens from around,  
Her heart was bleeding  
Now ears are bleeding loud.

Look at her face  
It's much more than just hate,  
Many used to love her once  
Now nobody cares....  
Her future has faded  
Screams in eyes carry weight,  
Her body has burnt  
But soul still glares.

Because yes,  
Beauty in all she is

**Khushboo Singla**  
B.Com (Prog.), second year



## Unleashing the Devil

There is a lake amidst the forests,  
Oh, I made it myself.  
Its brimming with dead bodies.  
The flowers give out the odorous smell.  
The ground drinks the thick red,  
The birds remember the torturous screams.

Ain't no prince coming to rescue you.  
I have walked on the path of thorns alone.  
And now I will watch you burn.  
My ride is a dragon,  
And your horse got a broken leg.

All those times you need not care  
about me when I needed it the most,  
And now you come to me  
with a platter of rose petals turned black,  
You just painted them red.

Even though those times are now gone,  
My mind holds it like addiction.  
Now that you care,  
I need it no more.

You know not how deep your cuts were,  
You know not how long the scars are.

But still, I stand here tall and strong.  
Your whips whip my legs to bring me crashing down,  
The blood glimmers as it runs down.

I want to laugh a terrific laugh,  
And cry bloody tears.  
I want to scratch at your face with my long nails,  
And see the blood dribble down your face.  
I want to bang my head on a glass wall for fun.  
I want to laugh when someone dies,  
And snatch away someone's smile.

No hatred may shake me,  
No cruelty may melt me,  
Do you not see what you have done to me?  
I am numb to all the pain,  
Only ecstasy may move me.

**Khushi Gupta**  
BA(Hons) English, first year

## THE PERFECTION IS YOU

Your life isn't just yours, they say  
It has just become that way  
Scars you have on your face  
What if, I don't even want, to be a part of this race.

Some days I'm the sun  
other days I'm the rain  
Holding the outer smile,  
Shutting the inner pain.

Skinny is what you are  
Tanned, the skin you have,  
Caging my freedom every time,  
These are the words that are carved.

In the labyrinth of life,  
Where death is a bitter truth,  
All I ask, Is that you?  
To carry your perfection through?

Release that beauty today  
Which serves you no more,  
God himself feels pity for you  
But have no other name for.

Beautiful love comes from a beautiful heart,  
I don't shut your blabbering because,  
My mind knows that,  
Forgiveness is an art.

I have thoughts, I shouldn't speak,  
But I hold all those memories instead.  
I am hopeful for patience, and  
Can bloom without your light,  
You can't dim me, the sun residing in me,  
Teaches me to fight.

**Radhika**  
BA(Hons) English, first year



## दीये का राष्ट्रप्रेम

चलो बताओ, मैं कौन हूँ?  
तुमसे बस ईशारों—ईशारों में अपना  
थोड़ा सा परिचय करवाता हूँ  
फिर तुम बताना, मैं कौन हूँ?

जगमगाता हूँ, टिमटिमाता हूँ  
तप—तप कर अपने  
आकार में तूल जाता हूँ  
मिट्टी का बँनूँ या चांदी पीतल का  
लेकिन मैं हर वक्त खिलखिलाता हूँ।

पहचाना कि नहीं  
मैं वही हूँ दोस्त  
जो अपने प्रकाश से  
दूसरों का  
अंधकार मिटाता हूँ।

सही पहचाना दोस्त  
मैं दीया हूँ  
अपने प्रकाश से  
दूसरों के चेहरों पर  
मुस्कान लाता हूँ।

मैं वही दीया हूँ  
जो हर्ष—शोक दोनों में  
सकारात्मक प्रकाश फैलाता हूँ।

मैं वही दीया हूँ साहब,  
जो मर्यादा पुरुषोत्तम  
श्री राम की घर वापसी की  
खुशी में, खुशी—खुशी  
जगमगा कर अपना  
प्रकाश फैलाता हूँ।

मैं वही दीया हूँ, साहब  
जो वतन पर मर मिटने  
वाले वीर शहीद की  
याद में आँखों में आँसू लेकर  
होटों से मुस्कुराता हूँ।  
और अपना प्रकाश फैलाता हूँ।

बता देता हूँ, मैं बहुत शक्तिशाली हूँ  
मेरा तेज तुम, 5 मिनट बर्दाश्त नहीं कर पाओगे  
मैं देश की मिट्टी से बनता हूँ,  
और उसी में मिल जाता हूँ।

फिर नया जन्म ले लेता हूँ  
क्योंकि मैं अमर हूँ,  
मैं मिटता नहीं हूँ,  
दूसरों का अंधकार मिटाता हूँ  
और अपने देश के लिए  
हर वक्त मुस्कुराता हूँ।

हिमांशु

बी.ए. हिन्दी ऑनर्स, द्वितीय वर्ष



## गौरवगान

भारत के खातिर खुद को मिटा देंगे।  
अपनी मिट्टी का तिलक कर  
इसकी ही कब्र में सो जाएँगे  
स्वतंत्र भारत है, इसको ना कभी झुकने देंगे।

शत्रु हो चाहे जितना भी बलशाली  
उसे हम मुँह तोड़ जवाब देंगे।  
भारत को आत्मनिर्भर बनाने का  
जो संकल्प लिए हम चल पड़े हैं  
उनको निभा कर ही हम रहेंगे।

झुकने न देंगे तिरंगा अपना  
हर जन लिए अपने मन में लिए  
यही उमंग क्षण-क्षण जीते हैं।

ये तीन रंग पहचान है हमारी  
जो है अनेकता में एकता की पहचान  
चाहे हों हिन्दू-मुस्लिम या सिख-ईसाई  
सबका एक ही प्रतीक है।

भारत की खातिर खुद को मिटा देंगे  
देश पर अपनी जान भी लुटा देंगे  
लोकतंत्र का जहाँ बास हो  
अनेकता में एकता का झण्डा  
जहाँ फहराया जाता हो  
वास्तव में वो अपना हिंदुस्तान है कहलाता।

**सचिन चौहान**  
बी.ए. प्रोग्राम, तृतीय वर्ष

## राष्ट्र-वीर

मैं वीर जवानों का सबका सम्मान चाहता हूँ,  
हमारे राष्ट्र को बचाना, यही अनुमान चाहता हूँ।

तुम्हारे कर गिर जाए दुश्मन के धड़ पर,  
मगर, ना उठे दुश्मन यही त्यौहार चाहता हूँ।

तुम्ही हो राष्ट्र उजागर तुम्ही हो राष्ट्र की सेवा,  
तुम्हारे बाहु जो कि मैं यही अभिमान चाहता हूँ।

अपनी माँ की आँचल को बचाना प्राण तुम देकर  
कभी बैठो न छुपकर, यही आशीर्वाद चाहता हूँ।

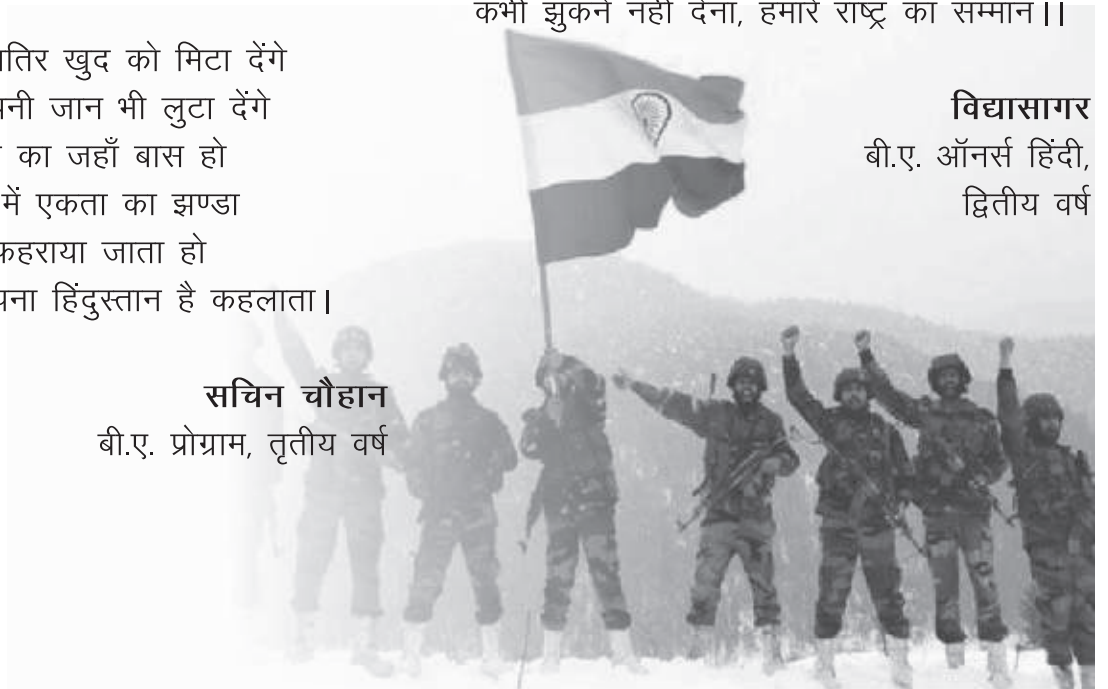
उठो दौड़ जाओ हमारे राष्ट्र के प्रति,  
कभी पीछे नहीं आना, फिर भी इंतजार चाहता हूँ।

कभी खोने नहीं देना हमारे देश की सब आन,  
हमारे आंसुओं में, मैं तुम्हारा प्यार चाहता हूँ।

कभी मिटने नहीं देना, हमारे देश का अभिमान,  
कभी झुकने नहीं देना, हमारे राष्ट्र का सम्मान।।

**विद्यासागर**

बी.ए. ऑनर्स हिंदी,  
द्वितीय वर्ष



## मातृभाषा हिन्दी

नहीं सी किलकारी गूँजी, है अंगना में प्यार पली,  
अबोध है वो हर भाषा से, इक नहीं खुशहाल परी।  
खेले कूदे, माँ बोले वो, हिन्दी में सन्तान पली।  
गद—गद हो गई हिंदी भाषा, माँ बोले खुशहाल परी।

खेल—कूद में चलना सीखा, हिन्दी को फिर पढ़ना सीखा।  
क, ख, ग के लिए खिलौने, हिन्दी संग ही बचपन बीता।  
सबसे पहले जीवन में तो हिन्दी माँ ही आती है।  
शौक—शौक, आडम्बर में, संतान माँ को क्यूँ भूल जाती है।

नहीं बिटिया बड़ी हुई तो अंग्रेजी की हवा लगी।  
क, ख, ग को भूल गई अब वो A, B, C, D पढ़ने लगी।  
माँ को मम्मी पिता को डेडी अब वो कहने लगी।  
हिन्दी छोड़ वो अंग्रेजी को पढ़ने चली।

हिन्दी मात्र एक भाषा नहीं, हमारी मातृभाषा है।  
ऐ युवा तुम रख लो ख्याल, यह देश—उत्थान—आशा है।  
प्रेमचन्द का उपन्यास इसमें, जयशंकर की कहानी है।  
भारतेंदु युग का सार है इसमें, कवि भूषण की जवानी है।  
ऐ युवा तुम रख लो ख्याल, हमें हिन्दी भाषा बचानी है।

नौ रस युक्त है हिन्दी माता, माधुर्य की वो वाणी है।  
ऐ युवा तुम रख लो ख्याल, हमें मातृभाषा बचानी है।



## हिन्दी

जन—जन में बस्ती है हिन्दी,  
भारत की जुबान है हिन्दी,  
उन्नति का अहसास है हिन्दी,  
भारत का विश्वास है हिन्दी,  
हमारी राष्ट्रभाषा है हिन्दी,  
जिसने पूरा देश बाँधा है,  
वो एक धागा है हिन्दी,  
एकता का प्रतीक है हिन्दी,  
विकास की आशा है हिन्दी,  
भारत की वफादार है हिन्दी,  
भारत की तकदीर है हिन्दी,  
जीवन की परिभाषा है हिन्दी,  
हमारी आन—बान—शान है हिन्दी।

अंजलि

बी.ए. हिन्दी विशेष  
द्वितीय वर्ष



## Lonesome

I am sinking, I cannot breathe  
And there's no one around to support me.  
I am hustling, I cannot reach  
And there's no one around to help me.  
I am slipping, I cannot rise  
And there's no one around to hold me.  
I am afraid, I cannot stand  
And there's no one around to protect me.  
I am trembling, I cannot speak  
And there's no one around to hug me.  
I am losing myself  
And there's no one around to say  
"Hey, I am here for you. Don't worry."

Anshika Agarwal  
B.Com Prog. Ist Year

## हँसते-हँसते मौत को गले लगाया था

खुशियाँ थम गईं  
मोमबत्तियाँ बुझ गईं  
अंधेरा छाया था जब  
तीनों वीरों को फाँसी पर झुलाया था  
भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के  
मन को कुछ न भाया था जब  
हँसते-हँसते मौत को गले लगाया था।  
इंकलाब का नारा लिए  
तुम छोड़ गए इस दुनिया को  
दिखाकर आजादी का सपना  
खो दिया हमने बहुत कुछ अपना  
छोड़ दिया सब कुछ, वतन को ही माना अपना  
बस यही चाह लेकर  
हँसते-हँसते मौत को गले लगाया था।

अंजलि

बी.ए. हिन्दी विशेष, द्वितीय वर्ष

## उजले कुर्ते में मजदूर

पंख होता तो मैं यूँ उड़ जाता  
चिड़िया से माँगकर खाना खिला देता।  
दो पैसों से आज दो ही दाने  
एक रुपया होता तो बच्चों की भूख मिटा देता।  
दिन में इस दीन को उजाला दिखा दिया  
शाम होते ही इस पगड़ी को महरूम बना दिया।  
तेरे वादे हैं उजले, हमारे मेहनत के दम पर  
तुम ये कफन भी लाए, मेरे सच के बल पर।  
सहाब हाथ न जोड़ो, अभी साल बाकी है  
मेरी पगड़ी भी ले जाओ, इसमें अभी रंग बाकी है।  
प्यास भी बूझ गई, अब नैन के सहारे  
भूख भी मिट गई बीरबल के द्वारे  
छाओ भी मिल गए मेरे पलकों के किनारे।

मनीष कुमार

बी.ए. ऑनर्स राजनीति विज्ञान, प्रथम वर्ष

## ताले में मजदूर

डगर है लम्बी है, अपनों के साथ  
है पाँव में छाले और मन में विश्वास।

ये महलों की दुनिया इनके काले आसमान  
चल दिया पैदल अपने मिट्टी के गाँव।

दूर है मंजिल, है रोटी का सवाल  
हूँ अपनों की तकिया और माँ का श्रवण कुमार।

कोई हल्का तो कर दे मेरे इस कंधे का भार  
रब से है विनती बुलाले अपने पास।

उनकी तिजोरी हम हिफाज़त कर गए  
गर्द में चेहरे यूँ काले हो गए।

ये ए.सी. वाले कमरे कितने वायदे कर गए  
मेरे पैर के छाले भी इन्हें सलामी दे गए।

आ गया मंजिल ना है डरने की कोई बात  
लड़ाई तो जारी रहेगी है पेट का सवाल।

मेरी पगड़ी आज दुबारा महरूम हो गई  
मुझे खुद में समेट आज ये भी खुशानसीब हो गई।

मनीष कुमार

बी.ए. ऑनर्स राजनीति विज्ञान, प्रथम वर्ष

## मेरी कविता 2020

ऐ—कविता तुझे क्या नाम दूँ?  
समझ नहीं आया।  
तूने आज लिखते समय हँसाया भी बहुत  
और रुलाया भी बहुत।  
तू कुछ—कुछ 2020 सी लगी  
जा तुझे आज नाम दिया  
मेरी कविता 2020।



एक वर्ष ऐसा भी  
अजब था, बिल्कुल गजब था।  
इतने किस्से, इतनी कहानियां  
बनाया गया कि वर्ष खत्म  
होते—होते भी भूकम्प आ गया।

जो कभी सोच भी सकते थे  
वो सभी चीजें यह वर्ष दिखा गया  
कभी सोचा नहीं था कि  
दफ्तर, विद्यालय, महाविद्यालय के  
कामकाज से यूँ आराम मिलेगा  
पर यह वर्ष सबको आराम फरमा गया।

भारत बन्द, विश्व पर संकट छाया  
2020 में तो एक—एक करके  
वायरस! बाढ़! भूकम्प! सुनामी!  
सब कुछ आया।  
यहाँ तक की, इस वर्ष ने तो  
फिल्मी सितारों को भी  
दिन में तारे दिखाया।

महामारी के इस दौर में  
देश—विदेशों में लग गयी थी कुंडी।  
ये भागम—भाग वाली दुनिया  
एक दम से रुक सी गई थी।

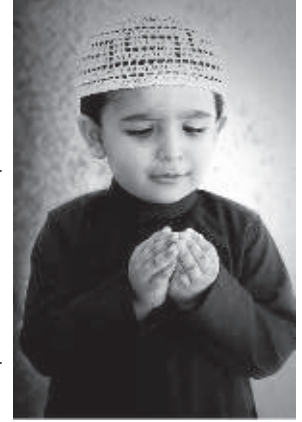


## इस वर्ष कुछ अच्छा हुआ

इस वर्ष कुछ अच्छा हुआ  
तो कुछ बहुत बुरा हुआ  
पर जो हुआ सब बीत गया  
इस वर्ष कुछ पल खुशी में बीते  
तो कुछ बीते थे गम में।

दुआ करो रब से आने वाले  
वर्ष में हमारे सारे संकट दूर हों  
और हमारा नव वर्ष 2021 बस  
हर्षोउल्लास, मौजमस्ती और  
सुख—समृद्धि लेकर आए।

आने वाले नववर्ष की सभी पाठकों को हार्दिक  
शुभकामनाएं।



हिमांशु

बी.ए. ऑनर्स, द्वितीय वर्ष

## Crystals of Hope

I Saw Broken Crystals  
Falling from Above  
Shattered Hither and Thither  
A Distant Echo  
The Sound of Sorrow  
Piercing through My Very Soul

And then I Fall Deeper  
A Force Greater than Myself  
I Can Do Nothing but Abide

Captured in a Tiny Cage  
All to Myself  
Alone Forevermore...

**Vriynda Arora**  
BA(Hons)English, first year



## जैसे बर्फ सी जम गयी हो ठण्डी

खबरों में भी सुबह—शाम, कोरोना वायरस छाया  
खबरे देख—देख कर, अपना सर चकराया ।

देश पर इतना बड़ा संकट छाया  
पर अपना देश बिल्कुल न घबराया  
और इस कोरोना वायरस का  
खूब मजाक उड़ाया ।

ऐसे—ऐसे जॉक, मीम, वीडियो बनाए  
अगर कोरोना वायरस देख पाए तो  
अपने ऊपर बने जॉक, मीम, वीडियो  
देखकर ही आत्महत्या कर जाए ।

यह जॉक मीम, वीडियो  
इस पर इसलिए बनाए  
ताकि इस संकट के समय में  
थोड़ी टेंशन कम हो जाए ।



कोरोना वायरस ने लोगों  
को दिल से करीब लाया  
लेकिन, शारीरिक दूरी बनाना सिखाया ।

हाथ, हेलो, हाथ मिलना छुडवाया  
इस वायरस ने सबको हाथ जोड़कर  
नमस्ते करना सिखाया  
और तो और विदेशियों ने भी  
हमारा नमस्ते अपनाया ।

देश में लगे लॉकडाउन से भी  
अजब गजब किस्से सामने आए  
बुद्धिजीवी तो था घर में बन्द  
लेकिन सुन्दर—सुन्दर पशु—पक्षी  
सड़कों पर घूमते हुए नज़र आए ।

वातावरण को भी इतना शुद्ध पाया  
पर इसका लाभ पशु—पक्षियों ने ही उठाया  
हमें भी फिर से डिजिटल बना दिया  
अपना स्कूल, कॉलेज, दफ्तर,  
सब घर में रह कर चलवाया ।

सभी ने फोन, लैपटॉप, कम्प्यूटर  
अपना—अपना मुखड़ा दिखाया  
अध्यापकों ने पढ़ा कर,  
और हमने पढ़कर दिखाया  
कोई नहीं इस संकट की घड़ी में घबराया ।

इस संकट के समय में  
जहां थोड़ी सी खुशी की किरण दिखी  
उसी में दीपावाली का त्यौहार  
इस वर्ष में दो—तीन बार मनाया ।

खूब मोमबत्तियां, दीए जलाए  
साथ में घंटी, शंख, थाली भी बजाए  
गो—कोरोना, गो—कोरोना  
ज़ोर—ज़ोर से चिल्लाए ।



बड़ा ही विचित्र रहा ये वर्ष  
महामारी, युद्ध की सम्भावना,  
बाढ़, भूकम्प, सुनामी  
जिनको बस पुस्तकों में पढ़ा था  
इस वर्ष ने इन सबको रू—ब—रू किया था ।

शादियों में 50—50 लोगों को ही बुलाया  
महामारी के चलते सरकार की तरह से  
यह नोटिस आया  
लॉकडाउन में हुई इन शादियों ने  
एक गरीब व्यक्ति का बहुत धन बचाया ।

लेकिन लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों को  
मास्क न पहने वालों को पुलिस ने खूब धमकाया  
देश में लगे लॉकडाउन में  
लोगों का मनोरंजन किस प्रकार हो पाया ।

प्लेयर्स का ऑनलाइन गेम  
लूडो, पबजी ने साथ निभाया  
भोजन प्रेमियों ने घर में तरह-तरह  
के पकवान बनवाकर खाया ।

बुजुर्गों के लिए टेलिविजन पर  
रामायण का पाठ चलाया

छोटे बच्चों के लिए फिर से  
एकबार शक्तिमान लौट आया ।  
आलसी को नींद ने लुभाया  
और पाठकों का और मेरा  
मेरी स्वरचित कविता, कहानियों  
ने हमारा मनोरंजन कर दिखाया ।  
इस लॉकडाउन में मेरे अन्दर का  
ये टैलेंट बाहर आया  
तभी मैं आज यह इतनी अच्छी  
कविता लिख पाया ।

हिमांशु

बी.ए. ऑनर्स हिंदी तृतीय वर्ष

## नारी

नारी हूँ सिर्फ ये समझ कर ना सम्मान देना  
हक है मेरा ये, इसे दिमाग में बिठा लेना,  
झाँसी की रानी न बन पाई तो तानों से न ठुकराना,  
निर्भया न बन जाऊँ, सिर्फ इसलिए न मुझ पर ध्यान देना ।

मेरे ख्वाब ऊपर उड़ने के हैं,  
सिर्फ पिंजरे से निकालना काफी नहीं  
मेरी सोच भी तुमसे आगे है  
इस बात की माँगू ना माफी कभी ।

अब मुझे बचाना छोड़ दो,  
अब मुझे संवारना छोड़ दो  
अब मेरी आँखों में काजल हो या आँसू  
वो हर तरीके से खूबसूरत हैं  
साड़ी पहनूँ या जीन्स  
मेरी सीरत ज़्यादा खूबसूरत है ।

इंसान हूँ मैं घर में सजाया सामान नहीं,  
क्योंकि नारी हूँ मैं तुम्हारी गुलाम नहीं ।।



वंशिका कटारिया  
बी.कॉम प्रोग्राम, प्रथम वर्ष

## मजदूर

कोरोना काल के दौरान ट्रेन से मजदूरों की मौत का  
वाक्या अभी भी आँखों को नम कर देता है । उसी दौरान  
मेरे भाव संवेदनाएँ बनके जब उभरे तो कलम ने कागज  
पर उतारा एक गीत...

मजदूर थे हम मजबूर थे हम  
सफर की थकन में बहुत चूर थे हम...  
खुली जब आँखें सुबह में जो सबकी  
तुम्हारी पहुँच से बहुत दूर थे हम...

हमें हर घड़ी घर की दूरी सताती,  
ऊपर से पैसों की तंगी डराती,  
हमें उम्रभर इस गरीबी ने मारा  
सरकार की दिल फरेगी ने मारा

बच्चे मेरे अब मेरी बाँहें देखें,  
घर पर मेरी माँ मेरी राहें देखे,  
मजदूर थे हम... मजबूर थे हम...  
सफर की थकान में बहुत चूर थे हम...

अंकुर कुमार

बी.एस.सी. ऑनर्स माइक्रो बायोलोजी, तृतीय वर्ष



## मन के झरोखे से

कुछ और कहूँ कुछ और कहूँ  
किस ओर चलूँ किसको कहूँ  
जो सहर्ष सही तृष्णा ही तृष्णा  
सममुच को होगी मृग तृष्णा ।

है मन में माया गच्छादित  
कर दे यह हृदय को और द्रवित ।  
यह किस पीडा की अनुभूति है  
उठ रही आग भभूति है ।

क्षण—क्षण निज मन में डेरा डाले  
काँटे चुभाने की आशा पाले  
घुमड़—घुमड़ गई व्याकुल मन में  
काला बादल मंडराया यौवन में ।

उस अंतर ना कोई पीड़ा चाहा  
प्रेम की भीख दुआएं चाहा  
सबने मन मानुष ठुकराया  
कोई न दर्द को सहला पाया ।

वक्त के पाले खुद को पाया  
हृदय भाव वक्त ना सुलझा पाया ।  
तृप्त हृदय की कोई आस नहीं  
श्वासों में अब कोई श्वास नहीं ।

आया मन में भावों का भाटा  
करता हुआ कलकल सन्नाटा ।  
जग भावों का बाजार नहीं  
कौन खरीदे, कोई हकदार नहीं ।

आँखों को आँसू ही सुहाए  
बनके आँसू मन को भाए  
प्रेम—पथिक ना कोई ढूँढ पाए  
किस मुख से पीड़ा बतलाए ।

हृदय कर हँसी दे चुकाया  
मन ही मन गमों को दबाया  
जग मुझको क्या हँसा पाएगा  
कर ऐसा वह खुद को भरमाएगा ।

खुशी की चादर ओढ़े घूमूँ कैसे  
छाले बहुत हैं चलूँ कैसे  
मन मानुष को भूलूँ कैसे  
निज मन भावों को तोलूँ कैसे ।

यह भाव ना तोला जाएगा  
अमर स्मृति बन न पाएगा  
थोड़ा सोच विकल ना हो मन में  
दीमक ना हो प्राणों के पण में ।

हृदय को और दबाना होगा  
हँसते—हँसते सबकुछ सहना होगा ।  
दुखों को और ना दबाना होगा  
जीवन को भी बताना होगा ।

निज मन परतें खोला जाए  
धीरे—धीरे अवसाद हटाया जाए  
किंचित भी ना डिगना होगा  
बाधाओं को सहर्ष हटाना होगा ।

जो हुआ नहीं कभी वह अब होगा  
अंतर को और न कष्ट होगा  
दुख आए थे और आएंगे  
पर अब न व्याकुल हो पाएंगे ।

दिवा के दिवाकर उदित हुए  
आनन लिए किस तरह मुदित हुए ।

दीप आनंद

बी.ए. ऑनर्स हिंदी, तृतीय वर्ष

## मैंने पढ़ना, आगे बढ़ना अभी शुरू किया है

किताबों से मुलाकात कई बार हुई है  
मगर किताबों ने मुझसे मुलाकात हाल ही में की है  
सालों से चाहत दबी तो थी मन में  
ख्वाहिश पढ़ने की मगर मेरी अब पूरी हुई है।

एक हौंसला जो कहीं दबा सा था  
मेरी बेड़ियों की तरह जैसे बंधा—बंधा सा था  
उनको आज जैसे खोला गया है  
मैंने पढ़ना, आगे बढ़ना अभी शुरू किया है।

चूल्हा चौंका सम्भालती मैं  
आज देखो कलम से लिखूंगी  
घर पर ही कैद रहने वाली  
आज मैं भी घर से निकलूंगी।

केवल घरबार और बाल बच्चों से आगे  
मैं भी कुछ कर सकूंगी  
इतने वक्त तो रही दबकर  
पर अब मैं भी उड़ सकूंगी।

थोपे गए नारीत्व से विश्राम सा मिला है  
मैंने पढ़ना, आगे बढ़ना अभी शुरू किया है।

ए दर्पण, आ तुझसे भी मिल लूँ ज़रा  
बहुत चली औरों के सहारा लेकर  
आज मैं खुद भी चल लूँ ज़रा

जो तुच्छ बताते थे मेरी काबिलियत को,  
उनको मैं झूठला दूँ ज़रा  
और जो पूछते थे, "तू है ही कौन",  
उनको अपनी अहमियत बता दूँ ज़रा

अपनी एक पहचान बनाने का मुझे मौका मिला है  
मैंने पढ़ना, आगे बढ़ना अभी शुरू किया है।

## तुम करती ही क्या हो?



तुम्हारे जूतों की सफाई से लेकर  
तुम्हारे कपड़ों को टीप—टॉप रखती हूँ  
ताकि जब बाहर जाओ तो  
सिर ऊँचा रहे तुम्हारा  
मैं बेशक घर में ही रहूँ।

घर के राशन से ले के  
बच्चों की पेन्सिल तक का हिसाब रखती हूँ  
उनकी रिपोर्ट कार्ड पर नाम तुम्हारा होगा बेशक  
उनको पढ़ाती केवल मैं ही हूँ।

झाड़ू, पोंछा, बर्तन कर के  
तुम्हारे मकान को घर बनाती हूँ  
क्योंकि तुम मिस्टर और  
मैं तुम्हारी मिसेज कहलाती हूँ।

कभी कभी जो गुस्से में तुम घर लौटो  
तो जिस पर गुस्सा उतार सको, वो बन जाती हूँ  
सब चुपचाप सुन लेना तो कर्तव्य है मेरा  
क्योंकि पहले तुम हो, मैं तो बाद में आती हूँ।

सब कुछ तुम्हारे पैसों से आता है  
मैं बस एक हाउसवाइफ कहलाती हूँ  
इन चारदिवारी के बाहर मेरी क्या पहचान है?  
सब कुछ तुम करते हो, मैं बस घर पर रहती हूँ।

जेनिस जैकब  
बी.ए.ऑनर्स अंग्रेजी, तृतीय वर्ष

## DELHI FROM MY EYES

The vibrant sky and soothing cool winds...  
That make my hair flow with them  
and leave behind them a certain peace...  
The greenery of the capital and the crowded yet  
solitary environment in it says a lot to me. A beauty  
to respire in...  
a belongingness worthy to cherish...  
A whole blanket of green tall trees when I see them  
through metro's window delights the soul within  
me...  
I is noisy, but it is comforting...  
As if the nature hugs me and the warmth of Delhi  
envelopes me from within it...  
Those pigeons fly away and find a room without  
roof on the balcony of these Delhi roads.  
The richness of Chandni Chowk.  
The history of Qutub Minar  
They all tend to amuse me... They all tend to make  
me feel homely...  
I don't wish to leave Delhi...  
For my heart stays here...'  
The great gate of India where the names of the  
martyrs lay engraved  
The heart of Delhi where the heart of Delhi stays

Delhi in itself, is that complex mystery  
That gives you more to explore as you dive in  
Delhi, in itself, is that amalgamation of cultures  
Through which India is largely signified...  
Yes, I mean that Chaap  
yes, I mean that Pani Puri  
Yes, I mean that diversity in beliefs  
Yes, I mean people's beauty  
The rush of DTC's, the noises of clubs  
The abusive words from people, the fables of love  
Yet, a certain uniqueness is there in Delhi  
A place where I grew  
The village that were made cities  
The people that they balloon  
Don't take it away from me, I say  
Don't make it a filth  
Filthy in terms of appearance, I say  
And also filthy minds  
Don't take it's beauty away  
For its beautiful just the way it respire..!!

**Jennis Jacob**  
B.A. (Hons.) IIIrd Year

## GONE HALCYON DAYS OF YOUTH

One clattering, costly clumsy afternoon I was watching T.V. with my family When I fathomed a spiral increase in matrimonial advertisements. This is when I realized what lockdown was doing to many ambitious females hailing from conservative households who are forced to spend the lockdown with their families in thick of pressure to move ahead in their life that by all means to marry. Bubbling ambitions at the start of their career are constantly nagged to learn household chores, compromising with their time that would have otherwise utilized for studies.

**Pakhi Agarwal**  
B.Com Hons. Ist Year

## आजादी क्यों न मनाए हम

छपी हिन्दी तो गीता,  
उर्दू छपी तो कुरान नज़र आया  
भूल कर अस्तित्व, लोगों को  
एक कागज भी हिन्दू—मुसलमान नज़र आया ।

भारत को जो करना नमन छोड़ दे  
कह दो वो मेरा वतन छोड़ दे  
मज़हब प्यारा है जिसे भारत नहीं  
वो इसकी मिट्टी में होना दफन छोड़ दे ।

लिपट कर बदन कई  
तिरंगे में आज भी आते हैं  
यू ही नहीं जनाब हम  
आजादी मनाते हैं ।



मुकेश बरदेजा  
बी.ए. प्रोग्राम

## स्लोगन प्रतियोगिता

- राष्ट्रप्रेम — हम भारतीयों का खून गर्म है । राष्ट्रप्रेम ही हमारा प्रथम धर्म है ।
- त्याग — गाँव, घर, परिवार छोड़कर आये हैं देश की सीमा पर दुश्मनों से बचाने तुमको आये हैं ।
- बलिदान — (शहीदों के नाम)  
अमर हूँ मैं, अमर हूँ देश का वीर सपूत (अमर) हूँ ।  
हिंमाशु बी.ए. ऑनर्स हिंदी, द्वितीय वर्ष
- राष्ट्र निर्माण— न डर बलिदान का, न त्याग का, हर कर्म हमारा, राष्ट्रनिर्माण का ।

अशिना बानो

बी.ए. ऑनर्स हिंदी, द्वितीय वर्ष

## मेरा भारत महान

मेरी धरोहर, मेरी पहचान  
इसपर मेरी जान बलिदान  
पंक्ति में लगा हर मानव  
हमेशा गाए एक ही गान  
मेरा भारत, मेरी पहचान  
सारे जग में सबसे महान ।



जो हुआ ना कभी वो अब होगा  
अंतर को और ना कष्ट होगा ।  
दुख आए थे और आएंगे  
पर अब ना ब्याकुल हो पाएंगे ।  
दिवा को दिवाकर उदित हुए  
आनन्द लिए किस तरह मुदित हुए ।

गीतू कात्याल

बीजेएमसी, द्वितीय वर्ष

## देश प्रेम

देशप्रेम को एक नज़रिए से नहीं देखा जा सकता, उसे अलग—अलग रूप में देखा जाना चाहिए । उसे निभाने वाले भी अलग—अलग रूप में हैं — जैसे ईमानदारी से जो लोग टैक्स पे करते हैं वो भी देशप्रेमी हैं और, जो निशुल्क शिक्षा दे रहे हैं वो भी देशप्रेमी हैं । जो निस्वार्थ भावों से भूखों को खाना खिला रहे हैं वो भी देशप्रेमी हैं, जो निशुल्क लोगों का इलाज़ कर रहे हैं वो भी देशप्रेमी हैं । निस्वार्थ भाव से काम करने वाले हर व्यक्ति को हम देशप्रेमी कह सकते हैं ।

अंजलि

बी.ए. हिन्दी विशेष

द्वितीय वर्ष

## एक गरीब की व्यथा

एक सम्पन्न भारत का ख्वाब मेरा दिन प्रतिदिन चूर हो रहा है  
जब भूख के कारण वह शख्स पेट पर पट्टा बाँधने को मजबूर हो रहा है।

सिर पर उसके छत नहीं, सड़क को ही घर मान बैठा वह  
दिन भर तपन धूप की तो रात को कड़कडाती ठण्ड सहता वह।

दुकानों में पकवान देख कर उसका भी मन ललचाता है  
पर गरीबी के बीच दबा वह शख्स खुद को लाचार ही पाता है।

समाज के एक वर्ग में जहाँ लोगों की व्यर्थ जरूरतें पूरी नहीं होती हैं  
वहीं एक गरीब का विलास साधन उसकी दो वक्त की रोटी है।

जहाँ एक ओर दौलतमन्द का फैल रहा व्यापार है  
वहीं दूसरी ओर नजरांदाज हो रही गरीबों की लम्बी-लम्बी कतार है।

इन हालातों के बीच भी उस गरीब का ज़मीर मरता नहीं है  
अपने माथे पे शिकन आने नहीं देता, वह अपने आदर्शों से पीछे हटता नहीं है।

गन्दे मैले कपड़ों में भी उसकी आँखों में चमक बरकरार रहती है।  
एक दिन छट जाएंगे ये काले बादल भी, शायद यही उम्मीद उसे हर बार रहती है।

उसकी इस उम्मीद को पूरा करने की जिम्मेदारी उठाए कौन  
उसकी बेरंग ज़िन्दगी में खुशियों के रंग सजाए कौन।

हाँ! देश के कुछ युवा इनके अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं।  
कर्तव्य नहीं हक मानकर अपना फर्ज अदा कर रहे हैं।

पर अकेले ही वे सब करें, ये तो कोई बात नहीं  
हम उनका सहयोग ना दें, हमारे ऐसे तो कोई हालात नहीं।

इनके जीवन में प्रकाश भर हम सशक्त युवा होने का प्रमाण दें  
अपने वतन को गरीबी मुक्त कर खुद को मनुष्यता का इनाम दें।

एक के करने से नहीं एक-एक के करने से फर्क पड़ता है  
सिर्फ एक बूँद से नहीं, बूँद-बूँद से सागर भरता है।

सरोजिनी बेहरा  
बी.कॉम प्रोग्राम, तृतीय वर्ष

## हैपी मदर्स डे

मेरी माँ आज भी जवान है... मेरी माँ अभी भी जवान है...  
वो खूबसूरत हसीना जो अपनी जुल्फों से कहर ढाती थी...  
आज भी जवान है...

वहां अपने कोमल हाथों का जादू से बने अन्नपूर्णा...  
आज भी उन्हीं हाथों के जादू से मेरी दुनिया मेरी जान है...  
मेरी माँ आज भी जवान है...

वह 9 महीने तक अपनी कोख में रखने वाली...  
आज भी मेरी खुशियों के लिए  
अपने गमों को जानके भी अनजान है...  
मेरी माँ आज भी जवान है...



वह लम्बे-लम्बे सपने सजाने वाली...  
आज भी मेरे सपनों को पूरा कर बनाती अपनी पहचान है...  
मेरी माँ आज भी जवान है...

आज भी वो सबको अपनी कोमलता से रिझाने वाली...  
किया ज्यादा खूबसूरत और जवान है...  
वह मेरी माँ नहीं मेरी भगवान है...  
मेरी माँ आज भी जवान है...

## शहीदों को नमन

आओ चलो एक काम करो  
शहीदों को फिर से याद करो।

सिंह की भांति हुंकार भरो  
हाथ जोड़ कर प्रणाम करो।

हो भले ही शोहरत कितनी  
शहादत का सम्मान करो।

आओ चलो एक काम करो  
शहीदों को फिर से याद करो।



श्वेता कुमारी

बी.ए. ऑनर्स हिंदी, द्वितीय वर्ष

## SKETCHBOOK

You drew me on your sketchbook  
Felt like you spilled your heart on the pages  
Now the portrait's just a memory  
The love we had has fallen through the ages

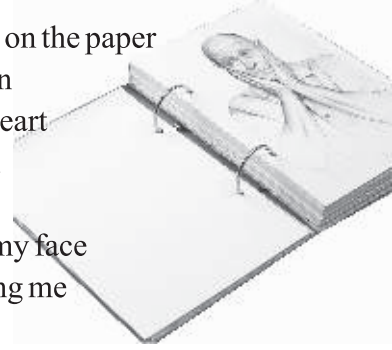
The way every stroke you made on the paper  
Somehow, I felt them on my skin  
I was so afraid to let you in my heart  
But that day I let our story begin

When you painted each part of my face  
I imagined your hands embracing me  
You did not touch my skin at all  
But you touched my soul with your love's purity

With every color in your palette  
You made my plain self, vibrant  
Oh, how much I envied the joy  
you have within yourself!  
And your intentions so pure and innocent

And one day it all started disappearing  
As if I've spilled water on the picture  
No matter how hard I wanted it back  
I found you moving even farther

The painting's gone  
As if it never was there  
A sketchbook which started a love so epic  
Now there, remains an empty page



Shreya Nayak

Bsc(Hons) Microbiology, 1st Year

## Murderer of Democracy

Denoted decor from the pear man's purse  
spills down in rich streets  
where few can rew the going on  
and what lies

Democracy killed by direction  
from hidden figures in corner  
and noone knew their name  
until we ask again and again

**Megha Manchanda**  
B.Com (Hons.) IIIrd Year

## सरकारी बाबू

हाय सरकारी बाबू हो गए तुम  
रूतबा बढ़ गया है तुम्हारा  
होगा भी क्यों नहीं  
सरकारी बाबू जी हो गए हो।

बड़े सपने सजोए थे  
बड़ी मेहनत की थी  
रातों नींद चैन सब  
कलमो में सजाई थी

हाय! सरकारी बाबू हो गए हो तुम

अच्छा लगी खुशी हुई  
इस बेरोजगारी की दुनिया में  
रोजगारी की सुबह आई  
सुना है— ईमानदार हो सरकारी बाबू।

ईमान और ईमानदारी बड़ी सहेजा के रखना  
सुना है बाजार में कीमत अच्छी है।  
इस सिस्टम को बदलते—बदलते  
तुम खुद न बदल जाना  
ईमान और ईमानदारी को दिल में संजोए रखना।



## भ्रष्टाचार का खेल

भ्रष्टाचार ने ईमानदारी की अखण्डता को  
कुछ इस प्रकार डगमगाया है।  
भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के  
समृद्ध भारत के स्वप्न को  
बड़ी चतुरता से हराया है।

छोटी-छोटी रिश्वत के बहाने  
लालज का बीज उगाया है।  
ईमान की दलीलों की आड़ में  
बीमारी बन देश पर छाया है।



बेईमान शकलों को छुपाने के लिए  
ईमानदारी का मुखौटा पहनाया है।  
वाह रे भ्रष्टाचार!  
तुने क्या खेल रचाया है।

**सेजल बजाज**  
बीएससी ऑनर्स सांख्यिकी तृतीय वर्ष

## मन की बात

एक आदमी पेट काटकर, मेहनत की रोटी खाता है।  
खेतों में बिल्डर, सड़क पर खड़ा किसान नज़र आता  
है।

खुद भूखा हो पर, बच्चों की रोटी लाता है।  
एक आदमी खून-पसीना बहाकर अपना घर चलाता है।  
अपनी मेहनत से उसने अफसर तुमको बना दिया  
आज देखकर लगता है कि सबसे बड़ा एक गुनाह किया  
रिश्वत लेने से बेहतर था, तू भिक्षा मांगकर जी लेता।  
काश तू भी खून-पसीना बहाकर, मेहनत की रोटी खा लेता

**कशिश हंस**  
बी.ए. ऑनर्स, इतिहास

## Corruption

Corruption is an action  
which has become a profession  
progressing like an infection  
needs instant care & medication  
for betterment of our nation

**Tushita Barva**  
2nd Year, BSc (H)

## भ्रष्टाचार का शिकार

मैं निकला था लाखों की भीड़ से यह सिस्टम बदलने  
मगर दौलत की हवस से मैं संगसार हो गया  
मुबारक हो मुबारक हो मेरे हम वतनों...  
जो करने निकला था मैं समाज की खिदमत  
नोटों की कृपा से सौदेबाज हो गया  
मुबारक हो.....

मैं निकला था मिटाने भ्रष्टाचार की बिद्धत  
लालच की हवस से मैं इसका शिकार हो गया ।  
मेरा क्या मैं आया था इक छोटी से हैसियत लेकर यहां  
पर नोटों की बारिश से मैं थानेदार हो गया ।  
मुबारक हो मुबारक मेरे हम वतनों मैं गद्दार हो गया ।

**सक्षम तिवारी**

बी.एससी, ऑनर्स सांख्यिकी, द्वितीय वर्ष



## Choking Corruption



The rich taking charge of the country  
embezzling government fund  
Allowing people to wallow in poverty  
Children born to serve

We have adjusted ourselves,  
So well in this corrupted place,  
Has it become our tradition?  
Or we lack the guts to face...

We say corruption chokes,  
Then why we Indians breathe it?  
We say corruption kills,  
Then why we breed it?

**Raj Singh Rajawat**  
B.A. (Hons.) History 2nd Year



## कैसा यह भारत निर्माण?

भ्रष्टाचारी मौज मनाएं  
रंगरेलियां मानने स्विट्जरलैंड जाएं  
दूध मलाई नेता खाएं  
बंद एसी कमरों में बैठ,  
देश लूटने की योजना बनाएं।

कुपोषण और गरीबी में  
आत्महत्या कर रहा किसान  
ऐसा है भारत निर्माण।

सौदों में नेता दलाली खाएं  
धन विदेशी बैंकों में जमा कराएं  
सीबीआई को बनाकर  
अपने हाथों की कठपुतली  
घोटालों पर पर्दा गिराएं

विरोधियों पर लाठी बरसाएं,  
झूठे मुकदमों में उन्हें फसाएं  
इनकी कथनी करनी का अंतर  
कसा रहा इनकी पहचान  
ऐसा है भारत निर्माण।

घोटालेबाजों को है संरक्षण,  
जनता का हो रहा शोषण  
महंगाई से नहीं राहत का लक्षण  
ऐसा है भारत निर्माण।

इस देश की है बीमारी  
यह भूखे भ्रष्टाचारी  
जिस थाली में खाना खाते,  
यह छेद उसी में करते हैं  
लात गरीब के पेट पर मार  
घर अपना ये भरते हैं।

इस देश की है बीमारी,  
ये धनवान भिखारी  
ले हाथ कटोरा घर-घर जाते  
मौसम जब चुनाव का आता  
अल्लाह के नाम पर दे दे वोट  
गाना बस इनको एक ही आता।

इस देश की है बीमारी,  
ये मूल्यों के व्यापारी  
नीलाम देश को कर दें ये  
जो इनका बस चल जाए  
भारत मां को कर शर्मिंदा  
ये उसकी कोख लजाएं।

इस देश की है बीमारी  
ये दानव अत्याचारी  
खून चूसकर जनता का  
ये अपना राज चलाएं  
जो खाली रह गया इनका पेट,  
नरभक्षी भी यह बन जाएं।

इस देश की है बीमारी,  
देखों इनकी गद्दारी  
गाय का चारा खाते ये,  
कोयले की कालिख लगाते ये  
धरती माँ का सौदा कर,  
उसको भी नोच खाते ये।

इस देश की है बीमारी,  
ये भूखे भ्रष्टाचारी

सचिन चौहान  
बी.ए. प्रोग्राम, तृतीय वर्ष

## छात्र राजनीति और दिल्ली विश्वविद्यालय

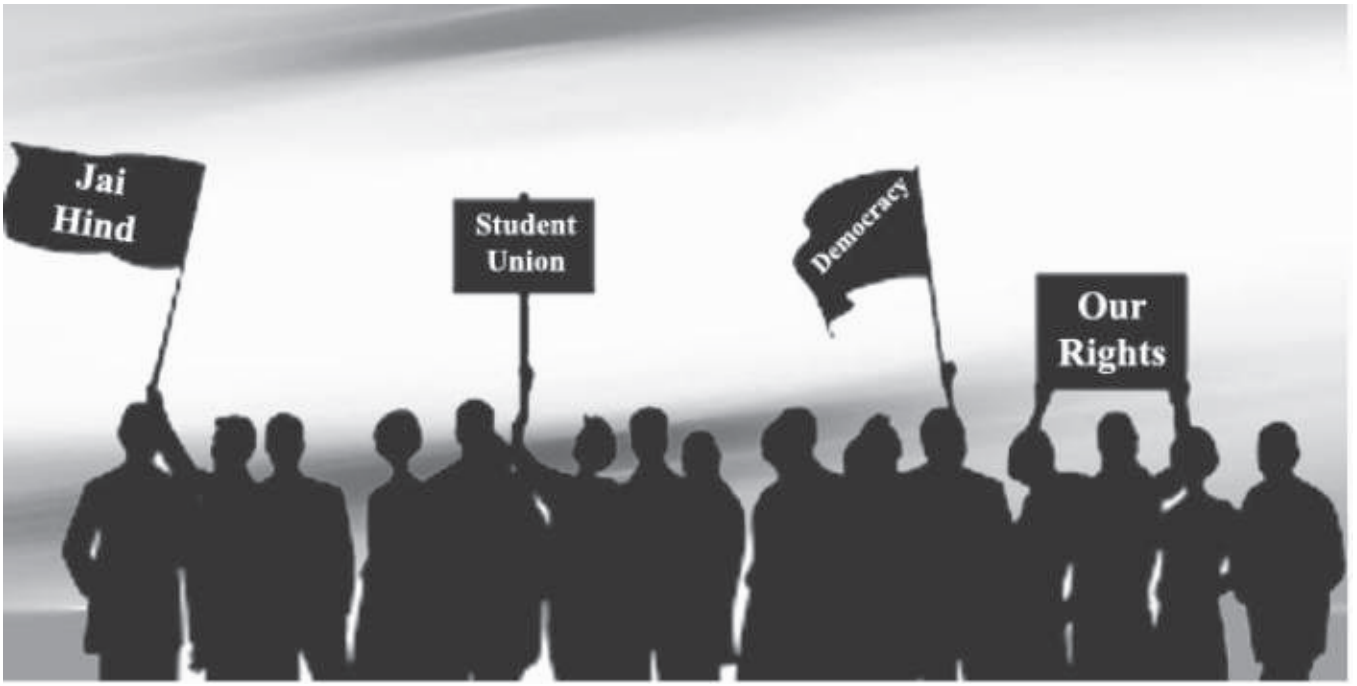
देश में छात्र राजनीति का इतिहास काफी पुराना है। आज़ादी की लड़ाई में छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया तो वहीं आजादी के बाद कई जन-आन्दोलनों में छात्रों की अहम भूमिका रही। चाहे वो जेपी आन्दोलन हो, पृथक तेलंगाना, अन्ना आन्दोलन या हाल के दिनों में सी.ए.ए., एन.आर.सी. के विरुद्ध आन्दोलन। आज के समय में मुख्य धारा की राजनीति में पकड़ बनाए हुए ज्यादातर नेता छात्र आंदोलन से खुद को जोड़ते हैं। यहाँ तक कि प्रधानमंत्री भी 'सम्पूर्ण राजनीति विज्ञान' में डिग्री प्राप्त करने से पूर्व छात्र आन्दोलन में सक्रिय रह चुके हैं। छात्रों को राजनीति ना करने का उपदेश देने वाले देश के उपराष्ट्रपति भी छात्र राजनीति के ही उपज हैं। छात्र राजनीति विद्यार्थियों में नेतृत्व की क्षमता को विकसित करती है व देश में लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। कैम्पस में छात्रों की समस्याओं के साथ-साथ समाज, देश और दुनिया से जुड़े मुद्दों पर भी बातें करती है। उन पर सवाल उठाती है।

दिल्ली विश्वविद्यालय राजनीति से निकले कई दिग्गज राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। छात्र राजनीति की तमाम खूबियों के उलट जो

सबसे बड़ी खामियां इसमें आई हैं वो है धन बल और बाहुबल का हावी होना। खासकर, दिल्ली विश्वविद्यालय में तो धनबल, बाहुबल के साथ जातिवाद व क्षेत्रवाद भी हावी है। छात्र संघ चुनाव के महीनों पहले ही महंगी गाड़ियों का काफिला, उम्मीदवारों के बड़े-बड़े पोस्टर, सड़कों पर बिखरे पम्पलेट दिखने लगते हैं। कैंटीन फ्री, मूवी टिकट, चॉकलेट, दारू, पब और बार का टिकट पैसे का अथाह खर्च दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र राजनीति में समाहित हो चुका है। उम्मीदवारों के टिकट बँटने में भी उसकी जाति और क्षेत्र का विशेष ध्यान रखा जाता है। दरअसल, दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति अब राष्ट्रीय राजनीति की पिछलग्गू हो गई है। राजनीतिक दलों व नेताओं के पिट्टू हो गई है। वहाँ से सीख कर विश्वविद्यालय परिसर में गन्दगी बटोरा जा रहा है। हांलाकि यह हाल सिर्फ दिल्ली विश्वविद्यालय का ही नहीं, बल्कि देश के कई अन्य विश्वविद्यालयों का भी है। दरअसल हो यह रहा है कि विश्वविद्यालय परिसर राजनीति में सक्रिय छात्र अपने आज़ाद विचारों को छोड़ एक संकीर्ण ढाँचे में फिट होने का प्रयास कर रहे हैं। राजनीतिक दल व नेताओं के झण्डे उठाने वाले, उनके मंच सजाने वाले, उनकी भक्ति करने वाले सेवक बन रहे हैं। छात्र अपने स्वतंत्र विचारों को कैद होने दे रहे हैं। छात्र राजनीति में राजनीतिक दलों की बढ़ती हस्तक्षेप को रोका जाना चाहिए। इसकी एक तय सीमा होनी चाहिए और ये तय सीमा संगठन के अन्दर छात्र ही कर सकते हैं।

लिंगदोह समिति की तमाम सिफारिशों जैसे—“प्रत्याशी का अधिकतम खर्च पाँच हजार रुपए, तय उम्र सीमा, चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य, प्रिन्टेड पम्पलेट, पोस्टर या प्रचार सामग्री के प्रयोग की अनुमति नहीं,





प्रचार में लाउड स्पीकर, वाहन व जानवरों का इस्तेमाल वर्जित” इन तमाम नियमों की धड़ल्ले से धज्जियाँ उड़ाई जाती हैं। कुछ छात्र संगठन हर साल रैली करते हैं, जिसमें सैकड़ों गाड़ियाँ, बड़े-बड़े लाउड स्पीकर, प्रिंटेड पम्पलेट और पोस्टरों की भरमार होती है। 75 प्रतिशत उपस्थिति और उम्र सीमा की तो बात ही छोड़िए, फर्जी सर्टिफिकेट वाला भी चुनाव लड़कर जीत जाता है। यह बात विश्वविद्यालय प्रशासन को गम्भीरता से सोचने की आवश्यकता है। साथ ही विश्वविद्यालय के तमाम छात्रों की भी यह जिम्मेदारी है कि वो तय करें कि उन्हें कैम्पस में कैसा राजनीतिक चाहिए? क्या राष्ट्रीय राजनीति के तर्ज पर छात्र राजनीति को देखना चाहते हैं या छात्र राजनीति को स्वच्छ कर एक नए सिरे से खड़ी करना चाहते हैं?

हैरानी करने वाली बात यह है कि यहाँ 60 प्रतिशत विद्यार्थी मतदान ही नहीं करते। 40 फीसदी के ईद-गिर्द ही हर साल वोटिंग होता है। ऐसे में सवाल उठता है क्या छात्रों में लोकतंत्र की समझ विकसित नहीं हो पा रही? या वो खुद को राजनीति से इतना दूर रखना चाहते हैं कि उन्हें मतदान तक का महत्व नहीं

मालूम? यह बात परिसर के चर्चा-संवाद में लाने की जरूरत है। साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन को भी चुनाव में आम छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए छात्रों के अन्दर राजनीतिक चेतना का उभार होना आवश्यक है।

विश्वविद्यालय के तमाम छात्रों को यह बात समझना होगा कि कैम्पस में फैली इस गंदगी को साफ करने का जिम्मा हमारा ही है। बाहुबल-धनबल की राजनीति को समाप्त कर, कैम्पस में बेहतर संवाद स्थापित करना होगा। राष्ट्रीय राजनीति को कैम्पस में सिरे से खारिज करना होगा। उस संगठन से बचना होगा जो पैसा, बाहुबल, कैंटीन फ्री मूवी टिकट, चॉकलेट, दारू और महंगी गाड़ियों के सहारे चुनावी मैदान में उतरता है। उस विचारधारा को नकारना होगा जो कैम्पस में जातिवाद और क्षेत्रवाद की राजनीति पर छात्रों को बाँटने का काम करता है।

धन्यवाद!

**श्री निधि**

बी.ए. आनर्स, राजनीतिक विज्ञान, द्वितीय वर्ष

### राष्ट्रभक्ति सर्वोपरि है

(i)

“राष्ट्र-भक्ति” इस शब्द का अर्थ बहुत व्यापक है। सत्य तो यह है कि हमारा काम ही हमारी राष्ट्रभक्ति है। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने देश के स्वाभिमान की रक्षा मन, कर्म और वचन से करें। हमें यह स्वीकारने में कोई हिचकिचाहट नहीं होना चाहिए कि आज हमारा देश अपनी संस्कृति से पिछड़ रहा है। भ्रष्टाचार हो या फिर असहिष्णुता आदि को लेकर देश में बड़ी बहस चलती रहती है। देश में हो रही प्रत्येक गतिविधि के लिए प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से हम जिम्मेदार हैं। जो देश अपनी संस्कृति के प्रति ईमानदार रहता है, वही देश सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है। कभी हमारा देश विश्वगुरु कहलाता था। हम अपनी संस्कृति को आत्मसात् करते थे। जैसे हम अपनी आत्मीयता से जुड़े लोगों अर्थात् परिवार रिश्तेदार, पड़ोस की अनदेखी नहीं करते, ठीक उसी प्रकार देश के प्रति हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए। राष्ट्र के लिए राज्य है, राज्य के लिए राष्ट्र नहीं। इसी प्रकार राजनीति के लिए राष्ट्रीयता नहीं, राष्ट्रीयता के पोषण के लिए राजनीति होनी चाहिए।

जब हम राष्ट्र की बात करते हैं तो अकेले भारत कहने से काम नहीं चलता। भारत कहने के बाद जमीन के टुकड़े का विचार आता होगा किन्तु “भारत-माता” कहने पर एक विशिष्ट सम्बन्ध स्थापित होता है। इसलिए वे लोग जो भारत-माता की जय कहने से कतराते हैं, भारत में रहते हुए भी भारतीय नहीं हैं। अंग्रेज इस सच्चाई को जानते थे, इसलिए उन्होंने भारत को इंडिया कहना शुरू कर दिया। उनकी यह चाल सफल हुई, जिसे हम अपने संविधान में “इंडिया डैट इज भारत” को देखते हैं। यदि किसी व्यक्ति की आत्मीयता अपने देश के प्रति न होकर परकीय

आक्रमणकारियों के प्रति है, तो यह मानना होगा कि उस व्यक्ति में राष्ट्रीयता की भावना नहीं है।

चार्ल्स एफ ब्राउन की वो पंक्ति जिससे मेरे अलावा कई लोग सहमत होंगे, उनका कहना है कि “हम सभी महात्मा गाँधी नहीं बन सकते, लेकिन देशभक्त तो बन ही सकते हैं।”

हमें अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से सीख लेनी चाहिए, उन्होंने राष्ट्रपति बनने के पश्चात् अपने प्रथम भाषण में कहा था ‘अमेरिकावासियों तुम यह मत सोचो कि अमेरिका तुम्हारे लिए क्या कर रहा है, अपितु यह सोचो कि तुम अमेरिका के लिए क्या कर रहे हो।’ हालांकि कुछ लोग इसे पश्चिमी संस्कृति तथा पश्चिमी विचार से जोड़कर देखेंगे परन्तु आज हम सबको भी अपने देश के प्रति इसी भावना के साथ आगे बढ़ना होगा यह किसी भी राष्ट्र के लिए बेहद जरूरी है।

मेरे विचार से एक राष्ट्रभक्त केवल वह नहीं होता, जो देश की सीमा पर अपने प्राण गवाएँ, हालांकि हमें उनका हृदय से सम्मान करना चाहिए और करते भी हैं, जिनके कारण हम निडरता से देश के कोने-कोने में अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। एक राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत व्यक्ति न तो कभी युद्ध होने का इंतजार करेगा, न ही कुछ ऐसा कार्य करेगा जिससे उसका नाम हो। वह केवल और केवल अपने स्तर पर प्रयास करेगा, जिससे मानव जाति का कल्याण हो। यदि कृषक, मजदूर, शिक्षक, व्यापारी, वैज्ञानिक, कलाकार सभी वर्गों के नागरिक अपने-अपने क्षेत्र की अधिकाधिक सेवा करते हैं तो वे सच्चे देशप्रेमी हैं।

देश—प्रेम पर बलिदान होने वालों को राष्ट्र युगों तक याद करता है। हमारे देश में प्रतिवर्ष 15 अगस्त और 26 जनवरी को देश सेवा में विशिष्ट कार्य करने वालों को राष्ट्रपति पद्मभूषण, पद्मश्री एवं अन्य पुरस्कारों से सम्मानित करते हैं। सही मायनों में वे लोग जिनके कार्यों के पश्चात् उन्हें सम्मान नहीं दिया जाता या वो जो बिना इसकी चेष्टा के कार्यरत होते हैं, वे सच्चे राष्ट्रभक्त होते हैं। राष्ट्र की भक्ति सर्वोपरि इसलिए भी है क्योंकि न सिर्फ इस धरती ने हमें अन्न, जल, वायु एवं अन्य संसाधन दिए हैं बल्कि एक सर्वोत्तम जीवन तथा ऐसे ही सर्वोत्तम जीवन का त्याग करने की भावना भी हमें दिए हैं। देश सर्वोपरि है, क्योंकि किसी भी आराधना से पूर्व हमें हर मोड़ पर यह एक नए अनुभव प्रदान करता है।

देश की गरिमा को बचाने के लिए जो सदा सचेष्ट, सजग और तत्पर है; वह निश्चय ही एक राष्ट्रभक्त है। प्रेम एक ऐसा महामंत्र है जो परिवार—प्रेम, जाति—प्रेम, मित्र—प्रेम और देश—प्रेम आदि अनेक रूपों में

प्रकट होता है, जिनमें देश—प्रेम सर्वोत्तम माना गया है।

‘राष्ट्र के सर्वोपरि होने को हमें भक्तिभाव से देखना चाहिए। हमें अपने राष्ट्र से तो प्रेम करना ही चाहिए, परन्तु हमें किसी अन्य राष्ट्र या किसी और देश के व्यक्ति से घृणा नहीं करनी चाहिए, क्योंकि फिर यह राष्ट्रभक्ति न होकर अंध—भक्ति का भाव उत्पन्न करता है। एक सच्चा राष्ट्रभक्त दूसरे देशों का भी ठीक उसी प्रकार सम्मान करता है, जैसा वह अपने देश का। उसे दूसरे देशों व उनके वासियों का सम्मान तथा उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। अंत में हम राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त जी की एक पंक्ति अमल में लाना चाहेंगे जो इस प्रकार है—

जो भरा नहीं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।  
वह हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।।

**साक्षी पांडेय**

बी.ए. ऑनर्स इतिहास, तृतीय वर्ष

## (II)

“आग लगी इस वृक्ष में जलते इसके पात,  
तुम क्यों जलते पक्षियों! जब पंख तुम्हारे पास?  
फल खाये इस वृक्ष के, बीट लथेड़े पात,  
यही हमारा धर्म है, जले इसी के साथ।”

कक्षा 11वीं में पढ़ी इस कविता के कवि का नाम भले ही मेरे ज़हन में न हो, परन्तु कवि की छवि एक आदर्श एवं सच्चे देशभक्त के रूप में स्पष्ट है। इन पंक्तियों में कवि यह संदेश देता है कि न सिर्फ यह हमारी जिम्मेदारी है बल्कि यह हमारा कर्तव्य बनता है कि देश प्रेम हमारे लिए दुनिया में किसी भी प्रेम, भाव एवं रिश्ते से बढ़कर होना चाहिए। देशप्रेम या राष्ट्रप्रेम केवल एक शब्द नहीं परन्तु एक भाव है जो प्रत्येक भारतीय में भरपूर होना चाहिए। देश और राष्ट्रप्रेम की तजवीज़ मेरे लिए सिर्फ हिन्दुस्तान की सरहदों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश

की धर्मनिरपेक्ष, सहनशीलता, समानता एवं भाईचारे तक फैली हुई है। बचपन में ‘भारत माता की जय’ के नारे सुनकर बड़े होते हुए हमेशा एक प्रश्न मेरे मन में आता रहा है कि विश्व में 200 से अधिक देश होने के बावजूद भारत ही एक ऐसा देश क्यों है जिसे ‘माता’ (जिसका अर्थ होता है ‘माँ’) से सम्बोधित क्यों किया जाता है? इसका उत्तर अब मैं समझी हूँ— क्योंकि दोनों ही माँ एवं जन्मभूमि निस्वार्थ प्रेम का प्रतीक हैं, सुरक्षा का अटूट कवच हैं एवं जिसका नाम प्रत्येक शीश को नमन के लिए झुक जाने को प्रेरित करता है।

भारत एक ऐसा देश है, जहाँ हर एक कदम पर एक नई बोली, पोशाक, रहन—सहन, खानपान एवं विचारधारा पाई जाती है। यही नहीं भारत एक ऐसा देश है, जहाँ पत्थर की मूरत को लगते हैं छप्पन भोग और

भूखे—नंगे तड़पते सो जाते हैं लोग। जहाँ लोग देश की उन्नति के लिए महत्वपूर्ण आयकर चुराने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन मक्का—मदीन और तीर्थों में अपनी जीवन की भरपूर कमाई न्यौछावर करने को तत्पर रहते हैं। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, बिस्मिल्ला खान, रानी लक्ष्मी बाई जैसे सुवा वीरों के इतिहास वाले भारत में आज के युवा की दशा देखकर— जिसके लिए देशप्रेम का अर्थ केवल वाट्सअप, मैसेंजर पर तिरंगा की डीपी लगाने से होता है— तो मेरा मन विचलित हो उठता है। जहाँ क्रांतिकारियों और सैनानियों की मूर्तियों पर करोड़ों खर्च होता है, लेकिन उन्हीं सैनानियों के विचारों और आदर्शों को पैरों से रौंद दिया जाता है। जहाँ हमारे सैनानियों और क्रान्तिकारियों को वस्तु की भाँति बाँट दिया जाता है। जहाँ अम्बेडकर सिर्फ दलित के होते हैं, तो महात्मा गाँधी सिर्फ काँग्रेस के हो जाते हैं। जहाँ भगतसिंह के साम्यवादी होने पर सवाल—जवाब किए जाते हैं, तो जहाँ एक मुद्दा चाय की चुस्कियों से शुरू तो होता है परन्तु अगले ही दिन पुराना अखबार हो जाता है।

ऐसे में मेरा मन बहुत विचलित हो उठता है और मुझे ये सोचने पर मजबूर कर देता है कि क्या मुमकिन है कि लोग अपने धर्म, जाति, बोली एवं विचारधारा को परे रख राष्ट्रप्रेम को सर्वोपरि स्थान दे पाएं? लेकिन इतनी

विभिन्नताओं के बाद भी जब सिनेमाघरों में लोगों को एक साथ खड़े होकर राष्ट्रप्रेम भाव से राष्ट्रगान गाते देखती हूँ तो राष्ट्रप्रेम को सर्वोपरि रखने वाले भारत की छवि दिखाई देती है। जब एक अम्मी भारतीय पायलट अभिनन्दन की वापसी की दुआ अपने अल्लाह से माँगकर अभिनन्दन को अपना बेटा बुलाती है तो राष्ट्र को सबसे ऊँचा स्थान देने की सोच मुकम्मल होती दिखाई देती है। जब इस देश का युवा 14 अगस्त को वैलन्टाइन दिवस के रूप में अपनी प्रेमी या प्रेमिका को याद न कर बल्कि पुलवामा हमले में शहीद हुए हमारे चालीस जवानों की हिम्मत और बलिदान को याद करती है और हाल ही में हुए चीन के साथ मुठभेड़ में शहीद हमारे बीस जवानों के पिता को दुखी से ज्यादा गर्वित महसूस करते देखती हूँ तो भगत सिंह की मूँछों को ताव देती तस्वीर मेरी आँखों के सामने आ जाती है।

अतः अन्त में मैं राष्ट्रप्रेम को लेकर अपने भाव को मेरे द्वारा रचित इन पंक्तियों से बयाँ करूँगी—

तिलक मिट्टी से बढ़कर कोई सरताज नहीं मेरे,  
पुकारे हिन्द से बढ़कर कोई आवाज़ नहीं मेरे।  
बयाँ कर तू अपने शब्दों में वतन के उन शहीदों को  
झुकाये शीश से बढ़कर कोई अल्फाज़ नहीं मेरे॥

भव्या झा  
बी.ए. आनर्स, इतिहास

### (III)

विश्व में केवल भारत ही ऐसा महान देश है जहाँ अपने देश को माँ मानकर पूजा होती है। यहाँ सभी धर्म, सम्प्रदाय के लोग सद्भावना के साथ रहते हैं। आदिकाल से हमारे देश में मातृभूमि के लिए सर्वस्व बलिदान करने की भावना रही है। आज हमारा जन्म आजाद भारत में हुआ, पर जिन देव तुल्य रण बांकुरों की कुर्बानी के कारण हमने आजादी पाई, उन्होंने अपना घर

परिवार बाल्यकाल में त्याग कर हमारे लिए अंग्रेजी हुकुमत से लड़ाई लड़ी और हमें आजाद किया। एक ओर गाँधी जी ने सब कुछ त्याग एक धोती पहन कर आजादी की लड़ाई लड़ी; वहीं दूसरी ओर चन्द्रशेखर आजाद जैसे वीरों ने अपनी जवानी कुर्बान की। चन्द्रशेखर आजाद इतने बड़े त्यागी थे। जब उनके गाँव वालों ने उनसे कहा गया कि तुम अंग्रेजों से लड़ने के

लिए जो धन एकत्र करते हो, उनमें से थोड़ा दे दो अपने माता—पिता को, जो कई दिनों से भूखें हैं। उनकी कुछ खाने की व्यवस्था हो जाएगी, तो त्यागी आजाद ने कहा कि मैं देश के लिए लड़ रहा हूँ। माँ को कुछ भी नहीं दूँगा। अगर पूरे गाँव वालों से मेरे माता पिता का पेट नहीं भरा जाता तो मैं आ जाऊँगा और पिस्तौल की दो गालियाँ उन दोनों के सीने में उतार कर चला आऊँगा। ऐसा ही एक त्याग का उदाहरण अशफाक जी ने दिया,

जब अशफाक जी को फाँसी हो रही थी तो उनकी आँखों में आँसू थे। उनसे प्रश्न किया गया कि क्या ये आँसू फाँसी के डर से हैं तो त्यागी अशफाक ने कहा— नहीं मैं भारत माँ का सच्चा पुत्र हूँ। फाँसी के डर से नहीं, मैं इस लिए रो रहा हूँ कि मेरे धर्म इस्लाम में पुनर्जन्म का कोई नियम नहीं होता। अगर होता तो मैं इस मातृभूमि के लिए हजारों बार जन्म लेकर हजारों बार शहीद होता।

## (IV)

“राष्ट्रभक्ति” क्या है, क्या इसे कोई देख पाया है, क्या इसका कोई स्वरूप है? इसे जानने हेतु हमें लौट चलना पड़ेगा वर्ष 1907 सितम्बर महीने के एक पावन दिन जब ल्यालपुर के बंगा नामक एक छोटे से गाँव में एक बालक का जन्म हुआ, वह बालक जिसको पुकारा गया भगत सिंह।

यही तो सौभाग्य है हमारा, यही तो वीरता है भारतवर्ष की, कि वीर मंगल पाण्डे 1857 में मृत होकर भी अमर हो गए और शहीद भगत, सुखदेव व राजगुरु की चिताओं की अंतिम राख से उस भक्ति उस प्रेम की अग्नि का प्रज्वलन हुआ जो भारत के हृदय में आज भी दहकती है।

राष्ट्रवाद निसंदेह ही सर्वोपरि है, यह भावना देश के प्रत्येक नागरिक के लहू में दौड़ती है और क्यों न दौड़े? आखिर भारत ने ही तो जन्म दिया बापू और बोस बाबू को भी।

इस महान देश को कभी कौटिल्य चलाया करते

थे, सम्राट चन्द्रगुप्त शासक थे। कभी अशोक सम्राट हुए और भारत की सीमा समकालीन अफगानिस्तान तक प्रचण्ड हो गयी, यह सब सम्भव हुआ तो केवल एक ही भावना से, राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध प्रेम की भावना। शिवाजी राजे हुए, पेशवा बाजीराव हुए, भारत का इतिहास हुआ। गाँधी, गणपकार खान, सरदार पटेल, नेहरू, लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक हुए तो भारत हुआ।

हमें इन दिग्गजों का मान रखना है साथियों, जो वीरगति को प्राप्त हुए और स्वर्ग को सिधार गए, हमें इनके परम बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना है। आईये, मिलकर हम माँ भारती के महान पुत्रों को श्रद्धांजलि अर्पित करें और सर्वप्रथम अपनी योग्यता एक भारतवासी के रूप में सिद्ध करें। इस प्रकार राष्ट्रभक्ति सर्वोपरि थी, है और भविष्य काल में भी रहेगी।

जय हिन्द, जय भारत

**सचिन चौहान**

बी.ए. प्रोग्राम, तृतीय वर्ष

## (V)

अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर तन—मन—धन से अपने देश के प्रति समर्पित होना ही देशभक्ति या राष्ट्रभक्ति है। देशभक्ति एक अनुभूति, एक भाव है जिसका अनुभव किसी साधारण से कार्य करके भी किया जा सकता है।

अपने देश और मातृभूमि के प्रति सम्मान रखना, उसके प्रति वफादार रहना, स्वाभिमान प्रकट करना आदि देशभक्ति की भावना का सूचक है। साहित्य में इस भावना का एक विश्वसनीय स्थान है। प्रत्येक मनुष्य को देशभक्ति का अवसर मिलता है लेकिन सच्चा देशभक्त वहीं होता है जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित रहे।

देशभक्ति की भावना के साथ देशद्रोही भी एक भाव है जिसके अन्तर्गत लोभ, मोह, आदि कारणों से वही मानव देश की गरिमा, जन्मभूमि के विरुद्ध कार्य कर अपने राष्ट्र को नुकसान पहुँचाना चाहे। राष्ट्रभक्ति या देशभक्ति की भावना उत्पन्न करने के लिए किसी प्रकार के लालच की आवश्यकता नहीं है। बल्कि यह हमारे आचरण, व्यवहार में स्वाभाविक रूप से होनी चाहिए।

जिस देश में हम लोग जन्म लेते हैं वही देश हमारी जन्मभूमि होता है। माता और मातृभूमि पूजनीय और आदरणीय होते हैं। इसके यश से ही पूरे देशवासियों का यश होता है। इसके गौरव से ही सभी देशवासियों का गौरव होता है। जो लोग अपने उदय के लिए देश का हित करते हैं, वो अधर्मी हैं।

देशभक्ति को सभी भक्तियों में श्रेष्ठ कहा जाता है। इससे देश की स्वतंत्रता की रक्षा होती है। देशभक्ति से प्रेरित लोग जैसे—भगतसिंह, चन्द्रशेखर आजाद आदि ने अपना बलिदान देश के लिए किया था।

देशभक्ति व्यक्ति, समाज और देश के कल्याण हेतु औषध (दवा) के समान है। ज़रूरी नहीं कि देश

भक्ति आप तभी कर सकते हैं, जब आप सेना में हो या सेवा संस्था से जुड़े हों? अगर हम एक आम नागरिक हैं और एक अन्य आम नागरिक की सहायता करके भी देश सेवा कर सकते हैं। एक साधारण नागरिक को भी देशभक्ति का भाव प्रकट करने के मौके मिलते हैं। तथा निम्न तरीकों से भी हम देशसेवा या देशभक्ति कर सकते हैं—

- ❖ आप गरीबों और जरूरतमंदों की मदद कर सकते हैं।
- ❖ जल को बचाकर हम देश सेवा कर सकते हैं।
- ❖ पेड़ लगाकर पर्यावरण को बचा सकते हैं।
- ❖ हम रक्तदान कर सकते हैं।

देशभक्ति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण निम्न है—

The Enemy नामक एक कहानी जिसके लेख Peasl S. Back हैं। यह कहानी विश्व युद्ध के उपरान्त जब लिखी गई तब अमेरिका और जापान दोनों देशों में शीतयुद्ध की समस्या थी। तथा फिर भी एक जापानी चिकित्सक (Dr. Sadac) ने जब एक अमेरिकी घायल सैनिक को देखकर उसका इलाज शुरू किया तथा चोरी—छुपे वह उस सैनिक का इलाज किया करता है तथा वह कुछ ही दिनों में स्वस्थ हो जाता है। पर उस चिकित्सक को धीरे—धीरे यह समझ आता है कि चिकित्सक का कर्म द्वितीय है तथा देश भक्ति सर्वप्रथम आती है। इसीलिए डॉ. साडाओ अन्त में उस सैनिक को देश से छिपाकर नाव के माध्यम से उसे उसके देश भेज देता है। वह अपना डॉक्टर तथा देशभक्ति दोनों का ख्याल रखकर यह कार्य करता है। हालांकि वह कई बार प्रयास भी करता है कि देश के भले के लिए उसे पकड़वाने का अत्यन्त प्रयास भी करता है। परन्तु असफल होने के परिणामस्वरूप वह खुद ही अन्त में उसे अपने देश से बाहर निकाल देता है। इसी के साथ वह अपने देश से गद्दारी भी नहीं करता तथा अपने डॉक्टर



होने का कार्य भी करता है।”

कहानी के इस सारांश में कह सकते हैं कि देशभक्ति की भावना अन्य भक्तियों से पहले आती है। बाद में अन्य भक्ति भाव आता है।

वास्तव में राष्ट्रभक्ति स्वार्थ और आत्मगत सुख-सुविधाओं से ऊँचा उठा हुआ त्याग और बलिदान का ऐसा एक शिखर है, जिस पर पहुँचकर ही मानव की मानवता की सार्थकता सिद्ध होती है।

‘जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी’

अर्थात् माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर महान हैं। कवि का यह कथन सचमुच सार्थक और निरापद सत्य को प्रकट करता है। इस कथन की सार्थकता तभी है, जब हम निश्छल होकर मन, वचन और कर्म से अपने देश के प्रति स्वयं को समर्पित कर दें। देशभक्ति के स्वरूप से परिचित होने के लिए हमें अपने देश के समस्त वातावरण से परिचित होना पड़ेगा। सर्वप्रथम हमें अपने देश के नदी-पर्वत, जंगल, मैदान, झरने, भाव-भाषा, आचार-विचार, रहन-सहन, खान-पान, अवास-प्रवास इत्यादि जीवन के विविध पहलुओं से अपनत्व स्थापित करना होगा। तभी हम सच्चे देशभक्त हो सकेंगे और हमारी नसों में देश-प्रेम का सच्चा रक्त

प्रवाहित हो सकेगा।

देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी होने के कारण महात्मा गाँधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल आदि ने अपने ऊपर न जाने कितनी विपत्तियाँ झेलीं।

इतिहास ने भी हमें राष्ट्रभक्ति की भावना की ओर अग्रसर होने को प्रेरित किया। जैसा कि मध्यकालीन भारत ने एकजुटता न होने के कारण अंग्रेजों ने हमें अपने अधीन किया। इसीलिए राष्ट्र में उभरे कई राष्ट्रभक्तों ने ऐसे गीत लिखे, ऐसी रचनाएँ की, ऐसे सन्देशों के प्रतीक बनाए— जिससे हर एक नागरिक एकजुट हो सके। उदाहरण है— वन्देमातरम् गीत जो कि बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा रचित है। इसे हर एक विद्यालय में गाया जाता है ताकि बचपन से ही बच्चों में यह भावना उत्पन्न की जा सके।

अतः यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रभक्ति सभी भक्तियों में सर्वोपरि तथा श्रेष्ठ है। एक सच्चा देशभक्त न केवल अपने देश के निर्माण की दिशा में काम करता है। बल्कि उसके आस-पास के लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है।

सुशील कुमार  
बी.ए. ऑनर्स हिंदी

## (VI)

‘जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी’ अर्थात् माता और मातृभूमि हमारे लिए स्वर्ग से भी बढ़कर है। जन्मभूमि के लिए मनुष्य के हृदय में इतना अधिक मोह होता है कि वह उसके हितार्थ सहज भाव से सप्तकोटि स्वर्गों का प्रलोभन त्याग देता है। जिस देश में हम जन्म लेते हैं, जिसकी गोद में हमारा पालन-पोषण होता है, जिसके अन्न-जल-वायु आदि से हमारे शरीर का संवर्धन-संरक्षण होता है तथा मरणोपरान्त हम जिसकी

ममता भरी गोद में ही चिर विश्रान्ति गृहण करते हैं, वही हमारी जन्मभूमि है। अपनी भूमि-माता की सुरक्षा तथा समृद्धि के लिए हम जी जान से प्रयत्न करते हैं, क्योंकि उसकी समृद्धि ही हमारी समृद्धि है। मातृभूमि के प्रति हमारी निष्ठा ही राष्ट्रभक्ति है, राष्ट्र प्रेम, देशभक्ति अथवा देशप्रेम कहलाती है। जन्मभूमि के प्रति मनुष्य ही नहीं पशु-पक्षी (समस्त जीवधारी) सहज ढंग से आकर्षित होता है।

हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राष्ट्रीय जीवन में देशप्रेम का अत्यधिक महत्व है। देशप्रेम की भावना राष्ट्रीय चेतना को जगाती है और इससे राष्ट्रीय एकता का भाव सुदृढ़ होता है। स्वदेश प्रेमी का हृदय पारस्परिक ईर्ष्या-द्वेष, स्वार्थपरता, शोषण, उत्पीड़न आदि दुष्प्रवृत्तियों से मुक्त होता है। उदारता, सहकारिता, सहिष्णुता, जन-सेवा तथा स्वार्थ त्याग जैसी सदप्रवृत्तियाँ सहज ही उसमें कण-कण के साथ स्वदेश प्रेमी का आत्मीय सम्बन्ध स्थापित हो जाता है। महाऐक्य की इस भावना से राष्ट्रीय शक्तियों का विस्तार होता है। शायद ही ऐसा कोई मनुष्य राष्ट्र के अन्दर हो, जिसके हृदय में देशप्रेम न हो। देश-प्रेम से रहित हृदय वाला व्यक्ति कितना शुष्क और पत्थर दिल होता है—

“जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।  
वह हृदय नहीं है पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।”

स्वदेश प्रेम यद्यपि मन की एक भावना है, तथापि उस भावना की अभिव्यक्ति हमारे क्रिया-कलापों और दैनिक आचरण में होती है। हमारा आचार-विचार, हाव-भाव तथा हमारी कथनी-करनी में देशभक्ति की भावना पूर्णतः स्पष्ट हो जाती है। स्वदेश प्रेमी का हृदय संवेदनशील तथा स्वदेश गौरव की भावनाओं से ओत-प्रोत होता है। उसमें अपने देश की परम्परागत सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्था होती है। वह अपने स्वार्थों पर कम, देशवासियों के सामान्य कार्यों का विशेष ध्यान रखता है।

कृषक, मजदूर, शिक्षक, शिल्पी, व्यापारी, वैज्ञानिक, कलाकार, सभी वर्गों के नागरिक आदि अपने-अपने क्षेत्र की अधिकाधिक सेवा करते हैं तो वे सच्चे देशप्रेमी हैं। मुनाफाखोरी, कामचोरी, घूसखोरी,

जनशोषण जैसी भ्रष्टाचार मूलक प्रवृत्तियाँ जिनमें पाई जाती हैं, वे नागरिक राष्ट्रद्रोही हैं। भले ही वे धन-बल, जनबल, अधिकार बल तथा सामाजिक मान मर्यादा का स्वामी क्यों न हों। उन्हें देशभक्त नहीं कहा जा सकता। विश्व का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं, जिसने राष्ट्र की बलिदेवी पर शहीद हो जाने वाले वीर संतानों को जन्म न दिया हो। भारतवर्ष में तो शहीदों की एक दीर्घ शृंखला तथा गौरवशाली परम्परा है। अस्थियुगीन महर्षि दधीचि से लेकर आधुनिक युग के महात्मा गाँधी तथा भारत माता की ऐसी संतानों ने हँसते-हँसते सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। विद्यासागर, महात्मा गाँधी, गुरुदेव, रवीन्द्रनाथ टैगोर, जवाहर लाल नेहरू, जय प्रकाश नारायण, महर्षि अरविन्द जैसी महान आत्माओं ने आजीवन साधारण रहकर सांस्कृतिक नवजागरण तथा राजनीतिक मुक्ति व आन्दोलन द्वारा मातृ-सुख की आभा द्विगुणित की। इसी तरह लोकमान्य तिलक, लाला लाजपतराय, मदनमोहन मालवीय, बाबा साहेब अम्बेडकर, विनोबा भावे, सुब्रह्मण्यम भारती, सी.आर. दास आदि के अवदान भी देशभक्ति के सर्वोत्तम आदर्श प्रस्तुत करते हैं। लेकिन स्वतंत्र भारत में देश-भक्ति का वह मानदण्ड नहीं रह गया जो स्वतंत्रता-आन्दोलन के दिनों में था। आज वह कसौटी सर्वथा बदल गई है। उन दिनों देशभक्ति का तकाजा था ‘देश की मुक्ति’।

देश सर्वोपरि है, देश का नागरिक नहीं। देश की गरिमा को बचाने के लिए जो सदा संयुक्त, सजग और तत्पर है वह निश्चय ही देशभक्ति है। प्रेम एक ऐसा महामंत्र है, जो परिवार-प्रेम, जाति-प्रेम, मित्र-प्रेम, और देशप्रेम आदि अनेक रूपों में प्रकट होता है। इन सभी में स्वदेश-प्रेम सर्वोत्तम माना गया है।

**परविन्द्र**  
बी.ए. प्रोग्राम

## हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता व जनसंचार विभाग

हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने सत्र 2020-21 में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। विभाग ने हर वर्ष की तरह अपने नए सत्र का आगाज़ एक काव्य गोष्ठी के साथ किया, लेकिन इस बार Covid-19 के कारण वर्चुअल काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी का आयोजन 12 सितम्बर शनिवार सायं 4 बजे से 5.30 बजे तक किया गया। काव्य गोष्ठी में राम लाल आनंद महाविद्यालय के अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 15 अन्य कॉलेजों के कुल 46 विद्यार्थियों ने भी भाग लिया जिसमें दिल्ली स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म, कालिंदी कॉलेज, देशबंधु कॉलेज, मोती लाल नेहरू कॉलेज व वेंकटेश्वरा कॉलेज के विद्यार्थी प्रमुख थे। काव्य गोष्ठी का शुभारम्भ हिंदी पत्रकारिता विभाग के समन्वयक और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार ने अपने स्वागत भाषण से किया। काव्य गोष्ठी में युवा कवियों ने प्रेम, भ्रष्टाचार, प्रकृति, रिश्ते और कई अन्य सामयिक विषयों पर न केवल मनमोहक प्रस्तुति दी बल्कि वर्चुअल प्लेटफार्म पर भी शानदार समां बांध दिया। काव्य गोष्ठी का संचालन डॉ. प्रदीप कुमार ने किया। वहीं गोष्ठी का सफल मंच संचालन बीजेएमसी द्वितीय वर्ष की छात्रा चेतना काला ने किया। गोष्ठी के अंत में सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. अटल तिवारी, डॉ. सीमा झा, डॉ. निशा सिंह और श्वेता आर्य व हिंदी और पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

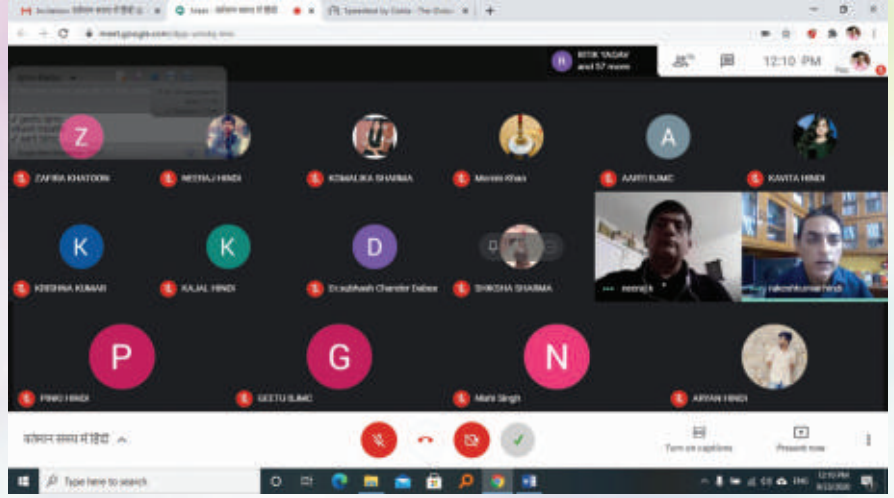
23 सितम्बर 2020 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया जिसमें हरियाणा सरकार के जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के उपनिदेशक नीरज कुमार ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। वेबिनार का संयोजन हिंदी पत्रकारिता विभाग के संयोजक और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार ने किया। इस

अवसर पर मुख्य वक्ता नीरज कुमार ने वर्तमान समय में हिंदी की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोरोना के कारण जिंदगी बहुत तेजी से बदली है। बदलती परिस्थितियों के कारण भाषा ने हमें सांस्कृतिक, राजनैतिक और सामाजिक हर रूप में जोड़ने का काम किया है। भाषा वो कड़ी है जिससे सामाजिक ताना बाना मजबूत रहता है। भारत जैसा शायद ही कोई देश होगा जो भाषाई विविधता में हमारे देश की बराबरी कर सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया ने हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं वेबिनार के प्रथम सत्र में डॉ. राकेश कुमार ने हिंदी को आज़ादी की लड़ाई से जोड़ते हुए बताया कि आज़ादी से पहले पत्रकारिता अपने शिखर पर थी। भारत को आज़ाद कराने में हिंदी की भूमिका बहुत अहम रही है। साथ ही उन्होंने बताया जिन देशों ने अपनी भाषा को अपनाया उन्होंने खूब तरक्की की चाहे वो देश चीन हो या जर्मनी। वेबिनार के अंत में हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. सुभाष चंद्र डबास ने धन्यवाद ज्ञापन कर संगोष्ठी का समापन किया। इस वेबिनार में डॉ. नीलम ऋषिकल्प, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. अटल तिवारी व अन्य शिक्षकों के अतिरिक्त हिंदी और पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक 29 दिसंबर 2020 को हिंदी पत्रकारिता विभाग द्वारा 'फेक न्यूज़ और सूचना विकार' विषय पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर मीडिया शिक्षक और फ़ैक्टशाला ट्रेनर डॉ. गीतिका वशिष्ठ मौजूद रहीं। इस वर्कशॉप में हिंदी पत्रकारिता विभाग के अलावा कॉलेज के अन्य विभागों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ. गीतिका वशिष्ठ ने फेक न्यूज़ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज डिजिटल मीडिया में फेक न्यूज़ की भरमार है जिसके कारण लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की

विश्वसनीयता खतरे में दिखाई दे रही है। आज ख़बरें जितने तीव्र गति से हर किसी के मोबाइल में पहुँच जाती है उतनी ही तीव्र गति से आज लोगों के मोबाइल में कई फेक न्यूज़ भी फैलाए जा रहे हैं। फेक न्यूज़ आज की न्यू मीडिया के लिए अभिशाप है। वर्कशॉप के दौरान उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न सॉफ्टवेयर्स का प्रयोग करते हुए फेक न्यूज़ से कैसे बचा जा सकता है इसके बारे में विस्तारपूर्वक बताया। इस वर्कशॉप में विभाग के समन्वयक डॉ. राकेश कुमार, डॉ. अटल तिवारी, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. सीमा भारती झा, डॉ. निशा सिंह और श्वेता आर्य विशेष तौर पर मौजूद रहें।

20 जनवरी से 21 फरवरी 2021 तक हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने मीडिया प्रोडक्शन के लिए एडिटिंग सॉफ्टवेयर सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया गया, जिसमें क्वार्क एक्सप्रेस, कोरल ड्रा, एडोब प्रो, एडोब ऑडिशन और फोटोशॉप जैसे मीडिया इंडस्ट्री में सर्वाधिक प्रयोग किये जाने वाले सॉफ्टवेयर सिखाये गए। एक माह की अवधि के इस सर्टिफिकेट कोर्स में कुल 63 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें राम लाल आनंद महाविद्यालय के अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय के 10 अन्य कॉलेजों के भी विद्यार्थी शामिल रहे। इस सर्टिफिकेट कोर्स में डॉ. अटल तिवारी, संदीप कुमार, आसमा बानो और दीपक कुमार त्रिवेदी ट्रेनर की भूमिका में रहे। कोर्स की शुरुआत में हिंदी पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ. राकेश कुमार ने सभी ट्रेनर्स का परिचय दिया और वर्तमान समय में मीडिया इंडस्ट्री में एडिटिंग सॉफ्टवेयर की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज मल्टीटास्किंग के दौर में विद्यार्थियों को मीडिया इंडस्ट्री में नौकरी पाने के लिए रिपोर्टिंग के अलावा तकनीकी रूप से सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा इस सर्टिफिकेट कोर्स का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को



तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है जिससे भविष्य में उनको रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सके।

इस सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को समाचार पत्र के निर्माण की बारीकियों, न्यूज़ पैकेज निर्माण, शॉट टू-शॉट एडिटिंग, रिकॉर्डिंग एवं सम्पादन, ध्वनि परिप्रेक्ष्य-एनॉलाग व डिजीटल ध्वनि, मोनो स्टीरियो तथा साउंड की अवधारणा, लीनियर नॉन लीनियर ऑडियो सम्पादन, मिक्सिंग और डबिंग तकनीक साउंड एडिटिंग, वीडियो में ट्रांसफॉर्मेशन, फ्रेम एडिटिंग, ऑडियो मिक्सिंग वीडियो प्रोडक्शन: प्री प्रोडक्शन, प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन, वीडियो सम्पादन और कोरल ड्रा से जुड़े सभी इफेक्ट, टूल्स और ट्रांसफॉर्मेशन का परिचय कराया गया। हर कक्षा के समापन से पहले प्रश्न सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने अपने डाउट क्लियर किए।

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अंतर्महाविद्यालय फोटो प्रतियोगिता और वर्चुअल काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। मोलिटिक्स वेब पोर्टल के सयुक्त तत्वावधान में आयोजित फोटो प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के 17 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। फोटो प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका मोलिटिक्स वेब पोर्टल के क्रिएटिव एडिटर इरशाद अली ने निभाई। विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र के अतिरिक्त नकद प्रोत्साहन राशि भी दी



गई। वहीं काव्य गोष्ठी की शुरुआत में हिंदी पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ. राकेश कुमार ने महिला दिवस की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में महिलायें किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है। वर्तमान समय में महिलाओं के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा अपने सम्मान के लिए महिलाओं को निरंतर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की भी आवश्यकता है। काव्य गोष्ठी में राम लाल आनंद महाविद्यालय के अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 22 कॉलेजों के 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें कालिंदी कॉलेज, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, हिंदू कॉलेज, इंस्टीट्यूट आफ होम इकोनॉमिक्स, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, देशबंधु कॉलेज, स्वामी श्रद्धानंद

कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, कमला नेहरू कॉलेज, श्री अरबिंदो कॉलेज, राजधानी कॉलेज, शिवाजी कॉलेज, गार्गी कॉलेज, दयाल सिंह कॉलेज, भारती कॉलेज, रामजस कॉलेज और रामानुजन कॉलेज के विद्यार्थी प्रमुख रहे। अपनी कविताओं से युवा कवियों ने न केवल महिलाओं के प्रति सम्मान प्रकट लिया अपितु उन्होंने वर्तमान समय में नारी के अस्तित्व की सार्थकता भी सिद्ध की। काव्य गोष्ठी का संचालन डॉ. प्रदीप कुमार ने किया। वहीं गूगल मीट पर वर्चुअल आयोजित इस काव्य गोष्ठी में मंच संचालन प्रथम वर्ष की छात्रा रक्षा रावत और समीरा ने किया। इस अवसर पर डॉ. अटल तिवारी, डॉ. सीमा झा, डॉ. निशा सिंह और श्वेता आर्य व हिंदी और पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।



# DEPARTMENT OF MANAGEMENT STUDIES

## OFFICIAL MEETING COUNT

- ❖ The society conducted 2 meetings before every event i.e., a total of 6 official meetings and there were intra-departmental meetings to ensure that the events went smoothly and there were no delays.
- ❖ Role assigning and planning led to a meeting between the office bearers of the society and the teachers were involved for all pivotal decisions.



## STOCK-MANIA

MARG-The Management Society organized Stock-Mania'21 Trading Challenge, an online mock stock competition which required participants to put their best analytical and investment skills forward, to thrive in the realm of financial markets. The event was spread across five days from 15th -19th February 2021 and was organized on an online platform dsij.in and Google Meet.

## FORMAT OF THE EVENT-

- ❖ Participants were invited to mock buy and sell real stocks in a real time market simulator using virtual currency of Rs 10,00,000.
- ❖ The entire event was divided into 2 rounds:
  - Round 1- Participants traded in the cash segment of Indian Equity Markets for 4 days and the top 10 most profitable teams were shortlisted for the final round.
  - Round 2- Shortlisted teams were asked to explain the rationale behind their 3 most profitable trades in the form of a short write up.
- ❖ The results of both Round 1 and Round 2 were taken into consideration while announcing the final winners.
- ❖ Eligibility- This event was open for all and participants were allowed to either participate in a team of 2 or alone and there was a registration fee of Rs. 50 per team.
- ❖ Prizes:
  - 1<sup>st</sup> prize = 3/5 of Total Pool
  - 2<sup>nd</sup> prize = 2/5 of Total Pool
  - Participation certificate for Top 10 Teams.

## KEY TAKEAWAYS-

- ❖ MARG managed to receive sponsorship from Fin Ladder for the event. Fin Ladder provided winners a 95% discount on their courses of investment analysis, portfolio management and equity research training, along with this a 20% discount was provided by Fin ladder on 5 courses to all the participants.
- ❖ Despite the fact that the event was an online and paid one, it witnessed great participation as around 60

teams registered themselves for the competition. This success of the event was a result of consistent efforts of all the members of MARG who worked hard for successful conduct of the event.

## **DIGITAL MARKETING WORKSHOP**

On 3rd March 2021, the department organized a very informative workshop on Digital Marketing in the collaboration with Institute of Digital Marketing (IDM).

The workshop was designed to make students understand the trends and opportunities which have emerged due to COVID-19 situation. The guests for the event were Mr. Prashant (Director) and Ms. Harshita (Digital Marketer).

The event was organized under the guidance of our principal Prof. Rakesh Kumar Gupta and was coordinated by Dr. Aastha Verma and Mr. Siddharth Gupta. There were total of 80 participants in the event.

The session started with the introduction of the workshop by the Secretary of the Management Society (MARG), Mr. Rishav Nagule. He introduced to students the purpose of workshop and its benefits. Then Ms. Harshita took over and started with the basics of Digital Marketing and explained what are the topics that will be covered in the workshop. She also gave brief introduction to each topic and their importance. After that Mr. Prashant proceeded forward in the workshop and talked about what future does digital marketing and advertising hold and how every industry is turning digital to increase its reach multifold. Emphasis was on the job opportunities in digital marketing and how youth can get benefitted from it. Students were guided about setting up the business online and work on the national level or even globally; get a firsthand experience on creating websites. Later on, Mr. Prashant gave tips on social media and email marketing and explained how the creative content reflects on the reach of ads. Then he talked about search engine optimization and YouTube or video advertising. He also took questions from students.

By the end of the session, students were asked to write an assessment test in which they had to score 60 percent and above to get a certificate of merit as well as one-week free workshop on Digital Marketing. Total 59 students got selected for the free workshop and were awarded the merit certificate while rest were awarded participation certificate.

## **FINANSO-PHYLIA**

Our team at M.A.R.G. (Management Avenues and Realistic Growth) enjoyed discussing the opportunity to organize a webinar related to entrepreneurship and investment opportunity during COVID-19. We educated ourselves and the college students about finance and business opportunities in the years following Covid-19. The speakers of the event were as follows -

### **1. SAURABH JAIN**

Saurabh is Vice President at Paytm. He is heading the 'Paytm - Build for India' program and also has an active role in start-up products, developer relations, social impact / CSR, education and training within Paytm. Saurabh also manages the relationships with various industry bodies including NASSCOM, CII, FICCI, PHDCCI. Saurabh is a Chartered Accountant with keen interest in technology. Saurabh has authored 2 books on mobile application technology. He wrote 'Mobile Phone Programming', which was India's first book on mobile app programming. The book was published in 2003 and was a technical book on J2ME technology. He is a charter member of TiE. As a software developer he has been awarded the following titles in the past -



‘BlackBerry Elite’ and ‘Nokia Developer Champion’. He has also been selected as an ‘Indian Leader for Social Sector’ by ILSS. Saurabh is an avid reader and has read more than 175 books in last 4 years.

## 2. ARYAMAN DEORA

Mr. Aryaman Deora is the co-founder of Deora Capital Private Ltd. India. He specializes in capital markets and in the field of investment with impeccable knowledge in Equities, Derivatives, optimising of investments and generation of great returns. He has studied Business Administration and has specialized in the field of capital Markets & Derivatives. His investment advisory is truly exceptional. Mr. Deora has the ability to analyse the trends in the market and generate meaningful investment analogies.



### RELATIONS BUILT

#### MEMORANDUM OF UNDERSTANDING (EXTERNAL)

1. The Entrepreneurial Board, College of Vocational Studies
2. MARKOS, MARKETING SOCIETY, MAHARAJA AGRASEN COLLEGE
3. BIZWORLD, THE COMMERCE SOCIETY OF KESHAV MAHAVIDYALAYA
4. ComSoc: The Commerce Society of College of Vocational Studies
5. Entrepreneurship Cell of Motilal Nehru College.
6. Managerix, The Management Society Ramanujan College
7. Mercadeo, College of Vocational Studies
8. FINANCE AND INVESTMENT CELL, College of Vocational Studies

#### MEMORANDUM OF UNDERSTANDING (INTERNAL)

1. Women Welfare Advisory Committee
2. Andaaz
3. Awaaz
4. Inara
5. Quizing Society

### ACKNOWLEDGEMENT

We would like to express our special thanks of gratitude to our departmental teachers Dr. Aastha Verma, Mr. Siddharth as well as our principal (Prof. Rakesh Kumar Gupta) who gave the society constant support and the opportunity to grow and develop by means of various events and workshops throughout the year.

**Dr. Aastha Verma**



# DEPARTMENT OF COMMERCE

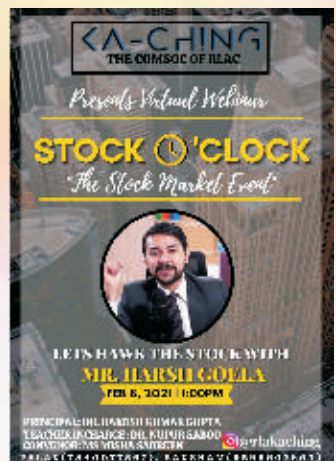
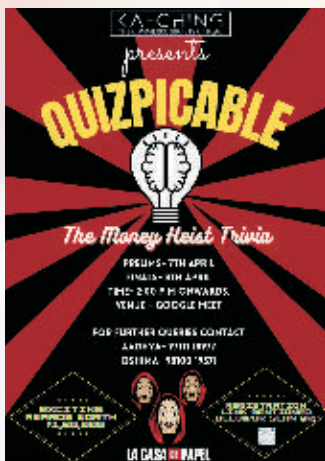
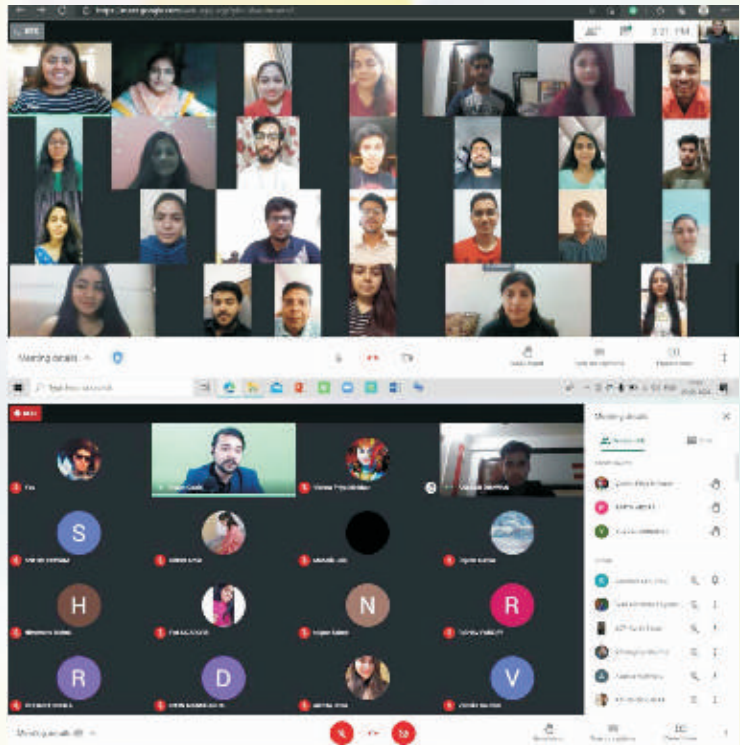
The session 2020-21 started with lockdown due to worldwide pandemic Covid-19. Our Classes, Exams, Conferences, Society's activities, Seminar, Certificate Courses & Workshop shifted from offline to online mode. This is unique and exceptional year for all of us.

A webinar "Financial Planning to navigate in uncertain time" was organised on 27th June 2020. In this timely webinar the speakers were Dr. Amit Kumar Singh and Dr. Sunaina Kanojia.

An online certificate course "Investing in Stock Markets" was started by the Department of Commerce. Classes were taken by 3 resource persons: Dr. Arnav Kumar (Assistant Professor, Ramanujan College), Ms. Leena Goel (Investment Consulting Analyst & CFA Level 3 Candidate) and Mr. Karan Sharma (Industry expert on Stock Markets, ex-CRISIL). This course provided an understanding of the basics of investing and equipped participant to make investment decisions on their own, by selecting an appropriate investment instrument, as per risk and return preferences. The duration of the course was 30 hours, 6th July – 26th July).

Online teaching began on 10th August 2020 with the support provided by the college by initially conducting FDP on online teaching. Admission and orientation program was conducted first time through online platform.

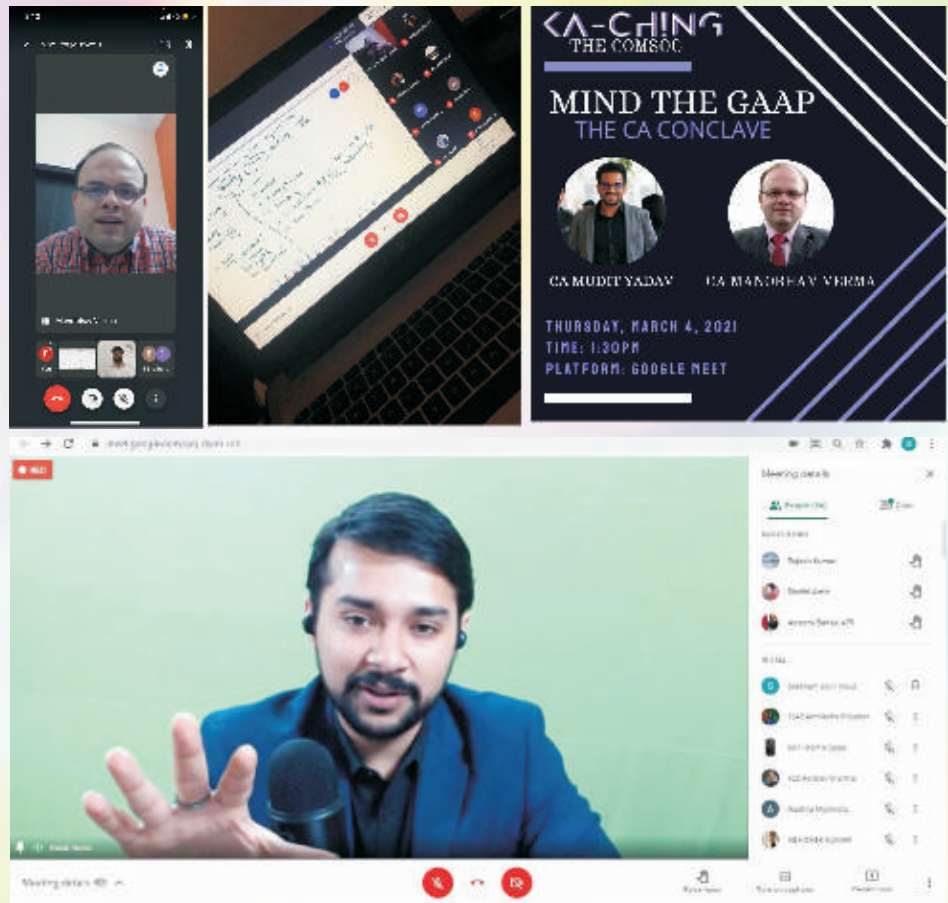
Department conducted another 30-hour online certificate course on “GST concepts and filing of Returns” beginning on 19th September 2020. Resource person are CA Suvek Mathur and CA Avdhesh Vashishth.



'Kach!ng' - The Commerce Society of Ram Lal Anand College organised the following events:

### STOCK O' CLOCK

To start its successful journey, 'KA-CH!NG' hosted its first event on the 8th of February, 2021. STOCK O' CLOCK - THE STOCK MARKET EVENT was initiated with the motto of spreading awareness about the basics of stock market and understanding stock markets as part of a broader system of all asset classes, markets, & instruments. Dr. Nupur Saboo, the head of Commerce department began the event by addressing the gathering. In this event, Mr. Harsh Goela, co-founder of the Goela School of Finance, Stock Market trainer, Investor and author started by introducing stock market to the students with his enthusiastic approach.



### MIND THE GAP

As the journey continued, 'KA-CH!NG' hosted its second event on the 4th of March, 2021. The CA Conclave was initiated with the motto of spreading awareness about Chartered Accountancy. In this event, CA Mudit Yadav, the founder of My Success Coach, a renowned keynote speaker and author of the book 'BeInvincible', started by introducing Chartered Accountancy and elaborated on how to get placements in Big4s. He was followed by CA Manobhav Verma who further went on to explain about other courses that can be pursued along with Chartered Accountancy.





## ZEUS 2.0- THE ANNUAL COMMERCE FEST

‘KA-CH!NG’ organised its Annual Commerce Fest - ZEUS 2.0 on the 8th and 9th of April, 2021. Despite being on the virtual platform, the event gained a lot of participation. Four commerce inclined competitions were organised namely:

- (i) Kaching Premiere League
- (ii) Master the Mic
- (iii) Quizpicable &
- (iv) Mark your Market were organised.

Each competition was divided into two rounds i.e. prelims & final round. The enthusiastic participants and the hard work of the team made this event a huge success.



## PLANT‘O’ROPAN

Keeping in view the COVID situation and the rise in global warming, ‘Kach!ng’ initiated a plantation drive on the 26th of April, 2021. The motto of the event was to make each day - ‘The Earth’s Day’. The entire department was invited to participate in the same and was obliged to sow a sapling in their respective locality, or at their home itself. We are proud to announce that all the members of the society completed this task successfully.

After a prolonged lockdown last year, we all tried to make this year a fruitful year for the students of our department by providing the opportunity to learn and engage in the co-curricular activities from home. All the members of the society with the support of the teachers worked hard to make the events successful. Altogether, the session facilitated learning and enhancement of skills of the students, along with inculcating social and moral values in them.

Teacher In-Charge-  
**Dr Nupur Saboo**

Convener-  
**Ms Misha Sabreen**

# DEPARTMENT OF GEOLOGY

## **Student Council Elections (2020-21)**

The new academic year brought preliminary challenges due to wide spread COVID 19. The time had finally come to transfer the leadership of the Geology department society Terre-X into the worthy hands of the fresh batch.

Aman Gupta, the former President, and Anulekha Prasad, the acting secretary, placed the legacy of Terre-X society in the skilled hands of their successors who were elected by virtual voting held on 24th July 2020. A team of nine office bearers under the leadership of Akash Nair as President was elected for session 2020-2021.

To guide and supervise the society an Advisory Committee was formed consisting of all faculty members.

## **Teachers' Day Celebration**

The foundation of a splendid series of events conducted by Terre-X throughout the academic year was laid by the Teacher's Day Celebration on 5th September 2020. Considering the tough times, a 'Virtual Meet and Greet' was organized on Google Meet platform at 6 PM. The entire ceremony was planned by the newly elected council of Terre-X. All the student members and faculty members of the Geology Department, alongside the venerated alumni, attended the virtual celebration.

The event commenced with a welcome speech by Akash Nair, President of Terre-X. On behalf of all the students, few alumni and final year students shared their cheerful experiences with the faculty and thanked them for being a beautiful steer in times of need. To convey regards to our beloved teachers, students recited a beautiful Sanskrit shloka. A small video was presented which embraced the merry moments of our teachers with the students. The event was concluded with a gratitude speech by a student member of the society.

## **Freshers' Welcome Ceremony**

'Freshers' Welcome' in any college is an event that every student eagerly awaits. 22nd November 2020 was a memorable day for our society as we welcomed the new blood with enthusiasm and laughter. The event was held online through Google Meet and started at 1:00 pm sharp. The program started with the formal welcome of all freshers to the Department of Geology of Ram Lal Anand College and also to the society, Terre-X, by the President Akash Nair. This was followed by the introduction of the faculty members of the department and the office-bearers. The freshers were then invited to introduce themselves one by one.

Once the introductions were over, a virtual tour of the department was given to the new members, acquainting them with the classes and labs. Pictures from previous field trips and events were shown to showcase the kind of work done and to motivate the members to look forward to future activities. The Vice-President Aviral Srivastava proceeded to share the future goals of the society and the department at large along with extending a warm welcome again to the freshers. This concluded the Virtual Freshers Welcome for 2020.

## **Annual Fest VASHANKH'21**

Continuing the legacy of Terre-X students of the Geology Department organized the second edition of the annual fest VASHANKH. This year VASHANKH was organized on 6th and 7th March 2021.

## The Inaugural Ceremony

VASHANKH'21, the two-day fest of Terre-X, the Geological Society of Ram Lal Anand College, University of Delhi was organized from 6th to 7th March 2021. The event began at 11 AM with a 40-minute, long inaugural ceremony conducted via Google Meet.

The inauguration commenced with a formal welcome of the dignitaries and all distinguished participants across the globe. The welcome address by President Akash Nair was followed by a ceremonial procedure of lamp lighting to invoke the blessings of Goddess Saraswati.

Thereafter, it proceeded towards an introduction to the Department of Geology, in which the president befittingly listed the plethora of opportunities, the hands-on experience with laboratory equipment and the extensive knowledge of fieldwork imparted to the students by an experienced faculty. VASHANKH-21 was formally inaugurated by Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta who applauded the society for its enthralling activities. He further went on to remark that the Department of Geology has become the college's flagship department to which all other societies look up to. Towards the end of the ceremony the society president detailed the various competitions to be held under the banner of VASHANKH'21.

## International Webinar Series

As a part of VASANKH'21, an International Webinar Series was conducted by Terre-X on 6th and 7th March 2021, through online platforms, Zoom and YouTube live. The event received more than 500 registrations from different parts of the world, including the United States of America, United Kingdom, Germany, Chile, and Sri Lanka.

### Webinar-1

The first session of the series was conducted on Saturday, 6th March 2021 at 5:00 PM (IST) by Prof. Maurice E. Tucker (School of Earth Sciences, University of Bristol, UK) on the topic: Fossil viruses and the roles of viruses in the Earth Science.

The session began with a welcome speech by President, Akash Nair. Thereafter, Prof. Tucker started the one-hour session by introducing viruses, bacteria and bacteriophages and their significance in the field of geology. He also talked about the experimental precipitation of minerals through viruses and their fossilization.

A twenty-minute question and answer session was conducted after the talk which was moderated by Joint-Secretary of Terre-X, Ms. Gargi Tripathi. The session was concluded by the Treasurer of Terre-X, Ms. Manika Rawal by reciting a Sanskrit shloka praising mountain ranges of India and a vote of thanks by Ms. Gargi Tripathi.

### Webinar-2

The second webinar of the series was conducted on Saturday, 6th March 2021 at 6:30 PM (IST) by Prof. Nigel Hughes (University of California, Riverside) on the topic: Reconstructing the Pre-Collision History of The Himalayan Region and Its Implications for the Himalayan Uplift and Erosion.



Prof. Hughes in his early days was the student of Prof. Maurice Tucker who was the guest of honor of the first webinar of the series. Hence, this initiative of Terre-X became a medium for student-teacher reunion.

The session began with a welcome address by the Social Media Head of Terre-X, Rahul Bhandari. Henceforth, Prof. Nigel Hughes delivered his intriguing talk about ‘Himalayan Uplift and Erosion’. He discussed some of the basic aspects of evolutionary history of the ‘Crown of South Asia’. As the webinar proceeded towards an end, Mr Hughes with the help of research data demonstrated, how 16 Ma years ago, the lower Himalayas were uplifted and thus exposed to erosion.

The talk was followed by a thirty-minute Question and Answer session modulated by the Treasurer of Terre-X, Manika Rawal. The webinar was concluded by Rahul Bhandari with a vote of thanks wherein, he reminded Prof. Hughes of his fond memories of Shanti Niketan.

### Webinar-3

The third session of the webinar series was organized on day two of VASHANKH'21. It was conducted on Sunday, 7th March 2021 at 5:00 PM (IST) by Prof. Ashok Sahni (Professor emeritus, Department of Geology, Panjab University) on the topic: Dinosaurs of India: Dead but Well.

The Social Media Head, Rahul Bhandari started the webinar with a welcome speech and invited Prof. Ashok Sahni. The webinar revolved around dinosaurs that were once present in India. As the webinar proceeded towards its end, Prof. Sahni highlighted some factors which led to the extinction of the dinosaurs and the Cretaceous-Tertiary Mass Extinction. Apart from that, fossils of different dinosaurs like Rajasaurus were presented. The talk was succeeded by a Question-and-Answer session modulated by the Treasurer of Terre-X, Manika Rawal and was concluded by Rahul Bhandari with a vote of thanks.

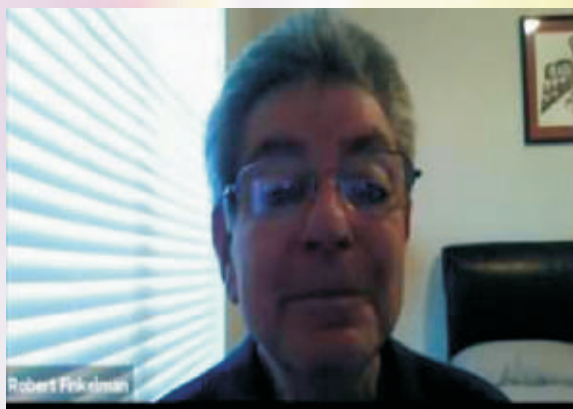
### Webinar-4

The last session of the series was conducted on Sunday, 7th March 2021 at 7:00 PM (IST) by Dr. Robert B. Finkelman (Research Professor, Department of Geosciences, University of Texas, Dallas, USA) on the topic: Prospects of Medical Geology and Health Impacts of Uncontrolled Coal Fires in Jharia Region.

Akash Nair, President of Terre-X started the session by welcoming Dr. Finkelman and the congregation. Dr. Finkelman initiated the talk by connecting geology, environmental science, and public health to a single discipline. Dr. Finkelman addressed that the health and well being of humankind are intimately tied to the quality of air, water, and soil, all of which are influenced by the regional and local geology where a



population resides with the help of several case studies. He also presented the health impacts of uncontrolled coal fires in Jharia region. Dr. Finkelman concluded the talk by mentioning the importance of research in the field of Medical Geology.



The one-hour talk session was followed by a forty-minute question and answer session which was moderated by the Joint secretary of Terre-X, Gargi Tripathi. The session was concluded with gratitude speech by Gargi Tripathi, followed by a Sanskrit Shloka recitation by the Treasurer of Terre-X, Manika Rawal acknowledging the beauty of Indian rivers.

During VASHANKH 2021 various competitions were held such as the quiz, poster making, photography and essay writing. Many students from various colleges/University and Institutes participated in these events.

### Posterozoic-The Poster Presentation Competition

Posterozoic was the poster-presentation competition, hosted during VASHANKH'21. Posters could be made in teams of two or by a student alone and was open to all students of undergraduate and postgraduate programmes in geology across the nation. Cash prizes worth Rs. 3500/- were distributed among the winners.

The posters were to be made on the following topics:

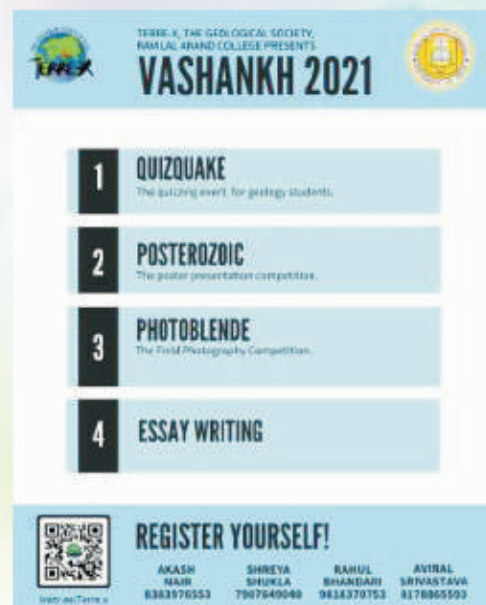
- 1) Geology: The Minuscule That Upholds the Economy
- 2) Space Geology: Distant Yet Near
- 3) The Sixth Mass Extinction: A Possibility

The competition was conducted in two rounds: Preliminary round and Final round. Various universities across India participated enthusiastically, with teams sending in some beautifully made posters on the given topics. Five out of these were then shortlisted, which were to be presented in front of a jury in the final round. The final round was conducted through Google Meet on 7th March 2021. The jury included Dr. Sarbari Nag and Mr. AtishAman, who judged the entries based on visual appeal, creativity and geological content.

The five posters selected for the final round were:

1. Geology: the miniscue that upholds the economy by JyotiJangra.
2. Space geology: distant yet near, by Angelin Mariam Binny.
3. The sixth mass extinction: a possibility by SanjanaKumari
4. Space geology: distant yet near, by J.G. Goukula Krishnan
5. The sixth mass extinction: a possibility by NandiniShahi

The posters were thought-provoking and flawlessly presented by the



participants. Honourable jury members, decided the winners as:

1. Ms. Sanjana Kumari, first position, with her poster on: The sixth mass extinction: a possibility.
2. Ms. Jyoti Jangra, second position, with her poster on Geology: the miniscule that upholds the economy.
3. Ms. Nandini Shahi with her poster on “The sixth mass extinction: a possibility” secured the third position.

### **Photoblende-The Photography Competition**

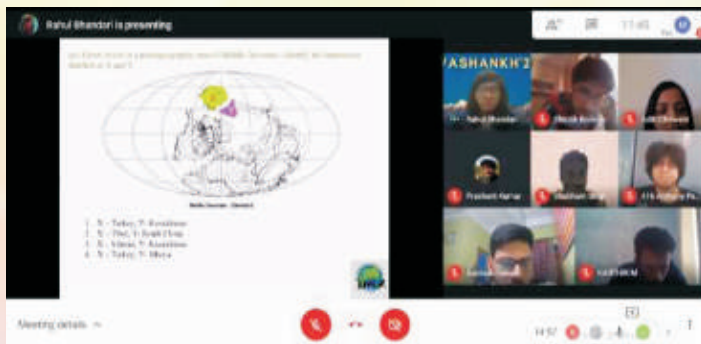
All undergraduate and postgraduate students were eligible for the competition. The photograph and its geological description (location, date of capture and the scale of the photo etc.) were cumulated by Google form, from 28th March to 4th April 2021.

The contest witnessed a zealous participation from numerous colleges across the nation. The judgement criteria were visual appeal judged by Mr. Atish Aman and geological content judged by Dr. Sarbari Nag.

- Ms. Spandita Kundu from JIS University secured 1st position with her picture of systematic joint developed across the quartzite mylonite rock.
- Mr. Dipayan Bhattacharya from JIS University secured 2nd position by sending the picture of superposed folding.
- Ms. Khushi Kamalakar Kadu from Shivaji Science College bagged 3rd position by sending the picture of marble cliffs.

### **Quizquake- The Quiz Competition**

As part of its two-day fest Terre-X organized Quizquake, an online quiz competition. Both undergraduate and postgraduate students from various renowned institutions participated with zest. A total of 22 teams competed against each other in this ultimate test of wit.



The Preliminary stage was conducted on 6th March (Saturday) from 12:00pm to 1:00 pm. Each team of two members attended several questions simultaneously on different Google Meet. More than five google meets were organized hand in hand, modulated by different quizmasters and timekeepers. The preliminary stage comprised of three rounds: Round 1- “Guess the Country”, Round 2- “Multiple Choice Questions” and Round 3- “Rapid Fire Round”.

Points scored by each member of the team was added in the final points table and the result for the first round was computed.

Top five teams from the preliminary stage contended against each other in the Final Stage of Quizquake on 7th March (Sunday) from 11:30am to 1:00pm. It was conducted via Google Meet.

The final stage constituted two rounds viz. the first round or “MCQ round” and the second round or the “Rapid Fire Round”. After a cut-throat competition, the winners were announced in the award ceremony via Google meet.

- Quizquake was won by team Shivaay– Shubham Singh and Nitin Nandan from IIT (ISM) Dhanbad.
- First runner up was team The Terrasours-Vedha Bhasin and Anthony Rozario from St. Xavier’s



College, Mumbai.

Team Amethyst-Shrutik Boricha and Sayali Patil from St. Xavier's College, Mumbai, claimed the title of second runner up.

Cash prizes worth Rs. 6000 were distributed amongst the winners.

### Essay Writing

The essay writing event was conducted for students of class 9th to 12th at a national level. The students were asked to write an essay of 200-250 words on any of the following 2 topics:

1. Early Earths: The Mystery or the Answer
2. Humans: Creators or Destroyers

The essays were collected via Google Forms, from 28th February to 3rd March 2021. The Certificates of Participation were provided to all the participants.

### The Closing Ceremony

VASHANKH'21 the annual fest of TERRE-X, The Geological society of Ram Lal Anand College, University of Delhi officially ended on 7th March 2021 at 8:40 pm (IST). The closing ceremony was held through the online video conferencing platform Zoom.

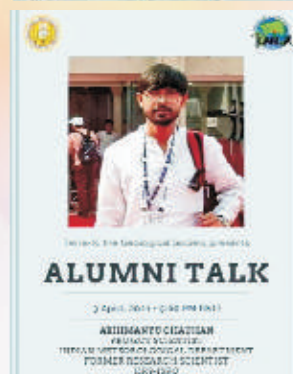
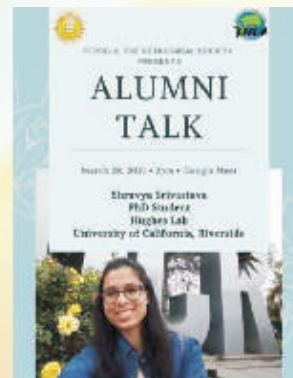
The Vice President Aviral Srivastava of the society concluded the ceremony by extending his gratitude to the Principal Prof. Rakesh Gupta and the esteemed faculty of the department for their constant support and being the backbone of VASHANKH'21. Finally, the Vice President proposed the vote of thanks to the audience and VASHANKH'21 the online fest of Terre-X officially came to an end.

### Alumni Talk

Two B.Sc. (Hons) Geology alumni talks took place under the banner of Terre-X this year. Owing to the pandemic, these talks were held virtually via Google Meet.

Shravya Srivastava (batch 2014-2017), who is currently pursuing PhD at the Hughes Lab, Earth and Planetary Sciences, University of California, Riverside, U.S.A. interacted with current students, sharing her experience during college days and her journey from RLAC to University of California USA. Ms. Shravya talked briefly about her current research concerning the Paleozoic marine life of trilobites under which she is attempting to put morphological variations of North American trilobites in the context of sequence stratigraphy to test different hypothesis on the effects of deposition history on morphological variability and phylogenetic ancestry of trilobites. The talk was followed by a small interactive session and many students put forth their questions regarding the subject matter to Shravya. The talk ended with a vote of thanks from Gargi Tripathi, Joint Secretary of Terre-X.

Abhimanyu Chauhan from the batch of 2009-12, who is currently working as a project scientist in the Indian Meteorological Department talked about his time during his college days and how his decisions impacted his life in the long run. He talked about the reasons for choosing Geology as his subject and how it influenced his life. He also shared his first internship experience and the amount of workload they had doing those things. He told the current students to not lose hope in these tough times and be focused on the future. He shared his past work experience with



ISRO and the multiple projects he handled there. He taught the students how to use the Bhuvan portal which was made possible by the efforts of ISRO scientists. Apart from imparting knowledge about Remote Sensing as a profession, various other geology professions were also touched upon by Mr. Abhimanyu. The talk was followed by an hour-long interactive session in which students asked him about his life and his achievements. Towards the end, Abhimanyu lauded the efforts of his teachers mainly Dr. Prabhas Kumar Pande and Dr. Sarbari Nag for never losing faith in him and inspiring him to be the best at whatever he turns his mind to.

## World Environment Day

05th June 2021

On the occasion of World Environment Day, Terre-X, the Geological Society organised a talk on 'What can I do for the environment in the Anthropocene?' by Prof. Bharat Dahiya on the occasion of World Environment Day 2021.

Prof. Bharat Dahiya is an Extraordinary Professor at the School of Public Leadership, Stellenbosch University (dubbed as the 'Harvard of Africa'), Stellenbosch, South Africa, and a Distinguished Professor at Urban Youth Academy, Seoul, Republic of Korea. He is also a Founding Board Member of the recently launched World Smart Cities Economic Development

Commission under the World Business Angels Investment Forum, Miami, USA.



## Students Awards and Achievements



Ms. Kastur Parida final year student of B.Sc. (Hons) Geology, Ram Lal Anand College secured highest marks in the University of Delhi in Geology. She was awarded the University Gold Medal and certificate in the 97th Convocation ceremony which was held on 27th February 2021.

To promote the geosciences, the American Association of Petroleum Geologists Foundation (AAPG) distributes grants every year for several activities that support the preservation of data, training and career enhancement for current and future geoscientists. The AAPG Foundation's L. Austin Weeks Undergraduate Grant program annually awards deserving undergraduate level geoscience students and student-led geoscience associations with \$500 grants. In the Academic year 2020-21 two students of B.Sc. (Hons.) Geology got selected as a grant recipient for the 2021 L. Austin Weeks Undergraduate Grant Program.



Mr. Akash Nair (IIIrd Year)



Ms. Jyoti Jangra (IIInd Year)

## भारतीय अनुवाद परिषद

गत वर्ष की भांति भारतीय अनुवाद परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 23 जनवरी 2021 को महाविद्यालय में अनुवाद पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया। जिसमें 30 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया। 30 घंटे का यह पाठ्यक्रम डॉ. नीलम ऋषि कल्प (हिन्दी विभाग) के संयोजन में सम्पन्न हुआ। कॉलिज के लिए गर्व का विषय है कि कोरोना संक्रमण काल में यह पाठ्यक्रम जी मीट क्लास के द्वारा 25 मार्च 2021 को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस वर्ष के पाठ्यक्रम का मुख्य आकर्षण यह रहा कि पाठ्यक्रम की समाप्ति पर 27 मार्च 2021 को विद्यार्थियों को 8 सप्ताह का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का अवसर और 2000 नकद की घोषणा की गई जिसमें पांच विद्यार्थियों को नामांकित किया गया।

रिपोर्ट—डॉ. नीलम ऋषि कल्प  
संयोजक—अनुवाद पाठ्यक्रम  
रामलाल आनन्द महाविद्यालय

**राम लाल आनंद महाविद्यालय**  
**दिल्ली विश्वविद्यालय**




**एवम्**

**भारतीय अनुवाद परिषद**

के संयुक्त तत्वाधान में अनुवाद  
प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

**उद्घाटन समारोह**

**मुख्य अतिथि प्रो. पूरन चंद टंडन**

दिनांक : 23 जनवरी 2021  
समय : 11 बजे  
स्थान : जूम मीटिंग

**आ प स भी आ मं त्रि त हैं**

प्राचार्य  
डॉ. राकेश कुमार गुप्ता

संयोजक  
डॉ. नीलम ऋषिकल्प

# DEPARTMENT OF HISTORY

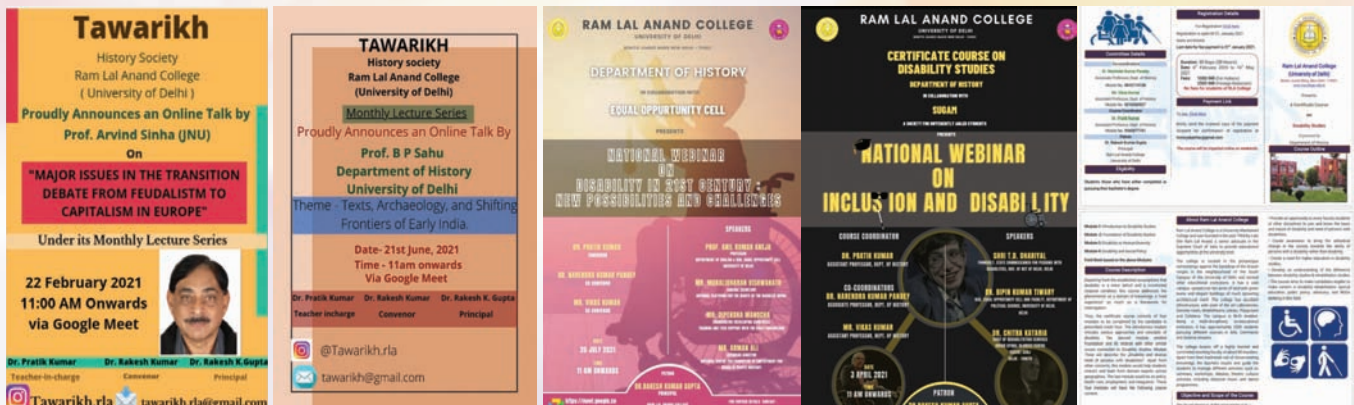
The academic year 2020-2021 will forever be remembered for the shift to remote learning from the month of March 2020 due to the outbreak of the COVID-19 pandemic. When the novel Coronavirus was declared a pandemic by the World Health Organization, the department in consultation with the guidelines issued by the University of Delhi switched to virtual teaching. The department follows a dedicated academic calendar which includes different activities like webinars/seminars, panel discussion, monthly lecture series, heritage walks, talk, tours, and trips to historical places. However, most departmental activities were conducted online.

The online induction program was organised at the level of the department for all first-year students on 18th November 2020. The program was intended to familiarize students with the departmental calendar, rules of internal assessment, and other important facilities available in the department. Several new initiatives were taken up during this historic year with digital transformation in teaching and learning. The Department started a certificate course in Disability Studies wherein, more than a hundred students, research scholars, and faculties participated from different universities and colleges of India.

One of the major achievements of the department in the year 2020-21 is the starting of the monthly lecture series from February 2021 under the banner of a departmental society named 'Tawarikh'. Under this series, the inaugural lecture was delivered by Prof. Arvind Sinha, Retired Professor, Center for Historical Studies, School of Social Science, JNU New Delhi on 'Major Issues in the Transition Debate from Feudalism to Capitalism in Europe' on February 22, 2021. In the same series Prof. B.P. Sahu, Professor, Department of History, University of Delhi spoke on 'Texts, Archaeology and Shifting Frontiers of Early India' on June 21, 2021. The lectures were very informative and provided the participants with enormous knowledge of European history and Early India. The department has used a digital platform to organise a national webinar in collaboration with 'Sugam' (a college Society for differently-abled students) on 'Inclusion and Disability on 3rd April 2021. Shri. T.D. Dhariyal, Formerly, State Commissioner for Person with Disabilities, Government of NCT of Delhi, Delhi; Dr. Bipin Kumar Tiwary, OSD, Equal Opportunity Cell, University of Delhi and Faculty at Department of Political Science, University of Delhi and Dr. Chitra Kataria, Chief at Rehabilitation Services, Indian Spinal Injuries Center, Vasant Kunj, New Delhi had delivered lectures on their areas of specialization. The department has also organized a virtual national webinar in collaboration with college Equal Opportunity Cell on 'Disability in 21st Century: New Possibilities and Challenges' held on July 25, 2021.

Faculty members counseled students one to one in the pandemic times to address their concerns under the mentorship scheme and it helped many students to overcome their psychological/emotional predicaments. Remedial interaction, on the other hand, was also conducted to help students to refine their understanding of concepts and perspectives.

**Dr. Pratik Kumar (TIC)**  
Assistant Professor



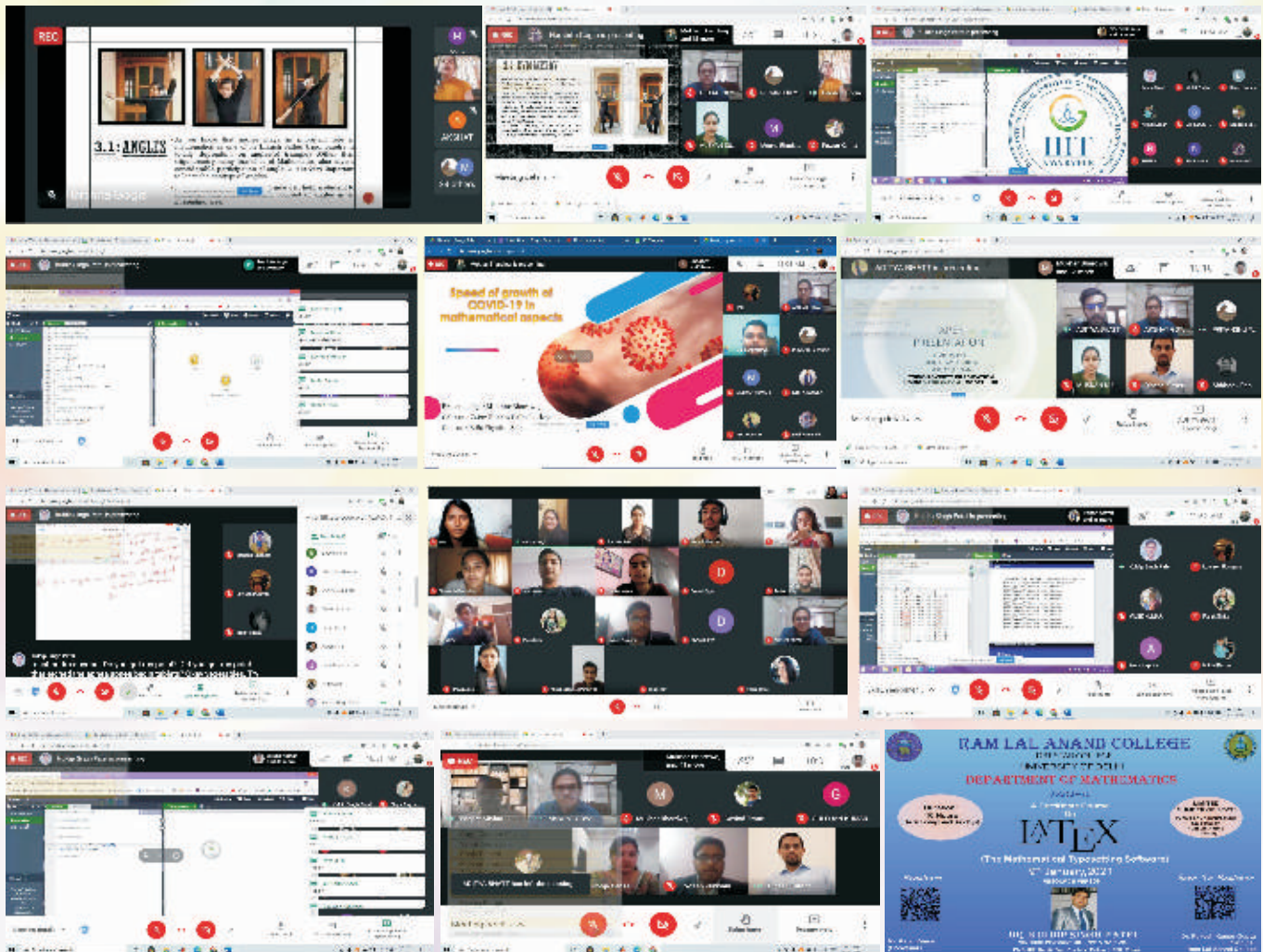
# DEPARTMENT OF MATHEMATICS

Department of Mathematics is one of the newest Departments of Ram Lal Anand College, being introduced in 2017 and since, has never stopped moving forward. The Department always aims toward pursuing activities enhancing interest in Mathematics and in the creative expression of mathematical ideas among students under the mentorship of teachers along with the interaction of eminent personalities of the teaching field and industries. The basic idea is to inculcate not only intellect and creativity among the students but also to make them realize their field of interest which plays an important role for becoming a productive member of the society.

In recent years, the Department of Mathematics has organized a skill enhancement Certificate Course on the topic “LaTeX: The Mathematical Typesetting Software” for all Ram Lal Anand College students. It has been completed successfully through online mode from 9th January to 21st February 2021 by the resource person Dr. Kuldip Singh Patel from the Department of Mathematics IIIT (International Institute of Information Technology), Naya Raipur, Chhattisgarh.

The Mathematics Society “Infinity” organizes the annual mathematical fest “IMPLOSION” every year and this year, “IMPLOSION 2021” was organized.

Mr. Kapil Kumar



# DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

2020-21 academic session was certainly the most challenging one due to the global pandemic and the department tried to innovate accordingly. As across the world, virtual space redefined scores of things, similarly the academic pursuits also changed course.

Political Science department in collaboration with Law Department, BPS Mahila Vishwavidyalaya began the session with a five day E-Workshop on the theme 'Research Methodology and Data Handling'. Faculties and students from various institutions participated and contributed towards shared learning from 28th May to 1st June 2020.

An e-symposium on the theme 'Urban & Rural Governance: Issues and Challenges' was organized jointly by the Political Science Dept, RLAC and Adamas University, Kolkata on June 13th 2020. A wide ranging discussion followed the keynote address delivered by the eminent speaker. Students were aptly taken through the journey of the way the concept of governance evolved over the last few decades and especially what has come to shape our wider understandings of urban and rural governance specifically with regards to migrations, urbanization and sustainable development.

Building on this strong foundation, the department organized the next event with more collaboration. From 21st Sept to 27th Sept the department in collaboration with Teaching Learning Centre, Centre for Human Rights Studies & Dept of Political Science, Ramanujan College, DU organized a weeklong Faculty Development Programme under the flagship programme of Ministry of Education, Govt of India titled 'Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching'. The FDP was focused on the core theme of 'Transforming Governance in India: Issues and Concerns'. Eminent academicians, experts and specialists from various backgrounds addressed multiple sessions and a very large number of faculties and scholars participated in various discussions and academic activities for the whole week. A truly interdisciplinary event it turned out to be hugely successful with accolades flowing in from various quarters.

To cater to the growing demands for learning soft skills by the students, the department organized a three months long Certificate Course titled 'Training on Experiential Learning & Soft Skills Development in



**Ram Lal Anand College**  
(University of Delhi)  
Department of Political Science  
collaboration with Intra-Minister Activities

**Webinars**  
On  
**Understanding Gender in International Relations (IR)**  
8th of March 2021 at 11 AM to 12PM IST

Click Here for Registration  
Notes & certificate will be provided to all participants.

Prof. Sheetal Sharma  
Centre for European Studies,  
DL, Jawaharlal Nehru University (JNU)

Dr. Sheela P. Paul  
Coordinator (9711871811)

Dr. Triranjana Raj  
Institution Development Coordinator

Dr. Kshama Sharma  
Teacher in Charge

Prof. Rajesh Kumar Jaiswal  
Chairman

**Ram Lal Anand College**  
University of Delhi  
Department of Political Science  
and  
BPS Mahila Vishwavidyalaya  
Department of Laws

Jointly Organize  
Five Days e-Workshop  
On  
**"Research Methodology and Data Handling"**  
28 May - 1 June 2020  
Time: 11:00am

Link for Registration: <https://forms.gle/2Hf5Wz9n75eCz528>  
Meeting URL: <https://meet.google.com/Tm-8m-0m>  
For e-certificates, please contact Dr Malhi Yadav on 9910041210 or [malhiyadav01@gmail.com](mailto:malhiyadav01@gmail.com)

Prof. Rohini K. Gupta  
PRINCIPAL  
Ram Lal Anand College

Dr. Malhi Yadav  
Department of Political Science  
Convener

Chief Justice  
Prof. Sachina  
Yadava  
Hon'ble Vice  
Chancellor, BPSMV

Dr. Rajesh Kulkarni  
Convener, Department of Laws

Policy Sciences' from 2nd Nov 2020 to 31st Jan 2021. Students enthusiastically participated in this co-curricular programme and gained immensely in terms of preparing for their future pursuits and endeavours. The course aimed to train students towards the growing professional requirements and also tried to focus on inculcating the much required soft skills like innovative thinking, problem management, stress and emotional management, leadership, team work, communication, etc.

A four-day undergraduate bilingual symposium titled 'What is Politics: Theorizing the Political 'राजनीति एवं राजनैतिक का सैद्धांतिकरण' was organized from 21st to 24th Dec 2020 specifically keeping in focus the requirements of the new students who joined department in the 2020-21 session. As these students began their university life through online classes so this webinar tried to give them ample opportunity to learn about the foundations of the discipline through bilingual interactive sessions.

The department has always been keen to make students participate in research activities. Due to the limit this year of activities confined to only the virtual space, the department innovated by engaging students to do web based research on the thematic of 'Environment, Development & Democracy 'पर्यावरण विकास एवं लोकतंत्र'. A large number of students formed their own virtual research teams and deliberated on the choice of topics and issues. After days of focused research finally on 25th Feb 2021 the students presented their findings in the symposium organized on the same thematic. Case studies on Assam Floods, Aarey Forests (Mumbai), Uttarakhand ecological disasters, Bhopal Gas Tragedy, Yamuna pollution, Ghazipur landfill site, Mitti Bachao Aandolan, Water Crisis in Gurgaon, Agrarian crisis, Nuclear Plants were thoroughly debated, discussed and analyzed by students in the daylong symposium. Students also prepared short films, slogans, poems etc to generate awareness among the youth on the grave issues related to the themes.

**RAM LAL ANAND COLLEGE**  
DBT STAR COLLEGE  
UNIVERSITY OF DELHI

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE  
organises  
**CERTIFICATE COURSE**  
on  
**TRAINING ON EXPERIENTIAL LEARNING AND  
SOFT SKILLS DEVELOPMENT IN POLICY SCIENCES**  
for the students of  
B.A. (Honours) POLITICAL SCIENCE III YEAR  
from  
2nd NOVEMBER, 2020 - 31st JANUARY, 2021

The department dutifully regularly designs events and programmes around gender based issues and concerns. This year on International Women's Day on 8th March 2021, the department organized a keynote lecture by Prof. Sheetal Sharma from the Centre for European Studies, Jawaharlal Nehru University. She spoke at length on the topic 'Understanding Gender in International Relations'. As needful the theme encouraged students and faculty members to interact on various sub-themes and many debatable queries were discussed threadbare.

**Dr. Kshama Sharma**, Head of the Dept  
**Dr. Triranjana Raj**, Function Convenor

# YOGA AND MEDITATION SOCIETY

Yoga has far reaching benefits on our physical, mental and spiritual well-being. COVID-19 has posed special challenges for students and faculty in 2020-21. A number of activities were organized in this session.

Yoga and Meditation Society organized One Month Online Yoga Workshop from 1st- 30th June 2020 in association with Shri Yog Pragati. Workshop included regular yoga classes from 8:00-9:00 am every day in which live demonstration was conducted by expert yoga instructor Sh. Deepak Saini and his team consisting of Mr. Shishir Pokhriyal and Mr. Rahul Bhadotiya. Meditation sessions were conducted every Saturday and Yog Nidra sessions were also conducted on Saturdays by Mr. Rahul Bhadotiya. As a part of this workshop interactive lecture sessions on Yoga, lifestyle diseases, Ayurveda and its benefits, were also held from time to time. The aim of the workshop was to spread the importance of Yoga and meditation to keep ourselves healthy and prevent life style diseases. Following students were awarded best performer certificate in this workshop.

Anuj Gupta, B.A. (Prog) II Sem – Best performer (Male)

Pradeep Singh, B.A. (Prog) II Sem – 2nd Best performer (Male)

Avinash Kumar Kuldeep, B.Sc. (H) Mathematics IV Sem – 3rd Best Performer (Male)

Princi Tiwari, B.A. (H) History IV Sem - Best performer (Female)

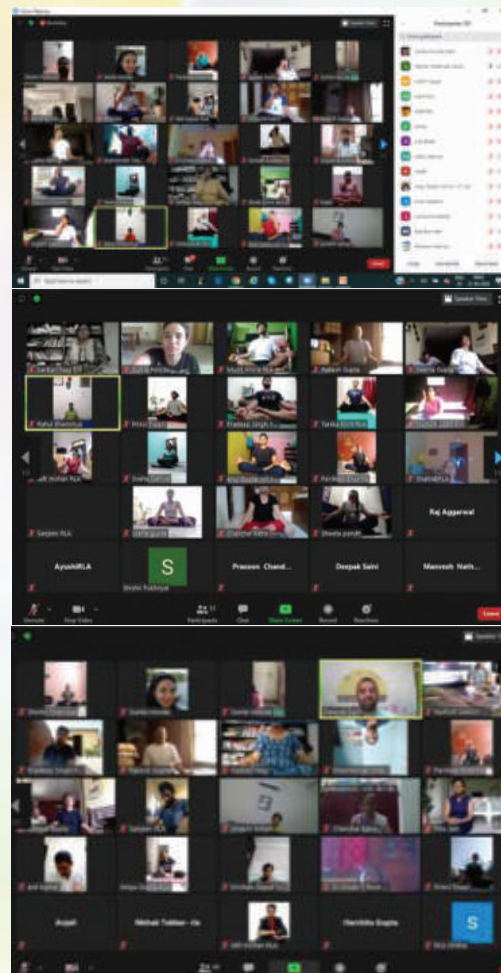
Tanika Bisht, B.Sc. (H) Statistics VI Sem -2nd Best performer (Female)

Sneha Dahiya, B.Sc. (H) Statistics II Sem – 3rd Best performer (Female)

Cash prizes of Rs. 800 and 500 were given to best and 2nd best performer respectively in both categories.

## The resource persons in this workshop were:

1. Dr. Ajay Shashtri, Associate Professor (Yoga), Jawahar Lal Nehru University, 5th June 2020 (8-9 am)
2. Dr. Tarak Nath Pramanik, Associate Professor, I.G.I.P.E.S.S (D.U), 28th June 2020
3. Dr. Brijesh Singh, Yoga Expert at CSIR-TKDL, New Delhi, (PhD in Yoga, MSc in Yoga and Holistic Health, BSc in Yoga and Psychology, 19th June and 21st June 2020)







4. Krishan Kumar Garg, 2 time Asian gold medalist and 18 time National gold medallist in Yoga, 30th June 2020

A special one hour Yoga session was conducted on 21st June 2020, 8:00 am- 9:00 am on the occasion of 6th International Yoga Day. A total of 140 participants took active part in the event which included students, teaching as well as non-teaching staff and their family members.

A national level “Live yoga asana & quiz competition” was organized between 25-28th June 2020 in association with Shri Yog Pragati and technical support was provided by the State Yoga Sports Association, Delhi. The competition was organised in three rounds: Round 1- video audition round, Round 2- live asana presentation and Round 3- quiz competition. A total of 29 students participated in this competition. Top 2 in each category were awarded cash Prize; 1st Prize, Rs. 2000/- and 2nd Prize, Rs. 1000/- in each category. The competition was judged by Mr. Deepak Saini, Mr. Shishir Pokriyal, Mr. Rahul Bhadotiya, Ms. Shalu and Mr. Ravi Bhairwa.

Regular Yoga classes are going on from 1st July 2020 till now. In addition, a team of students is also being trained by the experienced Yoga Instructors for various inter college competitions at the state level.

Time to time various other sessions on yoga and wellness were conducted.

1. Dr Shaista Khan, Ayurveda Acharya Holistic science therapist, Course Director of VATTC, 30 July, 2020)
2. Dr Manish Goyal, Naturopathy (17th Oct 2020)
3. Dr Rohini Rana, Naturopathy, Ayurveda, Acupressure, Dietician, Yoga expert (20th Feb 2021)

A total of 200 students and 42 teachers have benefitted from the yoga classes conducted in this period.

**Dr. Sunila,**  
Convener, Yoga and Meditation Society

# B.A PROGRAM

SERENITY Society (B.A. Program) tried its best to beat the pandemic blues during the year 2020-21. Office bearers of the society were nominated in the month of October and following students took responsibility,

- President - Nancy Dabas
- Vice - President - Kapil Meena
- Secretary - Archit Dhama
- Joint secretary - Arpit

Members conducted a meeting with the newly admitted students to welcome them in the department, to introduce them to the teachers & office bearers, to clear their doubts & to give them insights into various aspects related to studies. The society conducted a webinar in collaboration with Department of Economics on the topic 'Understanding Union Budget' on 11th February at 3 p.m.

The session speaker was Dr. Anil Kumar, Associate Professor, SRCC, University of Delhi. At the end of the session, questions were put up by the students which were cleared by Dr. Anil Kumar.

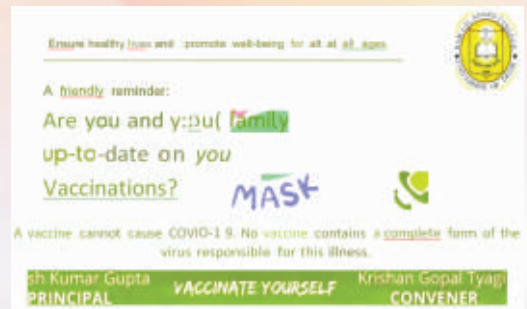


B.A Program Committee of Ram Lal Anand College also conducted a certificate course “Full Stack Web Developing & Hosting”. The course was organized for the technical development of the students via virtual interactive learning platform. Some of the useful programming languages were taught by the academic professionals to provide the students exposure to the world of Web Development. By the completion of this course students can use lots of tools and start an endless journey in the World of Web.

This course was open for students of every department. A total of 53 students learnt coding from the professionals. A health drive was also started by the B.A. Program Society Serenity to advice & encourage the students to wear mask, stay safe & vaccinate themselves & their loved ones.



**Nancy Dabas**  
B.A. Program 3rd year  
President



# DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION

Physical education is defined as “education through the physical”. It aims to develop one’s physical competence and knowledge of movement and safety, and their ability to use these to perform in a wide range of activities associated with the development of an active and overall healthy lifestyle.

Games and sports play a prominent role in all round development of a student’s life. Along with traditional academic pursuit, students should spend time engaging in games and sports too.

A curriculum which reflects physical education as a subject would be an additional benefit to the student in their future endeavours.

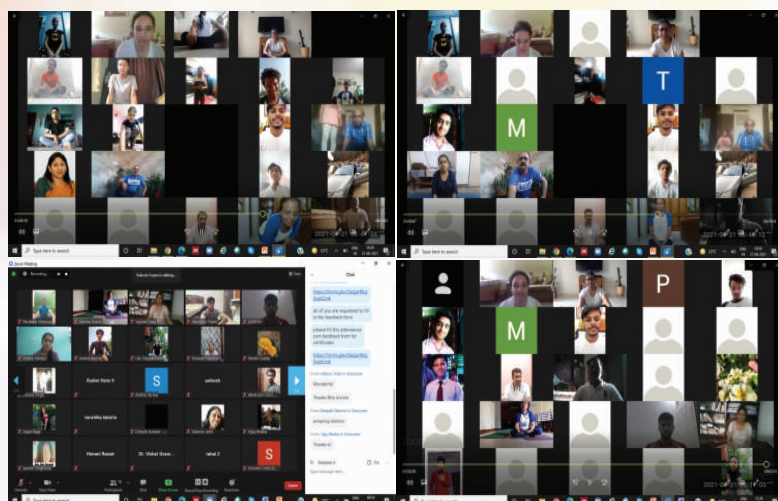
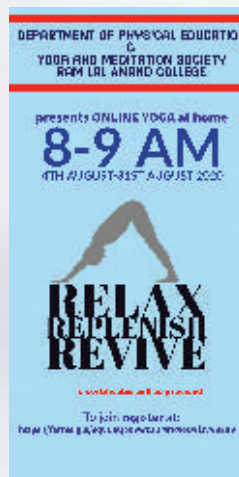
During COVID -19 outbreak, the whole world faced many challenges, and, cognitive problems were faced by people as well as the institutions. The Department of Physical Education and Sports of Ram Lal Anand College empowers itself with rich and wide curriculum and activities. Teacher of Physical Education should be considered as essential health professionals during this pandemic period because they can give their guidance in the field of physical health and use their expertise for societal benefits towards healthy India.

Considering the concept of being “physically fit” in the pandemic session, Yoga classes were organised and conducted since 1st July 2020 and is still in progress. These classes are not only for students but even for the staff (teaching or non-teaching) to help cope with the health issues pertaining to pandemic.

During this ongoing Covid-19 pandemic and to live through this lockdown period, Yoga is one of the best things to adopt as a lifestyle habit. It also helps us build a strong physical, mental and spiritual health system.

To update the staff about the lifestyle and weight management as well as nutrition and immunity as an important tool for overall health, Ram Lal Anand College’s Department of Physical Education in Association with Internal Quality Assurance Cell (IQAC) organised a two day interactive webinar on 23rd June and 24th June 2020, which was very informative and fruitful.

The webinar was very effective and beneficial where Dr. Rakesh Tomar discussed about various parameters related to health and importance of physical education in a broad spectrum.



## Conclusion

In a nut shell, we all should consider physical education as a field of expertise which can be used for the prevention of and coping with the pandemic. It has also been proved in many researches that person with co morbidities have higher risk of mortality than a fit one. And fitness can be achieved only by physical education and its implications.

Dr. Pradeep Kumar  
Teacher-in- charge

## समदृष्टि और सृजन पत्रिका

‘समदृष्टि’ और ‘सृजन’ भित्ति पत्रिका छात्रों की रचनाशीलता एवं सक्रियता का जीता जागता प्रमाण है। ‘समदृष्टि’ और ‘सृजन’ पत्रिका के 2020 –21 सत्र में कोरोना काल में भी ऑनलाईन अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वार्षिक पत्रिका के संपादन मण्डल के लिए महाविद्यालय के विभिन्न विभागों से विद्यार्थियों ने अपनी रूचि और रचनात्मकता के अनुरूप अपनी रचनाएं भेजी। सम्पादकीय मण्डल में विद्यार्थियों का चयन लेखन, रचनात्मकता और भाषा के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर किया गया। ‘समदृष्टि’ और ‘सृजन’ पत्रिका द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर के भाग लिया। समदृष्टि समिति ने स्वच्छता, विश्वशांति, आजादी का अमृत महोत्सव, पर्यावरण और जीवन आदि विषयों पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों की चित्रकला, कलात्मक लाघव, भावमयता, कल्पनात्मकता और विचार बोध के नए-नए रचनात्मक प्रयास सामने आए। श्रेष्ठता के आधार पर इन चित्रकृतियों को ‘समदृष्टि’ 2021 के मुख पृष्ठ एवं अन्य महत्वपूर्ण पृष्ठों में स्थान दिया गया है। इस प्रतियोगिता में क्रमशः कुलदीप-बी. ए. ऑनर्स हिंदी, तृतीय वर्ष, विककी कार बी.ए. ऑनर्स इतिहास, तृतीय वर्ष और प्रीति सिंह बी.ए. ऑनर्स हिंदी, द्वितीय वर्ष प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। अन्य अनेक प्रतिभागियों की चित्रकृति भी उत्प्रेरक व प्रशंसनीय थी।

शहीद दिवस के अवसर पर दिनांक 15 मार्च 2021 को गीत लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय ‘राष्ट्रप्रेम, त्याग और बलिदान की भावना’ रखा गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों से 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में 3 श्रेष्ठ रचनाओं को प्रमाण-पत्र और धन राशि से पुरस्कृत किया गया व अन्य सभी प्रतिभागियों का प्रमाण-पत्र द्वारा उत्साहवर्धन किया गया।

गीत लेखन प्रतियोगिता में निम्न विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया:

1. प्रथम स्थान: अंजलि, हिंदी विशेष, द्वितीय वर्ष
2. द्वितीय स्थान: श्वेता पंडित, हिंदी विशेष, द्वितीय वर्ष
3. तृतीय स्थान: विद्यासागर, हिंदी विशेष, द्वितीय वर्ष

इसी क्रम में कविता प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार—हिमांशु (बी.ए. ऑनर्स हिंदी द्वितीय वर्ष), द्वितीय पुरस्कार—सचिन चौहान (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष) और तृतीय पुरस्कार—गीतू कत्याल (बीजेएमसी, द्वितीय वर्ष) ने प्राप्त किया। इस प्रकार ‘समदृष्टि’ पत्रिका छात्रों की रचनाशीलता और शिक्षार्जन एवं सक्रियता का प्रेरणा स्रोत है।



गीतू कात्याल  
बी.जी.एम.सी, द्वितीय वर्ष

## DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY

The Department of Microbiology (henceforth, the department) walked into the 31st year of its establishment at Ram Lal Anand College. During the Academic year 2020-2021, the department continued its long legacy to innovatively enshrine knowledge and ignite critical scientific thinking among students. In its second year of recognition under the Star College Scheme of the Department of Biotechnology, Government of India, the department organised online summer internship programs which benefited many students who were actively involved in this internship. Department has been running grants of about 80 lacs under the able leadership of Prof. Perna Diwan and Prof. Rakesh Kumar Gupta. Prof. Vandana Gupta was conferred with “International Distinguished Women Scientist award” for superior performance in Microbiology conferred by Center for Professional Advancement, Vijayawada, Andhra Pradesh.

**Owing to the ongoing COVID-19 pandemic, many online events were organised by the department:**

1. An Alumni lecture (July 3rd 2020), where Dr. Prateek Arora (Batch 2011) Postdoctoral fellow at University of Bern delivered a talk on “Polarity establishment in the developing zebrafish epidermis” and also counseled the students on different career options.
2. An online departmental orientation (18th November 2020) to orient the new students about the program and various activities of the department.
3. Two certificate courses under the co-ordinatorship of Prof. Perna Diwan and Dr. Shalini Swami: A 30 hrs course on ‘Scientific Writing & Research Ethics’ (13th July to 7th August 2020 ) to equip the students with the crucial aspect of communicating science and a 40 hour online course on ‘Python in Biological Sciences’ (16th January to 11th April 2021) with participation of around 70 and 32 students across different universities respectively.
4. Prof. Vandana Gupta initiated a social outreach campaign UDISHA: An HPV Vaccination Initiative in January 2021, which aims to create awareness about Human Papillomavirus, which causes 6 types of cancers and the vaccines available. Anurag Singh (3rd yr) and Abhilash Jeas George (2nd yr) are the members of the core team.
5. E-poster making competition on the topic ‘Recent Advances in SARS-CoV-2: Prophylaxis/ Therapeutics/ Diagnosis’ was conducted on 28th January 2021. Saumya Samridhi (RLAC) won this competition.
6. A two days National Workshop entitled “Molecular Docking in Drug Design” held on 31st March and 1st April 2021 on using bioinformatics softwares: InstaDOCK and SeeSAR. The webinar was delivered by Dr. Imtiyaz Hassan, Assistant Professor at Jamia Millia Islamia and Dr. Girinath Pillai, Director and Chief Scientific Officer at Zastru Innovations. The program was attended by 216 participants on Day 1, and 233 on Day 2 including students and faculty members from different universities across the country. All the participants were also provided with a two-week academic license of SeeSAR.
7. One week Faculty Development Program under the convenership of Dr. Salome John entitled ‘Biosafety, Bioethics and IPR’ (August 24th to 28th, 2020) with learned speakers from India and abroad. This FDP aimed to orient the faculty towards guidelines for biosafety, GMO research, radiation safety, and protection of IPR through patenting.

8. NIPGR and THSTI organised a webinar series for our students under the ‘Science Setu’ program. Scientists from NIPGR including Dr. Gitanjali Yadav, Dr. Manoj Prasad, Dr. Senthil-Kumar Muthappa, Dr. Aashish Ranjan, Dr. Senjuti Sinharoy, and Dr. Gopaljee Jha delivered talks on different aspects of plant sciences. Dr. Krishnamohan Atmakuri, Dr. Amit Pandey, and Dr. Rajesh Kumar from THSTI delivered talks on ‘Disease biology and innovative molecular intervention strategies’.
9. Articles, review papers and book chapters written by students of the department found space in International journals of repute and other international print. Anurag Singh, Bhawna Sharma, Fardeen Shahanshah, Simran Preet Kaur worked on different aspects of COVID-19. Anushka Sharma, Anurag Singh, Lalit Mohan, Priya Bhatia, Shreya Kapoor, Simran Preet Kaur, Tanya Srivastava worked on chapters highlighting the Industrial Applications of Soil Microbes. While Priya Bhatia, Anushka Sharma, Abhilash Jeas George, D Anvitha, Pragya Kumar worked on antibacterial activity of medicinal plants against ESKAPE pathogens.

**Students participated in various intercollege, national and international events as listed below and brought laurels to the department.**

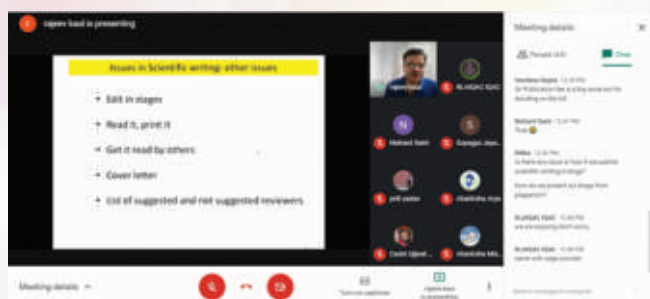
1. Nikhil Gupta was awarded an Inspire Scholarship under Scholarship for Higher Education (SHE) and Chanuka Nisalanka Wijewardana was awarded the Nehru memorial scholarship scheme for international students by Indian Council for Cultural Relations (ICCR).
2. Pritika Baranwal was shortlisted for presenting the idea in ‘Nature Hack For Clean Air Hackathon’ organized by Clean Air Asia India.
3. Priya Bhatia was awarded “Best Speaker” for National Level Microbiopodium Contest organized by



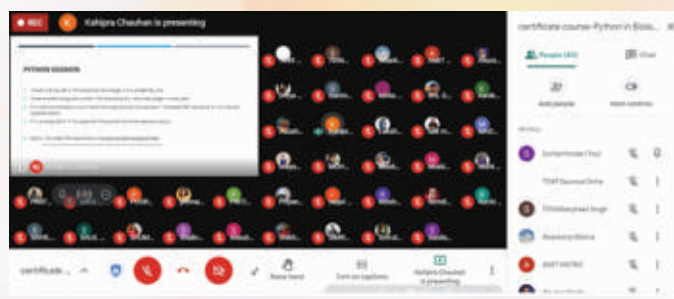
Day 1 of a two day National Workshop entitled “Molecular Docking in Drug Design”



Day 2 of a two day National Workshop entitled “Molecular Docking in Drug Design”



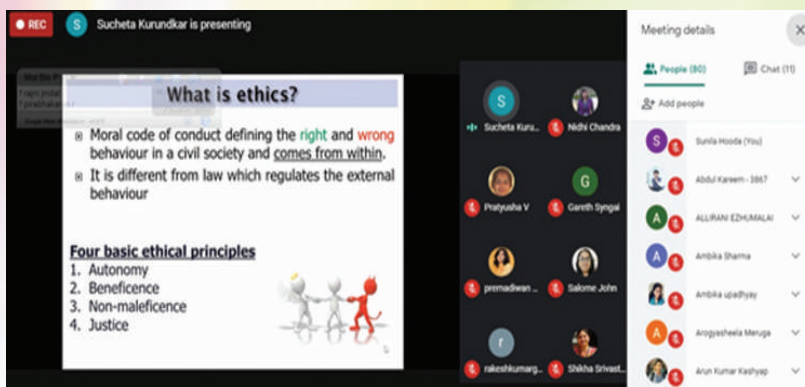
Certificate course on ‘Science Writing & Research Ethics’



Certificate course on Python in Biological Sciences

Government Institute of Science Aurangabad.

4. Poorvi Saini and Ananya Grewal presented a poster entitled 'In Silico approach for identification of potential plastic degrading bacteria' in an International conference "The World Microbe Forum 2021" organized online by ASM and FEMS on 27th June 2021.

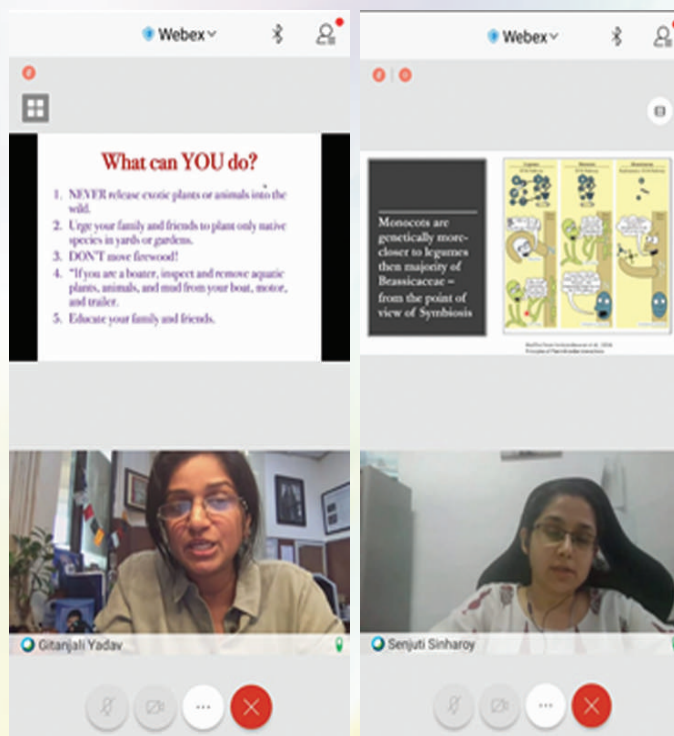


FDP on 'Biosafety, Bioethics and IPR'

5. Anchal Dhiman secured 2nd position in a Quiz competition organised by Rotary club of DSC; 3rd Position in Micro-Quiz organized by MSI; and winner of the Brain Over Binge competition organized by Kirori Mal College.

6. Saloni Jain secured 2nd rank in MICRO-QUIZ, organised by MSI- Delhi Unit; 1st position in Microgrid Crossword series organised by MSI- Delhi Unit; and 2nd position for Poster Making Competition organised by Department of Microbiology, IHE.

7. Anurag Singh secured 2nd position in Crossword organized by Department of Microbiology, BCAS; 1st position in a mini clip competition and 2nd position in a scientific Pictionary competition organized by the Department of Microbiology, Gargi College. He also secured 3rd position in "Trade Station" event organised by the Department of Mathematics, RLAC.



Dr. Yadav and Dr Sinharoy in the webinar organised by NIPGR under Science Setu program.

8. Saumya Samridhi secured 2nd position in Sanrachna - The storytelling competition organized by NSS, RLAC.
9. Harmeet Singh Wadhwa secured 2nd position in the Doodle competition organised by Department of Microbiology, BCAS.
10. Ujjwal Sharma, D. Anvitha, and Shubhag Singh have excelled in various extracurricular activities.

Report Prepared by-**Prof. Vandana Gupta**,  
Teacher Incharge

**Anurag Singh**  
(BSc. Hons. Microbiology, 3rd year)

# NATIONAL CADET CORPS

## National Conference on Role of NCC in National Integration (17th & 18th Oct, 2020)

Ram Lal Anand College NCC organised an Online National Conference on the "Role of NCC in National Integration." It was a proud moment for the college. The Key Speakers included some of the highly decorated officers from the armed forces:



*PROF. (DR) RAKESH KR. GUPTA ,PRINCIPAL  
INAUGURATED THE NATIONAL CONFERENCE*



*HONORABLE LT GEN. SATISH DUA*



*AIR MARSHAL NARESH VERMA*



*MAJ. GEN VIKRAM DOGRA*



*MAJ. GEN DILAWAR SINGH*



*COL SONAM WANGCHUK (MVC)*





*COL ANUP AWASTHI (7DBN ) ON THE FINAL DAY OF THE CONFERENCE*



*CAPT. PROF (DR) SANJAY KR SHARMA CONDUCTED SESSION OF THE CONFERENCE*

### **PAPER PRESENTATION**



*PAPER PRESENTATION BY LT BALASAHEB KALE ON CONTRIBUTION OF NCC IN DISASTER MANAGEMENT*



*PAPER PRESENTATION BY LT SEEMA KAUSHIK ON INCENTIVES AND CAREER OPPORTUNITIES THROUGH NCC*

### **TRAFFIC AWARENESS WEEK (12th Nov, 2020)**

The cadets visited various traffic signals near the college with posters and banners with the motto to spread awareness in lieu of traffic awareness week. The cadets used slogans to convey the message.



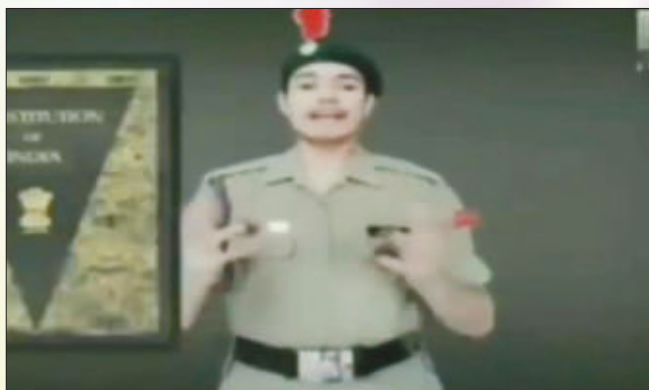
*CAPT. (DR) SANJAY KUMAR SHARMA ALONG WITH CADETS*



*CADETS SPREAD AWARENESS BY SHOWING POSTERS*

## CONSTITUTION DAY (18th Nov, 2020)

Achievement: Cdt Chirag Sharma was appreciated by Sri Rajnath Singh (Honorable Defence Minister) on virtual event for his participation in the Constitution Day video making competition



*CDT Chirag during virtual meeting with defence minister*



*HONORABLE DEFENCE MINISTER RAJNATH SINGH DURING VIRTUAL MEETING*

## RAJPATH SANITATION CAMPAIGN (18th Jan - 31st Jan, 2021)

Cadets participating in this camp raised awareness about cleanliness with the help of Nukkad Natak, poems and slogans.



*CADETS OF RLA ALONG WITH PI STAFF DURING NUKKAD NATAK*



*DELHI DTE CADETS AT INDIA GATE*

## IMA ATTACHMENT CAMP

(28th Dec, 2020 - 8th Jan, 2021)

JUO Rahul Anand and Cdt. Abhimanyu Singh attended the camp at IMA, Dehradun



*JUO RAHUL ANAND AND CADET ABHIMANYU SINGH ALONG WITH DELHI DTE CADETS AT INDIAN MILITARY ACADEMY (DEHRADUN)*

## NCC TRIALS (BATCH 2020-21) (11th Jan, 2021)

The trial of NCC was conducted offline in the college which consists of 3 levels of test: physical, written and interview in the presence of Associate NCC Officer Capt. Sanjay Kumar Sharma and PI Staff



## REPUBLIC DAY CELEBRATION (25th Jan, 2021)

Ram Lal Anand College NCC celebrated the Republic Day along with the teaching and non teaching staff. The flag hoisting ceremony was carried out by Principal Dr. Rakesh Kr. Gupta and Capt. Dr. Sanjay Kr. Sharma with the Guard of honour commanded by JUO Ujjwal



*PRINCIPAL ALONG WITH COLLEGE STAFF  
AND NCC CADETS*



*PRINCIPAL HOISTING THE NATIONAL FLAG*

## Combined Annual Training Camp

(3rd Feb -8th Feb, 2021)

A CATC camp was organised by the 7DBN Unit for the B and C certificate examination. All the cadets of Ram Lal Anand College took part in the camp. The camp included training consisting mainly of Drill, Map reading, Field craft/ Battle craft.



*RAM LAL ANAND COLLEGE CADETS AFTER THE COMPLETION  
OF CAMP (8TH feb 2021)*

## CELEBRATION OF AZADI KA AMRIT MAHOTSAV

(01/ April /2021)

Cadets of Ram Lal Anand College along with ANO Capt Dr Sanjay Kumar Sharma organized a rally from Ram Lal Anand college to Satya Niketan on the occasion of Amrit Mahotsav



*CAPT.PROF (DR) SANJAY KR SHARMA ALONG WITH CADETS*



*CADETS OF RLA NCC DURING THE RALLY*

## NUKKAD NATAK AT LAL QILA

(15th April 2021)

Nukad natak was organised at Lal Qila by 7 Delhi battalion. The theme of the Nukkad Natak was 'Say NO To Single Use Plastic'. Cadets of Ram Lal Anand College played a key role in the nukkad natak



*CADETS OF RLA NCC*



*CADETS OF DELHI DIRECTORATE ALONG WITH PI STAFF*



## World Yoga Day

(21 June 2021)

World Yoga Day was observed on 21st June 2021, all the cadets of Ram Lal Anand College performed yoga. Photos and videos of cadets were shared on social media platforms to spread awareness .

*CADETS OF RLA NCC PERFORMING YOGA*

## INDEPENDENCE DAY CELEBRATION

15 AUG 2021

On the 75th Independence Day and on the occasion Azadi ka Amrit Mahotsav, flag hoisting ceremony was organised . Guard of honour was presented by NCC cadets and Principal Prof (Dr) Rakesh Kr. Gupta hoisted the National Flag



SUO HRITHIK SINGH, JUO RAHUL ANAND  
JUO UJJWAL, JUO RAHUL RAJBHAR

# भावपूर्ण श्रद्धांजलि



**Dr Devendra Kumar**

15<sup>th</sup> August 1959 – 8<sup>th</sup> May 2021  
(Associate Professor, History Department)



**Dr Kusum Rani Gupta**

21<sup>st</sup> September 1970– 22<sup>nd</sup> April 2021  
(Associate Professor, Microbiology Department)

जिंदगी छोटी लेकिन सबसे अच्छी जी गए।  
हर जगह सुगंध फैलाकर स्मृति सबके दिल में रख गए।।

प्रभु आपकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे।



# UBIQUITOUS:THE ENGLISH LITERARY SOCIETY

The English Literary society UBIQUITOUS of Ram Lal Anand College, Delhi University functions to promote literature, and its various concepts. Further the society functions to develop literary interest and creativity among the students by organising various events, lectures and interactive sessions.

The society has organised various events during the session 2020-21 including national and international webinars and conferences, poetry, letter writing competition quizzes among others under the literary fest. The society provided an opportunity to students to learn and enrich educational values with fun.

The very first event of the society was a webinar on Understanding Indian Diaspora: Roots, Struggles and Contemporary realities which took place on an online platform Google meet on 5th November 2020 with the Eminent Historian, and Professor Kapil Kumar. He explained the concept of Diaspora and discussed the history of Indian diaspora, and the struggles faced by them.

Another event with the concept of Diaspora was an International Webinar on Fighting On Multiple Fronts: The Battle Of The Indian Diaspora For Cultural Retention which was on 20th November 2020 with the great researcher Rudra Ramdial, a third generation Indian immigrant who shared his personal experience with the audience on the issues faced by the Indian Diaspora.

A literary fest was organised by the society which included live quiz competition, letter writing and poetry writing competition 'Make Hastel!', 'Sincerely Yours' and 'Converse Through Verse' respectively to unleash the bottled up creativity and a webinar. The webinar was on 23rd January, it was a master interaction on film writing and movie direction 'Text to Screen' with nationally acclaimed Writer and Director Kamlesh K Mishra and IIF Awardee and Eminent Screenplay Writer Dilip Shukla. They shared their valuable experience and advice on film script writing and film direction and made the session all the more engrossing.

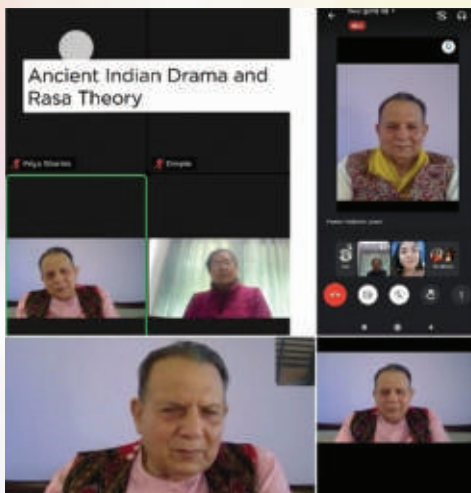
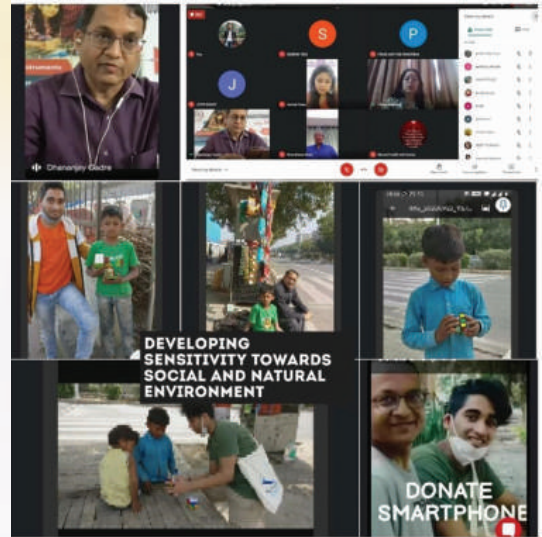
An online two day webinar was organised on Principles of Ancient Indian Drama and Rasa Theory on 8th and 9th February. The event was held on Google Meet on the first day and zoom on the second with Professor Bharat Gupta, former associate professor at CVS, Delhi

University, who enlightened the audience with his knowledge in the European and Indian drama as well as its structure. The two day event attracted over 200 participants.

Another insightful webinar on Developing sensitivity towards natural and social environment took place on 9 March 2021. The speaker for the webinar was Prof. Dhananjay Gadra who gave his lecture on the importance of environment by explaining about the different devices which one can use to detect the natural activities happening around us. All the events conducted turned out to be a ugee success under the guidance of society's Convenor Dr. Ritambhara Misra and event coordinator Dr. Purna Malhotra and all the executive members of the society.

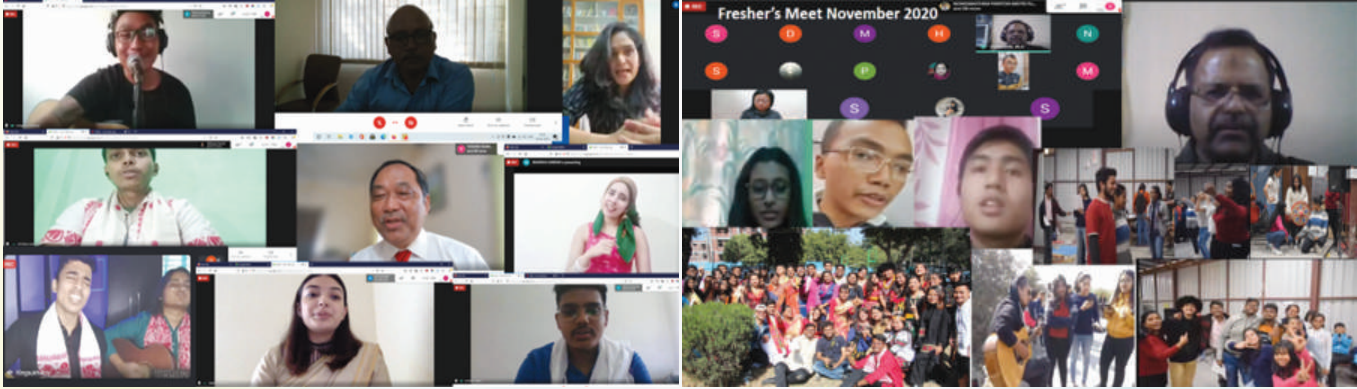
The team was led by Kabeyr Seth (3rd year). The executive members were Gitanjali Khohal (3rd year), Priya Sharma (3rd year), Kuntal yadav (3rd year), Anchal Arora (3rd year), Nilofar praveen (3rd year) , Amit Kumar Sinha (3rd Year), Aardra Surendran (1st year), Janisha bansal (1st year), Shevta (1st year), Jyoti Rawat (1st year), Deepti Dayal (1st year), Shivam Jha (1st year), Prashant (1st year), Anjali Atwal (1st year), Neelima sainsi (1st year).

Dr. Ritambra Mishra



# AIKYAM (EMBRACING UNITY)

## North East Students' Welfare Society Annual Report 2020-21



This society aims at providing platform to the NE students to be able to get their issues addressed and help them mingle seamlessly with the students of other parts of the country. This session had been a difficult one due to the pandemic. So efforts were made to help them feel at home by conducting regular meetings with the faculty members Dr. Sarbari Nag, Ms. Leimiwon Zimik and Dr. Khekhali. A Whatsapp group was created to help the students share their thoughts. Also, lists of students with the courses they are pursuing, their respective home states and hobbies were prepared to enable them to find persons with common interests.

To welcome freshers a meet was organized on 28th November, 2020 in which they were addressed by the Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta and Vice Principal Dr. Rakesh Kumar. They were also introduced to senior passed out high achiever NE student, Akoijam Suranjoy Singh and other seniors to help them feel

**AIKYAM**  
The Northeast Society of Ram Lal Anand College  
presents  
**AARANYA'21**  
4th Annual Cultural Fest

**DATE**  
26th March  
3:30 PM

**EVENTS**  
Songs  
Poetry  
Documentary  
Prize  
Distribution

**SPECIAL INVITEE**  
Laligana Kabang  
Singer/Musician

**CHIEF GUEST**  
Shri. El. Yungar Aier  
IIT (SIROKAR)

**FOR MORE DETAILS:**  
Rituraj Hazarika  
7002234295  
Prateek Nandi  
9954726813

**Dr. Sarbari Nag**  
Convener

**Ms. Leimiwon Zimik**  
Co-Convener

**Dr. Rakesh K. Gupta**  
Principal

**Ram Lal Anand College**  
University of Delhi  
**Aikyam: The Northeast Society**  
presents

**Str(Eat) Food**  
Online Food Photography Competition  
*Win Exciting Prizes!!*  
Send us your entries at:  
Instagram: **aikyam.rla**  
Email: **nes.rlac.du@gmail.com**

**Ms. Leimiwon Zimik**  
Co-Convener

**Dr. Sarbari Nag**  
Convener

Become a member of  
the North-East Society of  
Ram Lal Anand College,

**AIKYAM**  
EMBRACING UNITY!

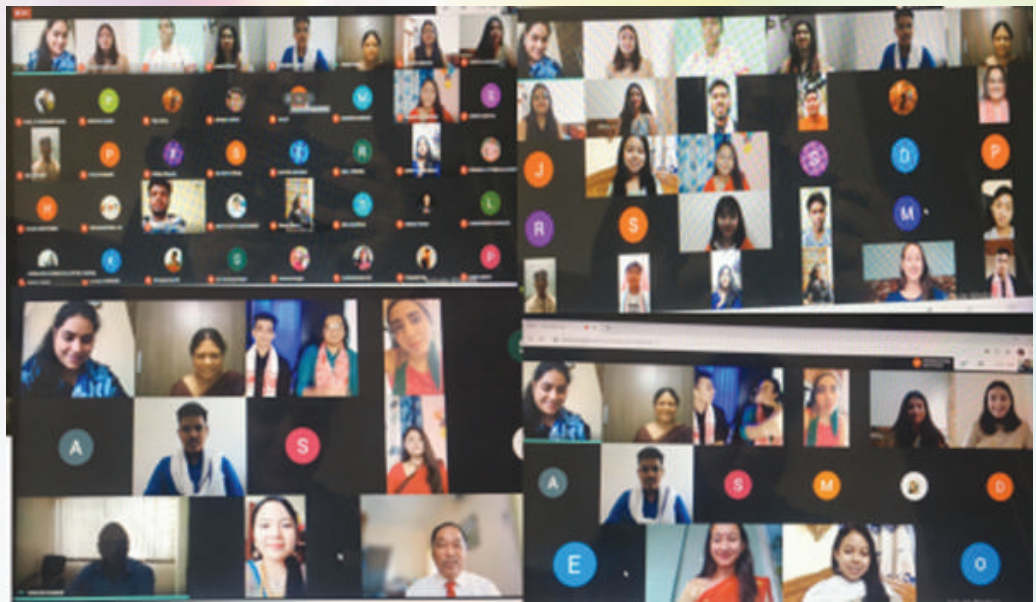
Open to all!!

**For more information**  
**Contact;**  
Rituraj Hazarika  
7002234295  
Sanatomba  
9774141486




motivated. Glimpses of backstage preparations for Aaranya 2020 were shown through a video to give them idea about the kind of enjoyment one can have during college life alongside getting good education.

To give the students platform to showcase their talents, article writing, painting and food photography competitions were conducted.



On 26th March, 2021, annual Fest was organized which was graced by Shri Shri E.L.Yanger Aier (IFS, retired) and the Vice Principal Dr. Rakesh Kumar who motivated the students to study hard and make their college life a fruitful one. Later on, through an email, Mr Aier highly appreciated the organization of the program. During the program students showcased their talents in the form of singing, poetry recitation and instrument recital. They also prepared a documentary video showcasing cultural heritages of different states. A beautiful Manipuri folk song was sung by Mr. Livingstone Kasung. A brochure was prepared to commemorate the auspicious occasion. In spite the difficult pandemic situation, the students created a beautiful memory to be cherished for a long time to come.

Dr. Sarbari Nag

THE NORTH EAST SOCIETY OF  
RAM LAL ANAND COLLEGE

# AIKYAM

brings you a platform to  
**FLAUNT YOUR CREATIVE SKILLS AND  
GET IT FEATURED TO THE MASSES**

Submit your paintings and articles showcasing North-Eastern India: its culture, natural resources and flora and fauna.  
Mail us your work at **nes.rlac.du@gmail.com**

**EXCITING CASH PRIZES!**

Entry Deadline: 10th February 2021

Dr. Sarbari Nag  
Convenor

Dr. Rakesh Kr Gupta  
Principal

For more information, Contact:  
Rituraj Hazarika, 7002234295



# HASRATEIN- THE DRAMATICS SOCIETY

## Activity Details

**Name of Activity (Title & Venue) :** Three Day Theatre Workshop (Online: Google Meet)

**Date and Duration :** 2<sup>nd</sup> to 4<sup>th</sup> October 2020 5 PM to 7 PM

**Budget (Amount & Source) :** 16000(College Funded)

**Jury/Guests Invited (with their affiliations) :** Mr. Avtar Sahni and Mr. Vipin Kumar (NSD theatre artists)

**Details of Event :** The basic concepts of theatre & performance art was brushed and polished for every participant. It was a constructive and interactive workshop.

**Number of teachers Participated :** Dr. Vandana Gandotra, Dr. Prabhas Pande, Dr. Sudha Chaudhary, Dr. Deepshikha Kumari

**Number of Students/Teams Participated :** There were 147 registrations from all around the country (Delhi, Jaipur, Kolkata, Jabalpur, Kerala etc.) and about 97 actively participated for three days.



**Name of Activity (Title & Venue) :** Auditions 2020-21(Online: Zoom, Google Forms)

**Date and Duration :** 14<sup>th</sup> to 23<sup>rd</sup> January 2021 Orientation Meeting: 13<sup>th</sup> December 2020

**Budget (Amount & Source) :** 16000(College Funded)

**Jury/Guests Invited (with their affiliations) :** Mr. Avtar Sahni and Mr. Vipin Kumar (NSD theatre artists)

**Details of Event :** Hasratein organized an orientation meeting on Zoom to introduce new members to the society. Then, we had our auditions for actors, writers and musicians from all years using google forms where participants had to submit their video tapes.

**Number of teachers Participated :** Dr. Vandana Gandotra, Dr. Prabhas Pande, Dr. Sudha Chaudhary, Dr. Deepshikha Kumari

**Number of Students/Teams Participated :** There were 132 registrations from different courses and years, out of which 31 new members were selected. Results of the auditions were announced on 30<sup>th</sup> January 2021.

**Name of Activity (Title & Venue) :** Revisiting Hawa Mahal: Radio Play Competition(Online: Zoom, Email Submissions)

**Date and Duration :** 25<sup>th</sup> February 2021 to 1<sup>st</sup> March 2021 Premiere Night: 9<sup>th</sup> March 2021

**Budget (Amount & Source) :** 8500(College Funded)

**Jury/Guests Invited (with their affiliations) :** Mr. Jainendra Singh & Mr. Praful Kumar, well known radio presenters as well as directors in Aakashvani Radio.

**Details of Event :** Hasratein -The Dramatics Society of RLA is organized a Radio Play Competition, first of its own in Delhi University theatre circuit. It was our tribute to the Vivid Bharti Radio Program, Hawa Mahal. Audio play entries were received from our participants through email and these were sent to our judges for making. Top three films were screened on the premiere and the participants discussed the making of their films with our judges and spectators.

**Number of teachers Participated :** Dr. Vandana Gandotra, Dr. Prabhas Pande, Dr. Sudha Chaudhary, Dr. Deepshikha Kumari

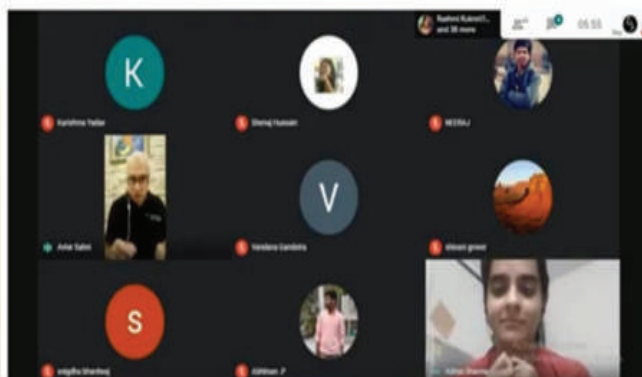
**Number of teachers Participated :** 27 teams from various colleges registered out of which 13 audio film entries were received for judgment. 40-50 spectators joined the Zoom meet on the premiere. Teams from various colleges such as PGDAV college, DTU college, Rajdhani College, Keshav Mahavidyalaya, Gargi College, GGSIPU, Motilal Nehru College, Deshbandhu College, IINTM, Netaji Subash University of Technology Delhi, Deen Dayal Upadhyaya College etc participated.

### Awards/ Achievement In Competitions

Name of Award/ Achievement	Name of Event	Institution & Date
<b>First prize (Jury choice)</b> for the radio play, Once Upon a Nightmare.	Lalkar- Dusshera Fest (Akashvani-Audio Film Competition)	Movies & Dramatics Club of <b>SRM Institute of Science &amp; Technology, Chennai</b> (25 <sup>th</sup> October 2020)
<b>First prize</b> for our short film, Still Remains	‘Tell me a tale’ – a One Take filmmaking making competition	Celluloid, the film club of <b>Miranda House</b> (27 <sup>th</sup> February 2021)
<b>Second Prize</b> for Monologue performance by Subhag Singh	SWAANG Monologue Competition- Rendezvous 2021	Rendezvous '21- The Annual Cultural Festival of <b>IIT Delhi</b> (21 <sup>st</sup> April 2021)

### Society Student Office Bearers

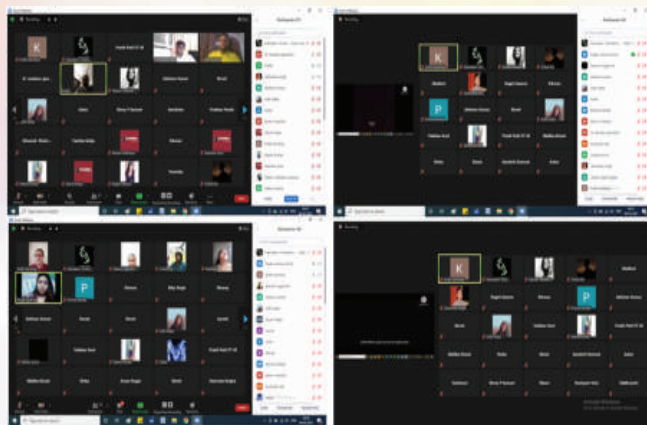
Name	Position	Course & Year
Ragini Saxena	President	B.A. (Hons.) English 3 <sup>rd</sup> Year
Subhag Singh	Vice- President	B.Sc (Hons.) Microbiology 2 <sup>nd</sup> Year
Kritik Varshney	Creative Head	B.A. (Hons.) History 2 <sup>nd</sup> Year
Angelin Mariam Binny	Finance Head	B.Sc (Hons.) Geology 2 <sup>nd</sup> Year
Vishal Pal	PR Head	B.A. (Hons.) Political Science 2 <sup>nd</sup> Year
Nandini Lavaniya	PR Head	B.A. (Hons.) Political Science 2 <sup>nd</sup> Year



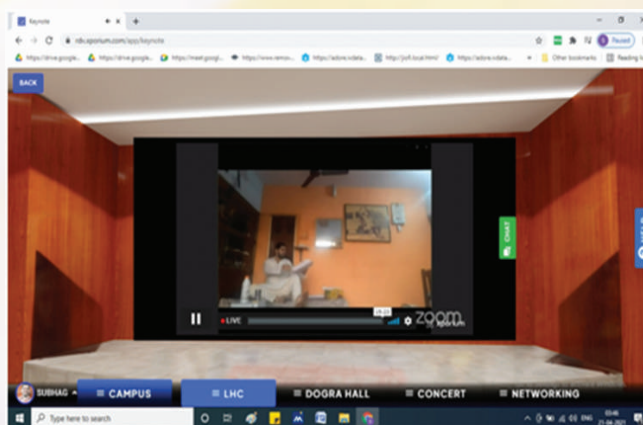
Theatre Workshop

### Society Teachers Committee

Name	Position
Dr. Vandana Gandotra	Convenor
Dr. Prabhas Pande	Co-Convenor
Dr. Sudha Chaudhary	Teacher Member
Ms. Deepshika Kumari	Teacher Member



Revisiting Hawa Mahal Event



Monologue Competition (IIT Delhi)

# DEPARTMENT OF COMPUTER SCIENCE

*“There are no shortcuts to any place worth going.”*

— Beverly Sills

We believe in the words written above and therefore Department of Computer Science constantly endeavors to make its students well equipped to attain success.

To provide a Learning Management System around the Virtual Labs where the students can avail the various tools for learning, including additional web-resources, video-lectures, animated demonstrations and self evaluation, the department organized a one day workshop on Virtual Labs, IIT Delhi on 26th February 2021. This workshop was attended by 98 students including 1st, 2nd and 3rd year of B.Sc. (Hons.) Computer Science and B.A. Program.

The Department organized Technology Conclave in collaboration with ICT Academy from 15th to 19th February 2021 with the aim of introducing latest trends in different technologies to the students. The topics of the online seminars were - Quantum Machine Learning, Human Computer Interaction interfaces usability, Cloud Computing, Neuro Quantum AI, Blockchain. several students across University of Delhi.

Computer Science Department organizes activities like Annual Festival ‘Automata’ annually to inculcate teamwork, leadership and marketing skills in students which they hone by employing various means to promote the fest. This year it was conducted online on 5th February 2021 due to pandemic situation. Technical and cultural events both were conducted.

The Department of Computer Science organized a “one month Certificate Course on Vector Design and Animation” from 20th June to 20th July 2020 online on Google meet. The course consisted of a well structured division into 20 classes wherein 3 different software were taught- Photoshop Illustrator and Animation including the installation, setup to detailed working. A total of 54 certified students were assessed through 15 assignments and quizzes.

Having a strong online presence has become essential for every business house. Good website improves the online presence and with constant rise in competition, it becomes more important to understand the design of website with latest tools. Keeping this in mind the Department organized a “Certificate Course of 30 hours in

**RAM LAL ANAND COLLEGE**  
BENITO JUAREZ MARG NEW DELHI - 110021  
UNIVERSITY OF DELHI

**DEPARTMENT OF COMPUTER SCIENCE**  
Presents

**WEBINAR**  
ON  
**BASICS OF DIGITAL MARKETING**  
&  
**HOW TO ENTER INTO DIGITAL MARKETING SPACE**

**SPEAKER**  
MR. HIMANSHU GABA  
ADMINISTRATIVE MANAGER  
AMAZON INDIA

**CONVENOR**  
DR. VANDANA SANGOTRA  
ASSOCIATE PROFESSOR

**DR. NEERAJ KUMAR SHARMA**  
ASSISTANT PROFESSOR

**26 SEPTEMBER 2020**  
12:00 - 3:00 PM

**COORDINATOR**  
SAKSHI TAARESH KHANNA  
ASSISTANT PROFESSOR

**HOST**  
DR. SAKESH KUMAR GUPTA  
PRINCIPAL

[REGISTER HERE](#)

**Ram Lal Anand College**  
Benito Juarez Marg, New Delhi-110021  
(University Of Delhi)

**Department Of Computer Science**  
Presents  
Certificate Course  
ON

**Learn Online**  
Classes From  
20th June  
To  
20th July

**Vector**  
Designing And  
Animation

1 Month Course || No Prior Knowledge Required || Open For All || Free Course

[Click Here To Register](#)

Registration on the basis of First Come First Serve (50 Seats Only) \*  
Certificate on Completion and Submission of Project/Assignment\*



Modern Web Development Tools” to keep abreast with the latest technologies that are relevant in current scenarios. The course started on 15th August and completed on 7th October 2020.

Five days “Faculty Development Program on Introduction to Machine Learning in Research (Concepts & Practical Use)” was successfully conducted by the Department of Computer Science Ram Lal Anand College in association with Teaching Learning Centre of Ramanujan College from 10th October to 18th October 2020. The FDP program received an overwhelming response with overall 135 participants from various colleges across nation. The FDP aimed to provide opportunities to faculty members and research scholars so as to enrich their teaching skills and research ideas in machine learning and its applications.

A one day Webinar on “Effect of Image Quality on Machine Learning” was organized on 3rd October 2020 via Google Meet. The Resource Person was Mr. Hitansh Singla (Alumnus from 2013-2017 batch), M.Sc. Data Science LMU Munich, currently working in Zesavi.com, Munich as Software Developer. The topic was core technical and the 50 students who are working in the same area or are interested attended the webinar. The Webinar was focused on use of image classification techniques in vehicle classification.

A one day Webinar on “Basics of Digital Marketing & How to enter into Digital Marketing space” was planned and successfully held on 26th September 2020 via Google Meet. Mr Himanshu Gaba ( Alumnus from 2017 batch) currently working in Amazon India as Advertizing Manager. 93 Students participated in this Webinar. It was specially meant for all the students interested in entering into digital space for marketing.

Then to keep the creative side of our students alive a “Creative Writing Competition on Gender Sensitization” was organized by Department of Computer Science on 24th October, 2020. A total of 38 students from different courses and colleges participated and submitted their articles on Google classroom.

An “interdepartmental Poster Making Competition on Environmental Awareness” was conducted on 19th September 2020 via online mode. 10 students participated in the event. In addition to the students of Computer Science, students from other disciplines also participated such as B.A. (P), B Com. (H) etc. to name a few. Topic was World Forestry Day. At the end of the day posters (both handmade and digital) were submitted by the students. All the participants came up with wonderful ideas and picture representation of the same.




UNDER THE AEGIS OF  
 MINISTRY OF EDUCATION  
**DEPARTMENT OF COMPUTER SCIENCE**  
**RAM LAL ANAND COLLEGE**  
 (UNIVERSITY OF DELHI)

IN ASSOCIATION WITH  
**PMMMNMTT**  
**TEACHING LEARNING CENTRE**  
**RAMANUJAN COLLEGE**  
 (UNIVERSITY OF DELHI)

**CALL FOR REGISTRATION AND PARTICIPATION**  
**ONLINE FACULTY DEVELOPMENT PROGRAM**  
 OR  
**Introduction to Machine Learning in Research**  
 (Concepts and Practical Use)

10<sup>th</sup> October - 18<sup>th</sup> October, 2020  
 TIME: 3:00 PM TO 5:00 PM

**REGISTRATION LINK**  
 (Last date: October 9, 2020)

**CHIEF PATRON**  
 Dr. Rakesh Kumar Gupta  
 Principal  
 Ram Lal Anand College  
 University of Delhi

**BROCHURE LINK**

**CHIEF PATRON**  
 Dr. S.P. Aggarwal  
 Principal  
 Ramanujan College  
 University of Delhi

**RAM LAL ANAND COLLEGE**  
 UNIVERSITY OF DELHI  
 DEPARTMENT OF COMPUTER SCIENCE

TOPIC WILL BE SHARED VIA GOOGLE CLASSROOM HAVING POSTER SPACHS ON 13  
 SUBJECT POSTERS BY THE END OF CPU ON GOOGLE CLASSROOM

# POSTER MAKING COMPETITION

**RELATED TO ENVIRONMENTAL AWARENESS**

**DATE : 13/9/2020 SAT**  
 TIME : 9:00 PM ONWARDS

INTERESTED STUDENTS CAN JOIN GOOGLE CLASSROOM  
**Class code : 96xq6no**

UPLOAD ORIGINATED PDF BY 8:00 FOR ANAND SPACE POSTERS  
 CERTIFICATE FOR ALL THE PARTICIPANTS  
 BRONZE PRIZES FOR TOP THREE WINNERS  
 POSTERS CAN BE DIGITALLY MADE SPACE

### About Ram Lal Anand College



Ram Lal Anand College is a fully University maintained institution administered by a statutory Governing Body as per university regulations and supervised by Executive Council of the University of Delhi.

Established as an Institute of Higher Learning in 1964, RLA College embodies the ideal of a public funded higher educational institution with an emphasis on academic, integration, quality and world equality. The College works with the motto "Shikshayama Lakshya Gaurava" which implies that every knowledge who work for it with dedication.

**RAM LAL ANAND COLLEGE**  
(UNIVERSITY OF DELHI)  
BANDY JHABRA ROAD, NEW DELHI-110007  
Faculty Page: [delhi.ac](#)



**DEPARTMENT OF  
COMPUTER  
SCIENCE**

PRESENTS

CERTIFICATE COURSE  
ON MODERN WEB  
DEVELOPMENT TOOLS

### COURSE DETAILS:

**DURATION**  
3.5 MONTH (13 AUG TO 30 SEPT) - 30 HOURS

**PLATFORM**  
YOUTUBE LIVE

**REQUIREMENTS**  
INTERNET CONNECTION AND A COMPUTER

**TOTAL - 5 PROJECTS**

**TECHNOLOGIES COVERED:**  
HTML, CSS, JS, JQUERY, NODEJS, EXPRESS, REACTJS, ELECTRONJS, SOL

**FEES- NIL**

**CLICK HERE TO REGISTER**

**RESOURCE PERSON**  
Sakshi Taresh Khanna  
Email: [sakshishahni.dugg@gmail.com](mailto:sakshishahni.dugg@gmail.com)

Anirudh Goel  
Mobile : 9068194171

### CONTACT DETAILS

Dr. Neeraj Kumar Sharma (Convener)  
Assistant Professor  
Mobile: 9821638906

Dr. Vandana Gandotra (Convener)  
Associate Professor  
Mobile: 9828288842

Sakshi Taresh Khanna (Course Co-ordinator)  
Assistant Professor  
Mobile: 9953245840

**MEMBERS**

- Shikha Verma (9910085505)
- Nupur Tyagi (9958653777)
- Arun Kumar Gautam (9910712005)
- Manisha Wadhwa Arora (9582332046)

### COURSE OUTLINE

COURSE IS DIVIDED INTO 4 MAJOR MODULES.

**MODULE - 1**  
HTML, CSS, JAVASCRIPT: BASIC TO INTERMEDIATE; JS IN BROWSER; JQUERY BASIC; GOOGLE MAPS AND FONTS;

**MODULE - 2**  
NODEJS; JS ADVANCE; NPM; IMAGE PROCESSING; EXPRESS; RESTFUL APIs; MVC; SOL;

**MODULE - 3**  
JSE (INTRO); REACTJS; BASIC TO ADVANCE; REACT-ROUTING;

**MODULE - 4**  
ELECTRONJS; CONVERTING WEB APPS TO DESKTOP APPS; PACKING DESKTOP APPS; TIEING IT ALL TOGETHER;

AFTER THIS COURSE YOU'LL BE CAPABLE TO MAKE WEB APPS LIKE TWITTER AND FULL-STACK WEBSITES.

To help the students prepare for future entrance exams, Department organized an “Aptitude Test Series” for 2nd and 3rd year students of B. Sc. (Hons.) Computer Science on 30th September and 30th October 2020 of 30 minutes each. The test included the questions from quantitative aptitude and logical reasoning. Students performed well in both the exams. Around 45 students appeared in both the test.

All these events could be successfully held because of the great support received from our Principal Sir and our sincere team of Computer Science staff and very enthusiastic students.

Dr. Vandana Gandotra


**RAM LAL ANAND COLLEGE**  
 UNIVERSITY OF DELHI

## DEPARTMENT OF COMPUTER SCIENCE - 2

PRESENTS

### A WORKSHOP ON

Mr. Prateek Sharma  
Virtual Labs Mentor



**Virtual  
Labs**  
An MHRD Govt of India Initiative

Mr. Shivam Sundaram  
Virtual Labs Mentor

26 Feb 2021  
DATE

**Register Here**

Dr. Neeraj Kumar Sharma  
Nodal Coordinator

Dr. Rakesh Kumar Gupta  
Principal

# ACHIEVEMENTS



**Karnika Chandna received 1st prize from Deputy CM, Delhi Shri Manish Sisodiya (Essay competition on Gandhi organised by Gandhi Bhawan, DU & Gandhi Darshan Samiti.**



**Kastur Parida University Topper, 2019-20  
BSc. (Hons) Geology)**



**Deepak Trivedi received Best student Award from  
Prof. P C Joshi (V C)**



**Hitesh Kumar  
Best NCC Cadet**



**Jagriti Gandhi  
Award of Excellence in  
Extra-curricular Activities**



**Keshav Goel  
Award of Excellence in  
Extra-curricular Activities**

## **NON -TEACHING STAFF**



**ADMIN OFFICE STAFF**



**ACCOUNTS OFFICE STAFF**





**LIBRARY STAFF**



**LABORATORY STAFF**



**MEDICAL FACILITIES**



**GARDENING STAFF**



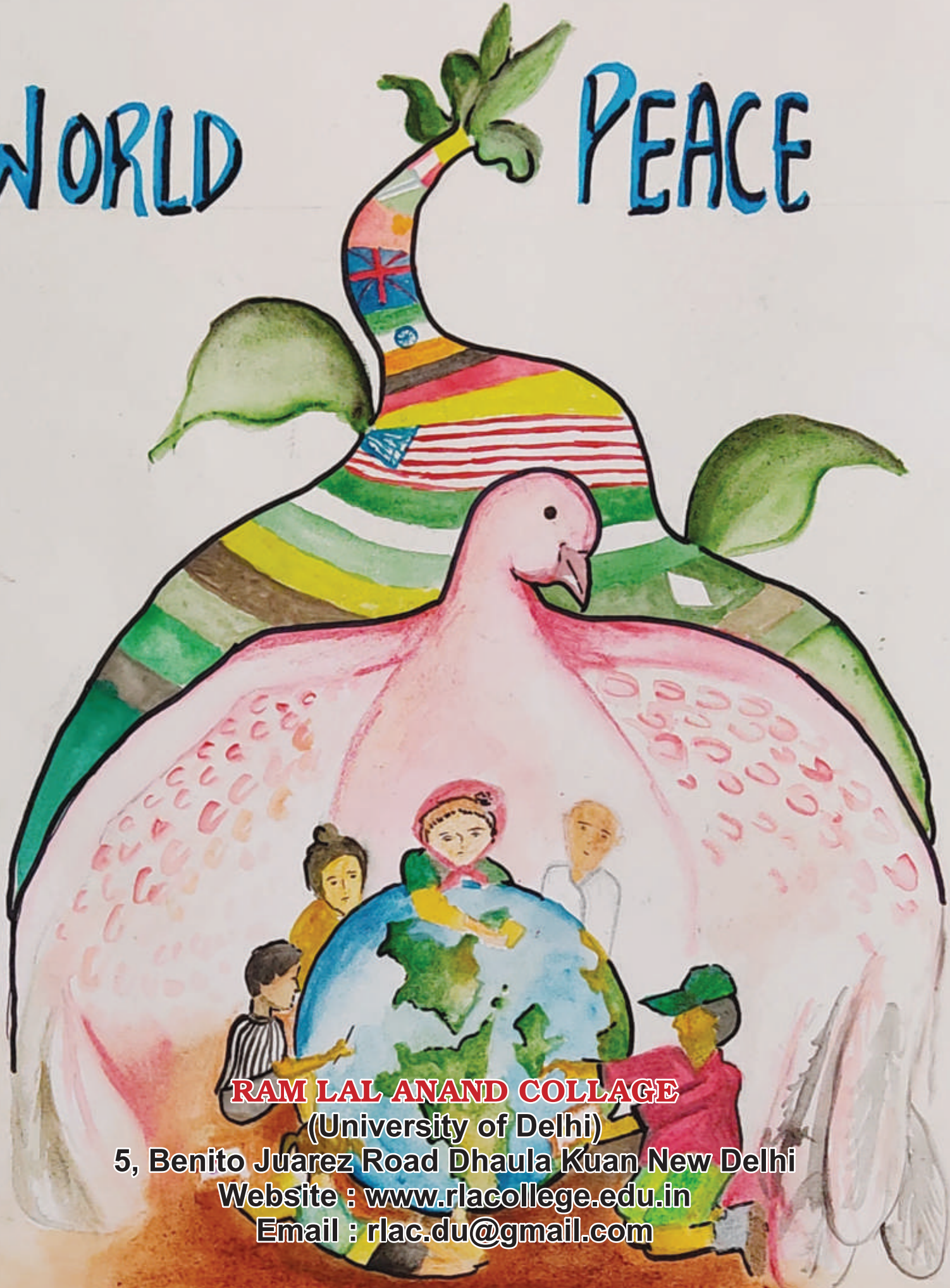
**CLEANLINESS STAFF**



छात्रों द्वारा सृजित इन चित्रकृतियों में कुछ पुरस्कृत भी हैं।

WORLD

PEACE



**RAM LAL ANAND COLLEGE**

(University of Delhi)

5, Benito Juarez Road Dhaula Kuan New Delhi

Website : [www.rlacollege.edu.in](http://www.rlacollege.edu.in)

Email : [rlac.du@gmail.com](mailto:rlac.du@gmail.com)